@Qpatrika @qaumipatrika hindi instagram.com/qaumipatrika

कौमी पत्रिका
राष्ट्रीय दैनिक अखबार

दिल्ली-हरियाणा-पंजाब-चण्डीगढ़-उत्तर प्रदेश से प्रसारित
मंगलवार, 19 दिसंबर 2023

VISIT:
www.qaumipatrika.in
Email: qpatrika@gmail.com

R.N.I. No. UP-HIN/2007/21472 सम्पादक - गुरचरन सिंह बब्बर वर्ष 17 अंक 19 qaumipatrikahindi 011-41509689, 23315814, 9312262300 गाजियाबाद संवत् 2077-78, पेज (12) मूल्य 3.00 रुपये (हवाई शुल्क 50 पैसे अतिरिक्त)

संसद के शीतकालीन सत्र से 92 सांसद सस्पेंड

सिम्मी कौर बब्बर

नई दिल्ली, 18 दिसंबर। लोकसभा की कार्यवाही में बाधा डालने के लिए सोमवार को 33 विपक्षी सांसदों को सदन से निलंबित कर दिया गया। जिन सांसदों पर निलंबन की गाज गिरी है, उनमें कांग्रेस के नेता अधीर रंजन चौधरी, द्रमुक सांसद टीआर बालू, दयानिधि मारन और तृणमूल कांग्रेस के सौगत रॉय शामिल हैं। बताया गया कि जिन सांसदों पर निलंबर की गाज गिरी है, उनमें से 30 को बचे हुए शीतकालीन सत्र के लिए निलंबित कर दिया गया है। इसके अलावा तीन अन्य सांसदों को विशेषाधिकार समिति की रिपोर्ट लंबित रहने तक निलंबित कर दिया गया है। इनमें के. जयकुमार, विजय वसंत और अब्दुल खालिक शामिल हैं। ये सभी नारे लगाने के लिए अध्यक्ष के आसन पर चढ़ गए थे। लोकसभा अध्यक्ष की ओर से नाम पुकारने के बाद संसदीय कार्य मंत्री प्रल्हाद जोशी ने निलंबन के संबंध में एक प्रस्ताव पेश किया। इसे ध्वनि मत से पारित कर दिया गया। इसके बाद सदन की कार्यवाही दिन भर के लिए स्थगित कर दी गई। इस बीच लोकसभा के बाद राज्यसभा में भी सांसदों पर कार्रवाई की गई। सदन में हंगामे और नियमों की अवहेलना को लेकर संसद के उच्च सदन के 45 सांसदों को पूरे सत्र के लिए निलंबित कर दिया गया है। इससे पहले गुरुवार को दोनों सदनों के 14 सांसदों को निलंबित कर दिया गया था। इसमें लोकसभा के 13 और राज्यसभा के एक सांसद शामिल थे। इस तरह अब तक दोनों सदनों के 92 सांसदों पर निलंबन की कार्रवाई की जा चुकी है। लोकसभा के बाद राज्यसभा में भी सांसदों पर कार्रवाई की गई है। संसद के उच्च सदन के 45 सांसदों को पूरे सत्र के लिए निलंबित कर दिया है। निलंबन बचे हुए शीतकालीन सत्र पर प्रभावी रहेगा।

बताया गया कि राज्यसभा के 34 सांसदों को बचे हुए शीतकालीन सत्र के लिए निलंबित कर दिया गया है। इसके अलावा 11 सांसदों के निलंबन के मामले को विशेषाधिकार समिति को भेज दिया गया है। इसकी रिपोर्ट आने तक ये 11 सांसद सदन की कार्यवाही में हिस्सा नहीं ले पाएंगे। इससे पहले लोकसभा की कार्यवाही में बाधा डालने के लिए सोमवार को 33 विपक्षी सांसदों को सदन से निलंबित कर दिया गया था। इससे पहले लोकसभा के जिन सांसदों पर निलंबर की गाज गिरी है, उनमें से 30 को बचे हुए शीतकालीन सत्र के लिए निलंबित कर दिया गया है। इसके अलावा तीन अन्य सांसदों को विशेषाधिकार समिति की रिपोर्ट लंबित रहने तक निलंबित कर दिया गया है। इनमें के. जयकुमार, विजय वसंत और अब्दुल खालिक शामिल हैं। ये सभी नारे लगाने के लिए अध्यक्ष के आसन पर चढ़ गए थे। इससे पहले गुरुवार को दोनों सदनों के 14 सांसदों को निलंबित कर दिया गया था। इसमें लोकसभा के 13 और राज्यसभा के एक सांसद शामिल थे। इस तरह अब तक दोनों सदनों के 92 सांसदों पर निलंबन की कार्रवाई की जा चुकी है।

बूढ़ा नहीं हूं, अभी भी कुछ लोगों को सीधा कर सकता हूं: शरद पवार

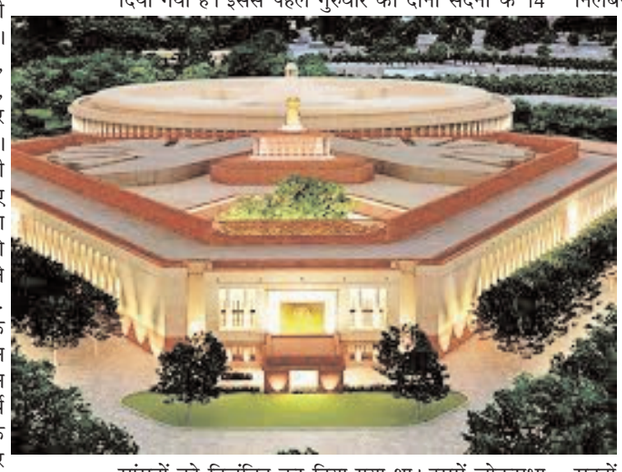

मुंबई, 18 दिसंबर। एनसीपी प्रमुख शरद पवार ने रविवार को बिना नाम लिए अपने भतीजे और महाराष्ट्र के डिप्टी सीएम अजित पवार पर निशाना साधा। उन्होंने अपने जन्मदिन पर पुणे में आयोजित एक बैलगाड़ी दौड़ कार्यक्रम में कहा कि अभी मैं बूढ़ा नहीं हुआ हूं। अभी भी मुझमें कुछ लोगों को सीधा करने की ताकत है। हालांकि उन्होंने अपने बयान में किसी का नाम नहीं लिया, लेकिन इस बयान को अजित के ऊपर कटाक्ष के तौर पर देखा जा रहा है। दरअसल, रविवार को महाराष्ट्र के पूर्व सीएम और केंद्रीय मंत्री रहे शरद पवार का जन्मदिन था। इस मौके पर पुणे की हवेली तहसील के चारकोली में एक बैलगाड़ी दौड़ का आयोजन किया गया था। इस खेल के आयोजन के मौके पर उन्होंने अपने संबोधन में बिना किसी का नाम लिए तंज कसा। उन्होंने कहा, मुझे आपसे शिकायत है। आप सभी अपने भाषणों में इस बात पर जोर देते रहते हैं कि मैं 83 साल का हूं, मैं 84 साल का हूं। आपने क्या देखा है? मैं बूढ़ा नहीं हुआ हूं। मेरे पास अभी भी कुछ लोगों को सीधा करने की ताकत है। आप चिंता मत करें। शरद पवार ने आगे कहा कि खेल किसानों को संतुष्टि और आत्मविश्वास देता है। उन्होंने कहा कि सत्ता में बैठे लोगों को किसानों से कोई लगाव नहीं है। उन्होंने प्याज सहित कुछ फसलों के निर्यात पर प्रतिबंध जैसे फैसलों का उदाहरण दिया। उन्होंने केंद्र और महाराष्ट्र की सरकार पर आरोप लगाया कि सरकार किसानों की मदद करने के बजाय बाधाएं पैदा करती है। शरद पवार के इस हालिया बयान को भतीजे अजित पर तंज समझा जा रहा है।

संसद की सुरक्षा में चूक मामले में जनहित याचिका

नई दिल्ली, 18 दिसंबर। सुप्रीम कोर्ट में एक जनहित याचिका दायर कर 13 दिसंबर को संसद सुरक्षा में हुई चूक की शीर्ष अदालत के एक पूर्व न्यायाधीश की अगुआई में अदालत की निगरानी में जांच कराने का अनुरोध किया गया है। तीन दिसंबर को सागर शर्मा और मनोरंजन डी नाम के दो व्यक्ति शून्यकाल के दौरान सार्वजनिक दीर्घा से लोकसभा के कक्ष में कूद गए थे, उस दौरान उन्होंने कनस्तरों से पीला धुआं छोड़ा था और नारेबाजी की थी। लगभग उसी समय दो अन्य लोगों अमोल शिंदे और नीलम देवी ने संसद भवन परिसर के बाहर तानाशाही नहीं चलेगी के नारे लगाते हुए कनस्तरों से रंगीन धुआं छोड़ा था। पांचवें आरोपी ललित झा ने कथित तौर पर परिसर के बाहर विरोध प्रदर्शन के वीडियो सोशल मीडिया पर प्रसारित किए। यह जनहित याचिका वकील याचिकाकर्ता अबू सोहेल ने अधिवक्ता श्रुति बिष्ट के माध्यम से दायर की। याचिका में कहा गया है, 13 दिसंबर को संसद के निचले सदन लोकसभा की सुरक्षा में बड़ी चूक के मामले में उच्चतम न्यायालय के सेवानिवृत्त न्यायाधीश की निगरानी में स्वतंत्र, विश्वसनीय और निष्पक्ष न्यायिक जांच की प्रकृति में उचित रिट, आदेश या निर्देश पारित किया जाए। याचिका में उच्चतम न्यायालय के एक पूर्व न्यायाधीश की निगरानी में स्वतंत्र, विश्वसनीय और निष्पक्ष न्यायिक जांच की मांग की गई है। दिल्ली पुलिस ने इस मामले में अलग-अलग भूमिका के लिए अब तक छह लोगों को गिरफ्तार किया है और जांच जारी है।

सरकार हर वर्ग के विकास के लिए प्रतिबद्धः पुष्कर सिंह धामी

तेजिन्दर कौर बब्बर

देहरादून, 18 दिसंबर। राज्य सरकार हर वर्ग के विकास के लिए प्रतिबद्ध है। जो इस दिशा में काम कर रही है। यह कहना है मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी का। उन्होंने यह बात विश्व अल्पसंख्यक अधिकार दिवस पर हिमालयन सांस्कृतिक केंद्र, गढ़ी कैंट में आयोजित समारोह में बतौर मुख्य अतिथि कही। मुख्यमंत्री ने इस दौरान अल्पसंख्यक आयोग की पुस्तिका का विमोचन भी किया। मुख्यमंत्री ने कहा, आज का दिन देश की एकता और अखंडता के संरक्षण व संवर्धन के लिए हमारे मौलिक कर्तव्यों को याद करने का दिन है। देश की एकता और अखंडता का मूल भी हमारी यही सांस्कृतिक विभिन्नताओं में पाए जाने वाली एकरूपता है। अनेकता में एकता का यही भाव देश को एकता के सूत्र में पिरोने का कार्य करता है। हमारी भारतीय संस्कृति सभी पंथ मार्ग, संप्रदायों का सम्मान करने की रही है। सीएम ने कहा, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश की संस्कृति व सामर्थ्य का विस्तार पूरे विश्व में हो रहा है। उनके दिए गए मंत्र सबका

साथ, सबका विकास, सबका विश्वास और सबका प्रयास से नए भारत में हर वर्ग के सशक्तीकरण का प्रयास किया जा रहा है। राज्य में विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं में अल्पसंख्यकों का प्रतिनिधित्व बढ़ाए जाने एवं अल्पसंख्यक छात्र-छात्राओं को प्रोत्साहित किए जाने के लिए मुख्यमंत्री अल्पसंख्यक प्रोत्साहन योजना शुरू की गई है। सरकार ने अल्पसंख्यक क्षेत्रों में मांग के अनुसार आर्थिक व शैक्षणिक विकास के लिए अल्पसंख्यक विकास निधि की स्थापना की है, जिसके तहत अभी तक 18 करोड़ की धनराशि स्वीकृत की जा चुकी है। मुख्यमंत्री हुनर योजना के माध्यम से गांवों की महिलाओं को स्वरोजगार के लिए सक्षम बनाया जा रहा है। मुख्यमंत्री ने कहा, राज्य में समान नागरिक संहिता को जल्द लागू किया जाएगा। इस दिशा में काम किया जा रहा है। 2025 तक उत्तराखंड को हर क्षेत्र में अग्रणी राज्य बनाने के लिए सभी को सहयोग देना होगा। कार्यक्रम में उत्तराखंड अल्प संख्यक आयोग के अध्यक्ष आरके.जैन, उपाध्यक्ष सरदार इकबाल सिंह, मजहर नईम, उत्तराखंड वक्फ बोर्ड के अध्यक्ष शादाब शम्स, मदरसा बोर्ड के अध्यक्ष मुफ्ती शमून कासमी, डीजीपी अभिनव कुमार आदि मौजूद रहे।

23 जनवरी से ही आमजन कर सकेंगे भगवान राम के दर्शन

नई दिल्ली, 18 दिसंबर। श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट ने कहा है कि 22 जनवरी को मंदिर के उद्घाटन के अगले ही दिन यानी 23 जनवरी से ही जनता को भगवान राम के दर्शन की अनुमति दे दी जाएगी। अयोध्या में अचानक बड़ी भीड़ से बचने के लिए विभिन्न राज्यों के लोगों से अलग-अलग दिन पर मंदिर के दर्शन के लिए आने की अनुमति दी गई है। श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के महामंत्री चंपत राय ने कहा है कि मंदिर के उद्घाटन के अवसर पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, सर संघचालक मोहन भागवत, उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, राज्यपाल और सभी ट्रस्टी राम मंदिर के प्रांगण में उपस्थित रहेंगे। इसके अलावा कई अन्य गणमान्य भी राम मंदिर के उद्घाटन कार्यक्रम के साक्षी बनेंगे। चंपत राय ने कहा कि उद्घाटन कार्यक्रम को देखते हुए विशेष टेंट सिटी बसाई गई है। ठंड के मौसम को देखते हुए इन एयरटाइट टेंट्स में हर प्रकार की सुविधाएं उपलब्ध कराई जा रही हैं। यह सुविधा अयोध्या आने वाले ऋषि-मुनियों, संतों और सामान्य भक्तों के लिए उपलब्ध होगी। इस अवसर पर डॉक्टर, छोटा अस्पताल, दवाएं और किसी भी आपात स्थिति से निपटने के लिए एंबुलेंस और अन्य संसाधन मौजूद होंगे। चौबीस घंटे चलने वाले भोजनालय और दो हजार से अधिक शौचालय की भी व्यवस्था की गई है। ट्रस्ट के अनुसार, इस तरह की हर तैयारी को 15 जनवरी तक अंतिम रूप दे दिया जाएगा। राम मंदिर उद्घाटन के अवसर पर अयोध्या में लोगों का भारी जमावड़ा होगा। ट्रस्ट का प्रयास है कि इस दौरान लोगों को मोबाइल नेटवर्क और इंटरनेट कनेक्टिविटी की समस्या न हो। इसके लिए कुछ कंपनियों से बात करके इतनी बड़ी संख्या में भी लोगों को नेटवर्क और इंटरनेट की समस्या न हो, इसका प्रयास किया जा रहा है। ठंड में लोगों को परेशानी न हो, इसे देखते हुए जगह-जगह पर लगातार अलाव जलाने की व्यवस्था भी की गई है।

450 करोड़ की काली कमाई जौहर यूनिवर्सिटी में लगाई: आजम खां

कौमी संवाददाता

रामपुर, 18 दिसंबर। समाजवादी पार्टी के वरिष्ठ नेता आजम खां ने 450 करोड़ की काली कमाई जौहर यूनिवर्सिटी में लगाई है। आयकर विभाग की ओर से ईडी (प्रवर्तन निदेशालय) को भेजी गई रिपोर्ट में यह खुलासा हुआ है। चौंकाने वाली बात यह है कि कई ऐसी कंपनियों ने भी जौहर यूनिवर्सिटी को करोड़ों रुपये का दान दे दिया है, जो खुद अस्तित्व में ही नहीं है। जौहर ट्रस्ट को दान देने वाले ऐसे लोग भी मुकर गए, जिनकी लिस्ट खुद आजम खां ने आयकर विभाग को दी थी। भाजपा के रामपुर शहर विधायक आकाश सक्सेना के निशाने पर सपा नेता आजम खां लंबे समय से हैं। उनकी शिकायतों के आधार पर जांच का दायरा बढ़ा तो आजम खां की मुश्किलें भी बढ़ती गईं। हाल ही में 13 सितंबर को ही आयकर विभाग की ओर से आजम खां के 30 ठिकानों पर छापे भी डाले गए थे। रामपुर, लखनऊ, गाजियाबाद,

मेरठ आदि जिलों में हुई यह छापेमारी तीन दिन तक चली थी। 20 अक्टूबर को केंद्रीय लोक निर्माण विभाग की टीम ने जौहर यूनिवर्सिटी में डेरा डाल लिया और इमारतों की वास्तविक कीमत का आकलन किया। जिसके बाद आयकर विभाग ने अपनी जांच रिपोर्ट ईडी को भेज दी है। सूत्रों के मुताबिक, जांच रिपोर्ट में यह कहा गया है कि आजम खां ने जौहर यूनिवर्सिटी में बनी दो इमारतों के निर्माण की ही मंजूरी ली थी, जबकि यूनिवर्सिटी में 59 इमारतों का निर्माण किया गया है। आजम खां अपनी यूनिवर्सिटी की कीमत 46 करोड़ बताते हैं, जबकि इन इमारतों की वास्तविक कीमत 494 करोड़ रुपये है। इस तरह 450 करोड़ रुपये का निवेश छुपाया गया, जो गलत तरीके से अर्जित किया गया है। इसमें भी यूनिवर्सिटी में अधिग्रहीत की गई जमीन और अन्य चल संपत्तियां शामिल नहीं हैं। इसके अलावा 88 करोड़ रुपये जल निगम, लोक निर्माण विभाग जैसी सरकारी विभागों के लगे हुए हैं, जिनसे अलग-अलग योजना के तहत कार्य कराए गए हैं। जैसे ड्रेनेज सिस्टम, सड़कों और इमारतों का निर्माण शामिल है। वहीं, आयकर विभाग ने जब आजम खां से पूछताछ की, तो उन्होंने जौहर ट्रस्ट को चंदा देने वालों ने नाम बता दिए लेकिन आयकर विभाग ने जब उन दानदाताओं से पूछा तो उन्होंने जौहर ट्रस्ट को किसी भी प्रकार का चंदा देने से इनकार कर दिया। सूत्र बताते हैं कि आयकर विभाग ने यह भी माना है कि आजम खां ने सपा सरकार में मंत्री रहते हुए अपनी ताकत को दुरुपयोग किया और अपने निजी स्वार्थ को गलत तरीके से पूरा किया है।

यह पुराने क्लब जैसा, नए सदस्यों को स्वीकारना नहीं चाहते कुछ देश: एस जयशंकर

बेंगलुरु, 18 दिसंबर। संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद पर कटाक्ष करते हुए विदेश मंत्री एस जयशंकर ने कहा कि यह एक पुराने क्लब की तरह है। इसके सदस्य देश नए सदस्यों को स्वीकार करने के इच्छुक नहीं हैं। उन्हें लगता है कि इससे वह अपनी पकड़ खो देंगे। जयशंकर ने रविवार को बंगलूरू में रोटरी इंस्टीट्यूट के कार्यक्रम में कहा, क्लब के सदस्य नहीं चाहते कि उनकी परंपराओं पर सवाल उठाया जाए। सुरक्षा परिषद में कुछ ऐसे सदस्य हैं, जो अपनी पकड़ छोड़ना नहीं चाहते। विदेश मंत्री ने इसे मानवीय विफलता बताते हुए कहा कि बिना किसी सुधार के संयुक्त राष्ट्र कम प्रभावी होता जा रहा है। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने कहा कि आपने बस में देखा होगा, कोई बच्चा लिए खड़ा रहता है या कोई थका रहता है, मगर यात्री सीट नहीं छोड़ते। इसी तरह संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के पांच सदस्य सीट पर बैठे हैं। इन्हें अन्य यात्रियों की तकलीफ से कोई मतलब नहीं है। कार्यक्रम में सवालों का जवाब देते हुए विदेश मंत्री एस जयशंकर ने कहा कि मुझे लगता है संयुक्त राष्ट्र के व्यवहार से दुनिया को नुकसान हो रहा है। साफतौर पर यह विश्व के लिए नुकसान भरा है। विश्व के सामने आने वाले प्रमुख मुद्दों पर संयुक्त राष्ट्र का प्रभाव बेहद कम होता जा रहा है। जयशंकर ने कहा कि मैं वैश्विक भावनाओं को भी बता सकता है हूं। मेरे कहने का मतलब है कि अगर आज ही आप 200 देशों से पूछें कि क्या वह संयुक्ता राष्ट्र में सुधार का समर्थन करते हैं या नहीं, तो मैं आपको आश्वस्त करता हूं कि बड़ी संख्या में सदस्य राष्ट्र इसमें सुधार की वकालत करते हैं।

कांग्रेस का जनता से चुनावी खर्च जुटाने का अभियान

सौरभ शर्मा

नई दिल्ली, 18 दिसंबर। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने 18 दिसंबर को डोनेट फॉर देश (ष्ठश्ठ्ठड्डह्व स्नश्रह्म ष्ठद्गह्यद्ध) अभियान की शुरुआत की। इसके अंतर्गत पार्टी जनता के बीच जाएगी और लोगों से कांग्रेस को चुनाव लड़ने के लिए पैसा देने की अपील करेगी। इसे कांग्रेस पार्टी के चुनाव प्रचार अभियान में जुटने और लोगों को स्वयं से जोड़ने की नई कोशिश के तौर पर देखा जा रहा है। इस अभियान की शुरुआत के अवसर पर कांग्रेस अध्यक्ष खरगे ने स्वयं इसे जनता के अधिकारों की लड़ाई बताया है। हालांकि, भाजपा ने कहा है कि कांग्रेस को जनता की बजाय अपने उन सांसदों से पैसा मांगना चाहिए जिनके घरों से 350 करोड़ रुपये की अवैध नकदी बरामद हो रही है। कहा जा रहा है कि देश की सबसे पुरानी राजनीतिक पार्टी कांग्रेस इस समय आर्थिक तंगी से गुजर रही है। उसके पास चुनाव लड़ने के लिए पैसे नहीं हैं। हाल ही में संपन्न हुए चुनावों में दो राज्यों में सत्ता गंवाने के बाद उसके पास चुनाव लड़ने योग्य संसाधन नहीं बचे हैं। संभवतः यही कारण है कि कांग्रेस जनता के बीच जाकर क्राउड फंडिंग के जरिए चुनाव लड़ने के लिए पैसे एकत्र करने की कोशिश कर रही है। इससे उसके पास चुनाव लड़ने के लिए पैसे भी हो जाएंगे, साथ ही इस अभियान के जरिए वह जनता को यह संदेश देने की कोशिश

करेगी कि भाजपा अमीर लोगों की पार्टी है। उसके पास बहुत पैसे हैं, और इसलिए उसे इस तरह क्राउड फंडिंग करने की आवश्यकता नहीं है। राहुल गांधी भाजपा पर अमीरों की पार्टी होने का आरोप लगाते रहे हैं। इस अभियान के जरिए कांग्रेस एक रणनीति के अंतर्गत इस हमले को और धार देने की कोशिश करेगी। राहुल गांधी प्रधानमंत्री पर कुछ अमीरों के लिए काम करने का आरोप भी लगाते रहे हैं। उनकी पूरी पार्टी इस चुनाव में इस हमले को भी और तेज करने की कोशिश करेगी। चूंकि, इसके पहले राहुल गांधी ने प्रधानमंत्री पर सूटबूट की सरकार होने का आरोप लगाया था, और जुमलों में ही सही, यह हमला काफी कारगर साबित हुआ था, माना जा रहा है कि यदि कांग्रेस वर्तमान अभियान को सही तौर पर चला पाई तो जनता के बीच इसकी अपील हो सकती है और इसका भाजपा को नुकसान हो सकता है। चुनावों के बीच भाजपा इस खतरे को भांप रही है। उसे पता है कि यदि कांग्रेस का यह हमला कारगर हुआ, तो उसे इसका राजनीतिक नुकसान हो सकता है। यही कारण है कि बिना देर किए उसने कांग्रेस के अभियान डोनेट फॉर देश पर हमला बोल दिया है। पार्टी प्रवक्ता शहजाद पूनावाला ने कहा है कि इसी समय कांग्रेस के एक सांसद के घर से 350 करोड़ रुपये से ज्यादा का अवैध धन बरामद हुआ है। यह पैसा जनता से लूटे हुए धन का है। कांग्रेस इस लूट से जनता का ध्यान हटाने की कोशिश कर रही है।

महुआ मोइत्रा ने दिल्ली हाईकोर्ट का किया रुख

नई दिल्ली, 18 दिसंबर। महुआ मोइत्रा पर लगे रिश्वत के बदले सवाल पूछने के आरोप के चलते लोकसभा स्पीकर ने उनकी सदस्यता रद्द कर दी थी। महुआ मोइत्रा को सांसद के तौर पर मिले आवास को सात जनवरी तक खाली करने के निर्देश दिए गए है। आदेश के खिलाफ टीएमसी नेता महुआ मोइत्रा ने दिल्ली हाईकोर्ट का रुख किया है। याचिका पर मंगलवार को सुनवाई के लिए सूचीबद्ध किए जाने की संभावना है। हाईकोर्ट में दायर याचिका में उन्होंने कहा कि संपदा निदेशालय का आदेश लोकसभा से उनके निष्कासन के बाद जारी किया गया है। मोइत्रा की याचिका में कहा गया है, आगामी आदेश समय से पहले दिया गया है क्योंकि याचिकाकर्ता के निष्कासन की वैधता भारत के सर्वोच्च न्यायालय के समाने लंबित है। मोइत्रा द्वारा दायर याचिका में कहा गया कि सरकारी आवास पर सही तरीके से कब्जा करने के याचिकाकर्ता के दावे पर जब विधिवत फैसला सुनाया जाता है, तभी संपत्ति कार्यालय/प्रतिवादी नंबर-1 के अधिकार क्षेत्र का सवाल उठता है। मोइत्रा ने कहा कि वह 2019 के आम चुनावों में पश्चिम बंगाल के कृष्णानगर निर्वाचन क्षेत्र से पहली बार लोकसभा के लिए चुनी गई और उनकी पार्टी ने उन्हें 2024 के लोकसभा चुनावों के लिए भी वहां से अपना उम्मीदवार चुना है। याचिका में उन्होंने कहा कि इसमें कहा गया है कि चूंकि लोकसभा से निष्कासन उन्हें चुनाव लड़ने के लिए अयोग्य नहीं ठहराता, इसलिए वह फिर से चुनाव लड़ेंगी। उन्हें अपना समय और ऊर्जा अपने मतदाताओं पर केंद्रित करने की आवश्यकता होगी। साथ ही उन्होंने अपनी याचिका में कहा कि वह दिल्ली में अकेली रह रही हैं और उनके पास यहां कोई अन्य निवास स्थान या वैकल्पिक आवास नहीं है। यदि उन्हें सरकारी आवास से बेदखल किया जाता है, तो उन्हें चुनाव प्रचार के कर्तव्यों को पूरा करना होगा और साथ ही नया घर भी ढूंढना होगा। बता दें मोइत्रा को अनैतिक आचरण का दोषी ठहराया गया था और आठ दिसंबर, 2023 को व्यवसायी दर्शन हीरानंदानी से गिफ्ट लेने और उनके साथ संसद वेबसाइट की अपनी यूजर आईडी और पासवर्ड साझा करने के लिए लोकसभा से निष्कासित कर दिया गया था। लोकसभा द्वारा उन्हें बाहर करने की सिफारिश करने वाली आचार समिति की रिपोर्ट को अपनाने के बाद उन्होंने पहले ही अपने निष्कासन को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दे दी है।

मोहन यादव का नया मंत्रिमंडल, विजयवर्गीय-प्रहलाद समेत ये दिग्गज भी बन सकते हैं

नरेश मल्होत्रा

नई दिल्ली, 18 दिसंबर। मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के पहले मंत्रिमंडल विस्तार की कवायद दिल्ली में पूरी हो गई है। भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा और केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह की मौजूदगी में प्रदेश से गए नामों पर विचार मंथन किया गया। सोमवार को एक बार फिर संगठन के साथ एक और बैठक होगी। इसमें भी नामों पर मुहर लगेगी। दूसरी तरफ राज्य के पूर्व सीएम शिवराज सिंह चौहान भी दिल्ली पहुंच रहे हैं। वे पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा से मुलाकात करेंगे। उम्मीद जताई जा रही है कि मंत्रिमंडल गठन पर उनसे भी चर्चा की जा सकती है। सूत्रों का कहना है कि सोमवार को दिल्ली में एक छोटी बैठक और हो सकती है, जिसमें नामों की सूची को अंतिम रूप दिया जा सकता है। साथ ही शपथ ग्रहण की तारीख और समय भी तय किया जा सकता है। इस चुनाव में 33 में से 31 मंत्रियों को टिकट दिया गया था। इसमें से 12 चुनाव हार गए, जबकि 19 मंत्री चुनाव जीतकर फिर विधानसभा पहुंचे हैं। रविवार रात को पार्टी अध्यक्ष जेपी नड्डा के घर देर रात तक बैठक चली। इसमे मुख्यमंत्री डॉ. यादव के अलावा प्रदेश अध्यक्ष वीडी शर्मा, राष्ट्रीय सह संगठन महामंत्री शिवप्रकाश, संगठन महामंत्री हितानंद शर्मा, दोनों उपमुख्यमंत्री जगदीश देवड़ा और राजेंद्र शुक्ला, स्पीकर नरेंद्र सिंह तोमर, केंद्रीय मंत्री सिंधिया, फग्गन सिंह कुलस्ते, विधायक प्रहलाद पटेल और पार्टी महासचिव कैलाश विजयवर्गीय शामिल थे। रविवार रात की बैठक में पूर्व सीएम चौहान को नहीं बुलाया गया था। सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार, राज्य के वरिष्ठ नेताओं में कैलाश विजयवर्गीय के साथ प्रहलाद पटेल, राकेश सिंह, रीति पाठक, राव उदय प्रताप सिंह और गोपाल भार्गव को भी जगह देने पर विचार चल रहा है। पहली बार में संभवत 18 से 20 मंत्री शपथ ले सकते हैं। केंद्रीय नेतृत्व ने सीनियर नेता कैलाश विजयवर्गीय और प्रहलाद पटेल से बात की है। उन्होंने मंत्रिमंडल में रहने के लिए अनुमति प्रदान कर दी है। संभावना है कि पार्टी नए चेहरों को भी कैबिनेट में जगह दे। उम्मीद जताई जा रही है सोमवार को मंत्रिमंडल के नाम फाइनल हो सकते हैं। शपथ ग्रहण समारोह मंगलवार को हो सकता है। क्योंकि राज्यपाल मंगू भाई पटेल ने भी अपने कार्यक्रमों में बदलाव किया है। वे पहले मंगलवार सुबह 11 बजे

राजधानी आने वाले थे, लेकिन अब वे सोमवार की शाम 4 बजे ही भोपाल आ जाएंगे। सूत्रों ने बताया कि पार्टी आलाकमान ने मंत्रियों के चयन का फॉर्मूला तैयार कर लिया है। पार्टी ने दो लाइन साफ कर दी हैं कि पहला मंत्रिमंडल में सभी संसदीय क्षेत्रों का प्रतिनिधित्व रहेगा। दूसरा तीन बार मंत्री रह चुके नेताओं को जगह नहीं मिलेगी। मोहन मंत्रिमंडल में कोई कोटा सिस्टम नहीं होगा। जिन विधायकों को मंत्री बनाया जा सकता है, इनमें कैलाश विजयवर्गीय, प्रहलाद पटेल, राकेश सिंह और रीति पाठक का नाम सबसे आगे है। इनके अलावा सिंधिया गुट से गोविंद राजपूत, तुलसी सिलावट, प्रदुम सिंह तोमर, मालवा निमाड़ से कैलाश गुट के रमेश मेंदोला, इंदर परमार, निर्मला भूरिया, मंजू दादू, ग्वालियर चंबल से एंदल कसाना, अमरीश शर्मा, बृजेंद्र यादव के नाम शामिल हैं। जबकि विंध्य इलाके से दिव्यराज सिंह, कुंवर टेकाम, महाकौशल से संपतिया उइके, ओम प्रकाश धुर्वे और भोपाल-नर्मदापुरम संभाग से रामेश्वर शर्मा, विष्णु खत्री, कृष्णा गौर, विश्वास सारंग और विजय शाह को मोहन मंत्रिमंडल में जगह मिलने की संभावना है। बुंदेलखंड से ललिता यादव, प्रदीप लारिया, बृजेंद्र प्रताप सिंह, हरिशंकर खटीक और गोपाल भार्गव को मंत्री बनाया जा सकता है।

क्रिसमस पार्टी के दौरान गोलीबारी, मरने वालों की संख्या 16 पहुंची

साल्वाटियेरा । मैक्सिको के उत्तर-मध्य राज्य गुआनाजुआतो के साल्वाटियेरा शहर में एक क्रिसमस पार्टी के दौरान बंधूकधारियों के हमले में 16 लोगों की मौत हो गई। अभियोजकों ने इसकी जानकारी दी। राज्य अभियोजकों ने बताया कि सलामांका शहर में गोलीबारी में चार अन्य लोगों की भी मौत हुई। हालांकि, उन्होंने हमले की वजह के बारे में कोई जानकारी नहीं दी। रिपोर्ट के मुताबिक, पीड़ित पोसाडा' नामक क्रिसमस पार्टी के बाद एक कार्यक्रम हॉल से बाहर निकल रहे थे, तभी बंदूकधारियों ने उन पर गोलियां चला दी। शहर में 'जलिस्को कार्टेल' और 'सिनालोआ कार्टेल' द्वारा समर्थित स्थानीय गिरोहों के बीच वर्चस्व की लड़ाई को लेकर खूनी संघर्ष लंबे समय से चल रहा है।

बांग्लादेश में आम चुनाव के लिए सेना की तैनाती को लेकर मिली मंजूरी

ढाका । बांग्लादेश में सात जनवरी 2024 को होने वाले आम चुनाव से पहले सुरक्षा सुनिश्चित करने में नागरिक प्रशासन की सहायता के लिए सेना की टुकड़ियों को तैनात किया जाएगा। बांग्लादेश चुनाव आयोग के सचिव मोहम्मद जहांगीर आलम ने बताया कि राष्ट्रपति मोहम्मद शहाबुद्दीन ने आगामी आम चुनाव के दौरान सेना की तैनाती को सैद्धांतिक मंजूरी दे दी। श्री आलम ने कहा कि सेना के जवानों को एक बल के रूप में तैनात किया जाएगा। यह निर्णय राष्ट्रपति और मुख्य चुनाव आयुक्त काजी हबीबुल अवल के बीच हुई बैठक में लिया गया। इसके पहले, आयोग ने बढ़ते राजनीतिक तनाव की पृष्ठभूमि में सात जनवरी के आम चुनाव की तैयारी के लिए 29 दिसंबर से 13 दिनों के लिए देश भर में सैनिकों को तैनात करने की अपनी योजना की घोषणा की थी। सत्तारुढ़ एएल पार्टी के महासचिव ओबैदुल कादर ने कहा कि वह जातीय पार्टी और अन्य गठबंधन सहयोगियों के साथ कुछ सीटें साझा करने वाले हैं, और इसतरह निर्वाचन क्षेत्रों में पार्टी के उम्मीदवारों को वापस ले सकते हैं।

भीषण तूफान से 14 लोगों की मौत

ब्यूनस आयर्स। ब्यूनस आयर्स प्रांत के कुछ हिस्सों में जीवन और संपत्ति क्षति संकेतक नारंगी अलर्ट जारी होने के बाद रविवार को पूर्वी अर्जेंटीना में आए भयंकर तूफान से हुई बारिश और 150 किमी/घंटा की रफ्तार से चलीं हवाओं से दक्षिण में बंदरगाह शहर बाहिया ब्लैंका में कम से कम 14 लोगों की मौत हो गई। वहीं पड़ोसी उरुग्वे में भी दो लोगों के मारे जाने की खबर है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक तूफान ने सबसे पहले 16 दिसंबर को ब्यूनस आयर्स से लगभग 570 किमी (355 मील) दक्षिण में बंदरगाह शहर बाहिया ब्लैंका में दस्तक दी, इससे इमारतों को नुकसान पहुंचा और रविवार को राजधानी शहर की ओर बढ़ने से पहले बिजली गुल हो गई। अधिकारियों के अनुसार, बाहिया ब्लैंका से टकराने के बाद, तूफान के कारण रोलर स्केटिंग प्रतियोगिता के दौरान एक खेल केंद्र की छत का हिस्सा गिर गया, इससे 13 लोगों की मौत हो गई जब ?कि 14 अन्य घायल हो गए, इनमें से कुछ मलबे के नीचे फंसे हुए थे। रविवार को, बाहिया ब्लैंका के उपनगर मोरेनो शहर में एक पेड़ की शाखा गिरने से एक महिला की मौत हो गई। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक रविवार को नवनियुक्त राष्ट्रपति जेवियर माइली ने नुकसान का सर्वेक्षण करने के लिए कई मंत्रियों के साथ बाहिया ब्लैंका की यात्रा की। उनके कार्यालय ने कहा कि पीड़ितों की सहायता करने और क्षति को नियंत्रित करने के लिए सरकार प्रांतीय और नगर निगम अधिकारियों के साथ मिलकर काम कर रही है।

न्यायाधीशों व उनके जीवनसाथियों को जामा-तलाशी से छूट

करांची। पाकिस्तान में न्यायाधीशों व उनके जीवनसाथियों को जामा-तलाशी से छूट के आदेश दिए गए हैं। मिली जानकारी के अनुसार पाक के विमानन मंत्रालय ने उच्चतम न्यायालय के निर्देशों के बाद सेवारत न्यायाधीशों और उनके जीवन साथियों को देश के सभी हवाई अड्डों पर जामा-तलाशी से छूट दे दी। मीडिया में आई एक खबर में यह जानकारी दी गई है। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार विमानन सचिव के निर्देश पर हवाई अड्डा सुरक्षा बल (एएसएफ) के महानिदेशक ने एक आदेश जारी किया है। विमानन मंत्रालय द्वारा 12 अक्टूबर को जारी एक अधिसूचना में कहा गया है कि सभी हवाई अड्डों पर पाकिस्तान के सेवारत न्यायाधीशों और उच्चतम न्यायालय के प्रधान न्यायाधीश के जीवन साथियों को जामा-तलाशी से छूट दी जाएगी। मी?डिया में 16 दिसंबर को आई खबर में बताया था कि पाकिस्तान विकसित देशों के समान स्व-आव्रजन सेवाओं के लिए कराची, लाहौर और इस्लामाबाद हवाई अड्डों पर 'ईगेट्स' स्थापित करने के लिए संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) कंपनी के साथ बातचीत कर रहा है। आव्रजन सूत्रों की मानें तो ई-पासपोर्ट धारक यात्री ही 'ई-गेट्स' सुविधा का फायदा उठा सकेंगे।

श्रीलंका को आर्थिक मंदी से मुक्ति दिलाने आईएमएफ का कोई विकल्प नहीं

कोलंबो । श्रीलंका के राष्ट्रपति रानिल विक्रमसिंघे ने कहा कि देश को आर्थिक संकट से बाहर निकालने के लिए अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) कार्यक्रम से बेहतर कोई विकल्प नहीं है। बता दें कि पिछले हफ्ते आईएमएफ ने श्रीलंका को 33.7 करोड़ अमेरिकी डॉलर की दूसरी किश्त जारी करने की मंजूरी दे दी। इस दौरान सुधारों के विरोध में विपक्षी दलों की कड़ी आलोचना का जवाब देते हुए राष्ट्रपति विक्रमसिंघे ने कहा कि उन्होंने आईएमएफ कार्यक्रम को चुना क्योंकि यह एकमात्र उपलब्ध विकल्प था। गौरतलब है कि विक्रमसिंघे वित्त मंत्री भी हैं। उन्होंने कहा कि जो सिर्फ लोगों को खुश करने के लिए बयान देते हैं वे आवश्यक कठोर निर्णय लेने के लिए तैयार नहीं होते हैं। मैंने आईएमएफ कार्यक्रम को चुना क्योंकि यह एकमात्र उपलब्ध विकल्प था। उन्होंने कहा और सभी राजनीतिक दलों से 2.9 अरब अमेरीकी डॉलर के बेलआउट की निंदा करते हुए जिम्मेदारी से कार्य करने का आग्रह किया। हालांकि हमें अतीत की आर्थिक गलतियों को सुधारने के लिए कड़े फैसले लेने होंगे। विक्रमसिंघे ने कहा कि कुछ लोग कहते हैं कि वे आईएमएफ कार्यक्रम पर फिर से बातचीत करेंगे, यह सरासर झूठ है।

दो करोड़ लेकर अपने राष्ट्रीय पशु मारखोर का पाकिस्तान ने कराया शिकार

इस्लामाबाद। पाकिस्तान ने अपने ही राष्ट्रीय पशु मारखोर का शिकार कराने के बदले दो करोड़ रुपए लिए है। अमेरिकी शख्स ने भुगतान कर इसके शिकार की अनुमति पाकिस्तान से ली थी। डेरॉन जेम्स मिल नाम के अमेरिकी नागरिक ने अक्टूबर में एक नीलामी में 232,000 डॉलर (करीब 2 करोड़ रुपए) की भारी-भरमक बोली लगाकर मारखोर के शिकार की अनुमति हासिल की थी। यह मारखोर के शिकार के लिए अब तक की सबसे बड़ी बोली थी ।बता दें कि मारखोर एक तरीके की जंगली बकरी है और यह पहाड़ी इलाकों में पाई जाती है। इसकी सींग बेशकीमती होती है और करीब 45 इंच तक लंबी होती है। पाकिस्तान हर साल मारखोर के शिकार के लिए नीलामी के जरिए कुछ परमिट जारी करता है। ये परमिट तोशी, चित्राल, गिलगित बाल्टिस्तान, गहरायत जैसी जगहों पर शिकार के लिए मिलते हैं। पिछले साल मारखोर के शिकार की एक नीलामी 167,525 में डॉलर में हुई थी। पाकिस्तानी अफसरों के मुताबिक पिछले कुछ सालों में मारखोर की संख्या में तेजी से इजाफा हुआ है, इसीलिए ट्रॉफी हंटिंग को बढ़ावा मिला है और इसके शिकार की इजाजत दी गई है। ट्रॉफी हंटिंग प्रोग्राम तहत नीलामी से जो पैसा आता है, उसमें से 80ब स्थानीय लोगों को जाता है जबकि 20ब सरकार अपने पास रखती है। खबरों के मुताबिक नीलामी के बावजूद सिर्फ नर और बुजुर्ग हो चुके मारखोर का ही शिकार करने की इजाजत मिलती है। हाल के दिनों में एक वर्ग पाकिस्तान सरकार की इस नीति की खासी आलोचना करता रहा है। आपको बता दें कि मारखोर पाकिस्तान का राष्ट्रीय पशु है।

किम जोंग ने पूर्वी समुद्र में दागी बैलिस्टिक मिसाइल ; जापान अलर्ट

सिओल। दक्षिण कोरिया के राष्ट्रपति कार्यालय ने संयुक्त राज्य अमेरिका के साथ संयुक्त परमाणु निरोध को मजबूत करने का आह्वान किया है। साथ ही कहा कि उत्तर कोरिया ने सोमवार के मिसाइल लॉन्च में ठोस ईंधन आधारित अंतरमहाद्वीपीय बैलिस्टिक मिसाइल (आईसीबीएम) का इस्तेमाल किया है। गौरतलब है ?कि उत्तर कोरिया ने सोमवार सुबह भी एक बैलिस्टिक मिसाइल पूर्वी सागर की तरफ दागी है।

ऑस्ट्रेलिया में आई भीषण बाढ़ की हवाई सर्वेक्षण के दौरान ली गयी तस्वीर।

रूस और यूक्रेन ने ड्रोन से एक-दूसरे के ठिकानों पर किए हमले

कीव । रूस और यूक्रेन ने लगातार दूसरे दिन एक-दूसरे के ठिकानों पर 12 से अधिक ड्रोन हमले किए। इस दौरान यूक्रेन ने रूस के एक सैन्य हवाई अड्डे को निशाना बनाया जबकि काला सागर तट के निकट ड्रोन का मलबा गिरने से यूक्रेन का एक नागरिक मारा गया। रूस के रक्षा मंत्रालय ने मैसेजिंग ऐप 'टेलीग्राम' पर जारी एक संदेश में कहा कि दक्षिण-पश्चिमी रूस के तीन क्षेत्रों में रात में यूक्रेन के कम से कम 35 ड्रोन को मार गिराया गया है। वहीं एक रूसी टेलीग्राम चैनल के अनुसार यूक्रेन द्वारा निशाना बनाए गए रूसी ठिकानों में उसका एक सैन्य हवाई अड्डा भी शामिल है, जहां बमवर्षक विमान रखे जाते हैं। हालां?कि चैनल ने मकानों के ऊपर से उड़ते ड्रोन का लघु वीडियो भी पोस्ट किया जिसमें दावा किया गया कि यह रूसी शहर मोरोजोवस्क का है। इसी शहर में स्थित रूसी सैन्य हवाई अड्डे पर रूस के वायुसेना की 559वीं 'बॉम्बर एविएशन रेजिमेंट' भी तैनात है।

इस हमले के बाद रूस के रोस्तोव प्रांत के गवर्नर वसीली गोलुबेव ने एक अलग बयान में मोरोजोवस्क और पश्चिम में एक अन्य शहर के पास बड़े पैमाने पर ड्रोन हमलों की जानकारी दी। इस दौरान उन्होंने लेकिन सैन्य हवाई अड्डे का जिक्र नहीं किया। गोलुबेव ने कहा कि अधिकतर ड्रोन मार गिराए गए हैं और कोई भी इसमें हताहत नहीं हुआ। उन्होंने नुकसान को लेकर कोई टिप्पणी नहीं की थी। हालां?कि यूक्रेन की वायुसेना ने रविवार को कहा कि उसने दक्षिणी और पश्चिमी यूक्रेन में रूसी सैनिकों द्वारा रात में भेजे गए 20 ईरान निर्मित ड्रोन को मार गिराया है।

पड़ोसी देश फिनलैंड के नाटो में शामिल होने से पुतिन नाराज, दे दी धमकी

मास्को (एजेंसी)। अपने पड़ोसी देश फिनलैंड के नाटो में शामिल होने से रूस नाराज हो गया है। इसी कारण से रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने हाल ही में नाटो में शामिल हुए फिनलैंड को बड़ी धमकी दी है। पुतिन ने कहा कि पड़ोसी फिनलैंड इस साल नाटो में शामिल हो गया है और उसे अब समस्याएं हो सकती हैं। गौरतलब है कि फिनलैंड रूस का पड़ोसी देश है और उससे 1300 किमी की सीमा साझा करता है। फिनलैंड का नाटो में शामिल होना पूरे उत्तरी यूरोप के सुरक्षा परिदृश्य के लिए बड़ा बदलाव माना जा रहा है। फिनलैंड के नाटो में शामिल होने को रूसी राष्ट्रपति पुतिन के लिए बहुत बड़ा झटका माना जाता है जो लंबे समय से अमेरिका के नेतृत्व वाले इस सैन्य संगठन के विस्तार का कड़ा विरोध करते रहे हैं। पुतिन ने इससे पहले कहा था कि यूक्रेन को नाटो में शामिल होने से रोकने के लिए उन्होंने विशेष सैन्य अभियान शुरू किया है। रूसी राष्ट्रपति ने कहा कि वे पश्चिमी देश फिनलैंड को अपने साथ मिला लिए और उसे नाटो में शामिल कर लिया। उन्होंने फिनलैंड पर कहा, इसमें कोई दिक्कत नहीं है लेकिन अब वहां हो सकती है। क्योंकि अब हम लेनिनग्राड मिलिट्री डिस्ट्रिक का निर्माण करेंगे। निश्चित रूप से वहां पर सैन्य यूनिटों की तैनाती की जाएगी।

पुतिन ने अमेरिकी राष्ट्रपति के उस बयान को भी सिरे से खारिज कर दिया जिसमें उन्होंने चेतावनी दी कि अगर पुतिन ने यूक्रेन पर कब्जा कर लिया तो वह आगे बढ़ना जारी रखेंगे। इस पर बाइडन ने सुझाव दिया था कि रूस एक नाटो सहयोगी देश पर हमला कर सकता है और अमेरिकी सैनिकों को भी जंग में आगे कर सकता है। बाइडन के बयान पर पुतिन ने कहा कि रूस के पास कोई कारण नहीं है, कोई हित नहीं है, न ही भूराजनीतिक न ही आर्थिक, न ही राजनीतिक या सैन्य कारण है, जिसकी वजह से नाटो देशों के साथ युद्ध किया जाए। बता दें कि फिनलैंड नाटो का 31वां सदस्य देश बन गया है। गत अप्रैल महीने में फिनलैंड नाटो में शामिल हुआ था। इससे अब उत्तरी यूरोप की तरफ से भी नाटो की सीमा रूस से मिलने लगी है।

डब्ल्यूएचओ ने किया अलर्ट कहा- कोरोना के 68 फीसदी मामले सबवैरिएंट जेएन.1 की वजह से हैं

जिनेवा (एजेंसी)। देश दुनिया में एक बार फिर कोरोना के मामले सामने आने लगे हैं। भारत भी साढ़े 3 सौ से अधिक लोग संक्रमित पाए गए है। डब्ल्यूएचओ ने कोरोना के बढ़ते मामलों पर चिंता जाहिर करते हुए अलर्ट जारी किया है। साथ यह भी कहा कि कोरोना वायरस फैल रहा है और फिलहाल कोरोना के 68 फीसदी मामले सबवैरिएंट जेएन.1 की वजह से हैं। विश्व स्वास्थ्य संगठन ने भी सदस्य देशों से अपील की है कि वह मास्क और सोशल डिस्टेंसिंग संबंधी नियमों को लागू करें और कड़ी निगरानी करें।

सांस संबंधी बीमारियों के बढ़ने और कोरोना के नए सबवैरिएंट जेएन.1 को लेकर विश्व स्वास्थ्य संगठन ने सदस्य देशों को आगाह किया है। डब्लूएचओ ने कहा है कि वायरस अपना स्वरूप बदल रहे हैं। ऐसे में सभी सदस्य देश अपने यहां मजबूत सर्विलांस रखें ताकि बीमारियों के प्रसार को रोका जा सके। डब्लूएचओ ने कोविड19 पर संगठन की टेक्निकल लीड मारिया वान केरखोव का एक वीडियो भी सोशल मीडिया पर साझा किया है। इस वीडियो में केरखोव ने सांस संबंधी बीमारियों के फैलने की वजह बताई है और इन्हें रोकने के लिए क्या सावधानी रखने की जरूरत है, उसकी भी जानकारी दी है।

मारिया वान केरखोव ने भी सोशल मीडिया पर साझा एक पोस्ट में लिखा कि सांस संबंधी बीमारियां दुनिया में लगातार बढ़ रही हैं। इनमें कोरोना वायरल, फ्लू, रिनो वायरस, माइकोप्लाज्मा न्यूमोनिया और अन्य बीमारियां शामिल हैं। सार्स कोव-2 लगातार अपने आप को बदल रहा है। कोरोना का सबवैरिएंट जेएन.1 भी फैल रहा है। केरखोव ने कहा कि सांस संबंधी बीमारियों के फैलने की कई वजह है, इनमें एक मौजूदा छुट्टियों का सीजन भी है, जिसमें परिवार इकट्ठा होते हैं और बड़ी संख्या में लोग यात्राएं करते हैं। ऐसे में सरकारों को कड़ी निगरानी करने की जरूरत है।

शरणार्थी शिविर पर इजरायली सेना ने किया हमला, 90 की मौत

गाजा पट्टी (एजेंसी)। इजरायली सेना गाजा पर ताबड़तोड़ हमले कर रही है। किसे मारा जा रहा है और कोन प्रभावित हो रहे है इससे भी सेना का कोई वास्ता नहीं है। ऐसा ही एक हमला शरणार्थी शिविर पर किया है जिसमें करीब 90 लोगों की मौत हो गई है।उत्तरी गाजा में हुए इस हमले में 100 से ज्यादा फिलिस्तीनी लोग घायल भी हुए हैं। गाजा के स्वास्थ्य मंत्रालय ने रिपोर्ट में बताया गया है कि रविवार को जबालिया शहर में ये अटैक हुआ है। जिसमें बड़ी संख्या में महिलाएं और बच्चे भी मारे गए हैं। वहीं दर्जनों लोग लापता हैं।हमले के बाद स्थानीय लोग घायलों की तलाश कर रहे हैं, माना जा रहा है कि मलबे के नीचे और शव दबे हो सकते हैं। बड़ी संख्या में घायलों के आने से आसपास के अस्पतालों में भी उपापोह की स्थिति हो गई क्योंकि चिकित्सा केंद्र पहले से ही रोगियों से भरे हुए हैं। इस हमले में मरने वालों में फिलिस्तीनी इस्लामिक जिहाद समूह के प्रवक्ता दाऊद शेहाब का बेटा भी शामिल है। इसकी जानकारी संगठन के ही एक कमांडर ने स्थानीय मीडिया को दी है।

इजराइल ने दक्षिणी गाजा में बीते कुछ दिनों में अपनी सैन्य कार्रवाई तेज कर दी है। इससे खान यूनिस और राफा शहर प्रभावित हुए हैं, जहां अधिकांश विस्थापित फिलिस्तीनी शरण ले रहे हैं। दक्षिण में बढ़ती बमबारी से मानवीय संकट भी पैदा हो रहा है। लोगों के सामने भोजन और पानी का संकट खड़ा हो रहा है। संयुक्त राष्ट्र का अनुमान है कि करीब 19 लाख लोग यानी गाजा की लगभग 80 प्रतिशत आबादी युद्ध के चलते विस्थापित हो गए हैं। संयुक्त राष्ट्र एजेंसी, यूएनआरडब्ल्यूए की ओर से गाजा के हालात पर लगातार चिंता जताई गई है।हमले के बाद जो लोग लापता हैं, उनके परिजन मलबे के नीचे शवों को ढूंढ रहे हैं। स्थानीय लोगों का कहना है कि मलबे के नीचे मृत लोगों की संख्या बहुत बड़ी है, लेकिन उन्हें निकालने का उनके पास फिलहाल कोई रास्ता नहीं है।

कश्मीर मामला सुलझाये बगैर दक्षिण एशिया में शांति स्थापना मुश्किल : मुनीर

-यूएनएससी प्रस्ताव की उपेक्षा को लेकर पाक सेना प्रमुख ने की यूएन चीफ गुटेरेस से वार्ता

इस्लामाबाद (एजेंसी)। कश्मीर विवाद के शांतिपूर्ण समाधान को लेकर पाकिस्तान के सेना प्रमुख असीम मुनीर ने संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंटोनियो गुटेरेस के साथ बैठक की है। मुनीर ने यूएन चीफ से कहा है कि जब तक कश्मीर का मामला नहीं सुलझता तब तक दक्षिण एशिया में शांति स्थापित करना मुश्किल है, क्योंकि कश्मीर का मामला सिर्फ कश्मीरियों के लिए ही नहीं बल्कि पूरे इलाके के लिए अहमियत रखता है। पाक सेना के मीडिया विंग के अनुसार मुनीर ने गुटारेस से कहा, संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद को यूएनएससी के प्रस्तावों और कश्मीरी लोगों की आकांक्षाओं के अनुसार लंबे समय से चले आ रहे कश्मीर विवाद का शांतिपूर्ण समाधान खोजना चाहिए। ये दक्षिण एशिया में शांति बनाने के लिए जरूरी है। न्यूयॉर्क में संयुक्त राष्ट्र मुख्यालय में गुटेरेस के साथ बैठक में मुनीर ने भारत के जम्मू-कश्मीर से आर्टिकल 370 खत्म करने के मुद्दे को भी उठाया। उन्होंने कहा कि भारत की संसद और कोर्ट ने यूएनएससी प्रस्तावों की उपेक्षा करते हुए कश्मीर की स्थिति को बदलने की दिशा में एकतरफा कदम उठाए हैं, जिसकी निंदा की जानी चाहिए।

अपने अमेरिका दौरे के दौरान पाकिस्तान के सेना प्रमुख ने यूएन चीफ के अलावा वाशिंगटन में रक्षा सचिव लॉयड ऑस्टिन और राज्य सचिव एंटनी ब्लिंकन समेत कई अमेरिकी अफसरों के सामने भी कश्मीर मुद्दा उठाया है। मुनीर ने सभी के सामने ये बात दोहराई है कि भारत का फैसला एकतरफा और गैरकानूनी है, ऐसे में इस पर दुनिया को आगे बढ़ते हुए कोई कदम उठाना चाहिए। मुनीर का कहना है कि भारत जिस तरह के कदम उठा रहा है, वह इलाके की शांति के लिए भी उचित नहीं हैं।

भारतीय सुप्रीम कोर्ट के कश्मीर से 370 को निरस्त करने के सरकार के फैसले को बरकरार रखने का फैसला आने के बाद असीम मुनीर के अलावा पाकिस्तान के कार्यवाहक प्रधानमंत्री अनवारुल हक काकर भी कड़ी प्रतिक्रिया दे चुके हैं। हक ने भी भारत के कदम को पूरी तरह से अंतरराष्ट्रीय कानूनों का उल्लंघन कहा है।

कौमी पत्रिका
संपादक-गुरचरन सिंह बब्बर
स्वामी मुद्रक एवं प्रकाशक, गुरचरन सिंह बब्बर ने कौमी पत्रिका प्रिंटिंग प्रेस, सेक्टर ए-4/ए-144 इंडस्ट्रीयल एरिया ट्रोनिका सिटी लोनी (गाजियाबाद), उत्तर प्रदेश से छापकर प्रकाशित किया।
Corporate Office:
5, Bahadurshah Zafar Marg
ITO, New Delhi-110002
फोन : 011-41509689, 23315814
मोबाइल नंबर : 9312262300
E - mail address :
qpatrika@gmail.com
Website: www.qaumipatrika.in
R.N.I. No.
UP-HIN/2007/21472
Legal Advisors:
Advocate Mohd. Sajid
Advocate Dr. A.P.Singh
Advocate Manish Sharma
Advocate Pooja Bhaskar Sharma

नासा ने ढूंढे 17 ऐसे ग्रह जिनके नीचे विशाल महासागर के साथ एलियंस भी मौजूद

वॉशिंगटन (एजेंसी)। अमेरिकी स्पेस एजेंसी नासा ने 17 ऐसे ग्रहों की खोज की है, जिनके नीचे विशाल महासागर हो सकते हैं, इसके साथ ही यहां पर एलियंस की मौजूदगी भी हैरान करने वाली है। नासा के अनुसार यहां की बर्फीली सतह के नीचे जीवन को सपोर्ट करने वाले महासागर मौजूद हो सकते हैं। दुनियाभर की अन्य एजेंसियों की तरह ही नासा भी पृथ्वी के अलावा दूसरे ग्रहों पर जीवन की तलाश कर रही है। यह माना जा रहा है कि कुछ ग्रह पर भले ही बहुत ज्यादा ठंड हो, लेकिन उनकी बर्फीली सतह के नीचे जीवन मौजूद हो सकता है। नासा ने जारी एक बयान में कहा कि इन महासागरों का पानी कभी-कभी बर्फ की परत के जरिए गीजर के रूप में सतह से बाहर निकलता है। हालांकि साइंस टीम ने इन एक्सोप्लैनेट पर गीजर गतिविधि की मात्रा की गणना करते हुए पहली बार ये अनुमान लगाए गए हैं। इन 17 एक्सोप्लैनेट्स को खोजने का काम नासा के गोडार्ड स्पेस फ्लाइट सेंटर की डॉ. लिने क्रिक के नेतृत्व वाली टीम ने किया है। उन्होंने इन एक्सोप्लैनेट्स को लेकर एक स्टडी भी जारी की है, जिसमें इनके बारे में ज्यादा जानकारी दी गई है।

एक अध्ययन में इस बात पर फोकस किया गया है कि हैबिटेबल जोन की बजाय हमें ठंडे एक्सोप्लैनेट्स पर जीवन ढूंढने के लिए काम करना चाहिए। ठंडे ग्रहों की बर्फीली सतह के नीचे महासागर मौजूद हो सकते हैं। इसमें बताया गया है कि ग्रह के नीचे मौजूद महासागर इसके इंटरनल हीटिंग मैकेनिज्म का इस्तेमाल कर रहे होंगे। हमारे सौरमंडल में मौजूद यूरोपा और इंक्लेडस नाम के चंद्रमाओं पर भी ऐसा ही होता है। डॉ. लिने क्रिक ने बताया कि हमारे विश्लेषण के मुताबिक इन 17 बर्फीली दुनियाओं में बर्फ से ढकी सतहें मौजूद हो सकती हैं। मगर इन ढकी सतहों के नीचे मौजूद महासागरों में पानी को जमने से बचाने के लिए इनके सूर्य से रेडियोएक्टिव तत्व और ज्वार बल की मदद मिल रही होगी। इन दोनों चीजों की मदद से इतनी हीटिंग मिल रही होगी, जो पानी को आसानी से जमने नहीं देती है। इसी हीटिंग के चलते कई बार महासागरों का पानी सतह को चीरकर बाहर भी आ रहा है। हालांकि, इस स्टडी में ये नहीं बताया गया है कि ग्रहों की बनावट किस तरह से हुई है। मगर पानी की मौजूदगी कहीं न कहीं इस बात संकेत भी देती है कि इन ग्रहों पर जीवन हो सकता है। ये भी बताया गया कि जीवन अभी बैक्टीरिया और माइक्रोब्स की अवस्था में हो। हालांकि, नासा की स्टडी में ग्रहों पर जीवन की मौजूदगी के बारे में ज्यादा कुछ विस्तार से नहीं कहा गया है। ऐसे में किसी ठोस नतीजे पर पहुंचना जल्दबादी होगी।

ईरान में सबसे ज्यादा दी जा रही फांसी, 10 महीने में 604 को दी मौत

तेहराइन। इरान में धड़ाधड़ दी जाने वाली फांसी को लेकर सभी जगह चर्चा हो रही है। यहां मात्र दस महीने में 604 लोगों को फांसी पर लटका दिया है। ईरान ने अपने नागरिक को इजराइल की खुफिया एजेंसी मोसाद के लिए काम करने का दोषी पाया था। खुफिया डॉक्यूमेंट्स को आधार बना ईरान ने फांसी देने वाले शख्स पर जासूसी का आरोप लगाया और फिर आखिरकार उसे फांसी पर लटका दिया। एक रिपोर्ट के मुताबिक अकेले पिछले 10 दिनों में 42 लोगों को ईरानी प्रशासन ने मौत के घाट उतार दिया। इस तरह अगर देखें तो हर 6 घंटे में एक शख्स को फांसी दी गई। ईरान अंदरूनी समस्याओं से लगातार जूझ रहा है। सबसे बड़ी दिक्कत है वहां अर्थव्यवस्था और दूसरा देश का सख्त इस्लामिक कानून। इस्लामिक कानूनों का ही हवाला देकर वहां की सरकार महिलाओं पर पाबंदी और बेहिसाब फांसी की सजाएं देती रही है। ईरान को लेकर काम करने वाली मानवाधिकार संगठनों के मुताबिक महस अमीनी की पुलिस कस्टडी में गई जान के बाद जो हिजाब विरोधी प्रदर्शन हुए, उसमें कम से कम 229 लोगों को फांसी दी जा चुकी है। इसी साल की बात है, नवंबर के महीने में संयुक्त राष्ट्र संघ ने ईरान में बड़ें पैमाने पर हो रही फांसी को एलार्मिंग बताया था। 2023 के शुरुआती सात महीनों में 419 लोगों को फांसी की सजा दे दी गई। 2022 की तुलना में यह 30 प्रतिशत तक अधिक था. वहीं एक दूसरे रिपोर्ट के मुताबिक इस साल के शुरुआती 10 महीनों में 604 लोगों को फांसी दे दी गई। यह संख्या पिछले आठ साल में सबसे अधिक थी। साल 2015 में सबसे अधिक 972 लोगों को ईरान में फांसी दी गई थी। नवंबर महीने में जिन लोगों को फांसी दी गई, उनमें दो महिलाएं जबकि एक बच्चा शामिल था। मरने वाले लोगों में सबसे अधिक कुर्दिश और बलूची लोग हैं। कर्दिश और बलूची आबादी ईरान में अल्पसंख्यक है।

एआई की मदद से पीएम मोदी का भाषण हुआ तमिल में अनुवाद

नई दिल्ली। उत्तर प्रदेश के वाराणसी में काशी तमिल संगमम के दौरान प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के भाषण को कृत्रिम मेधा (आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, एआई) का उपयोग कर वास्तविक समय में तमिल दर्शकों के लिए अनुवादित किया गया। प्रधानमंत्री ने कहा, ''जो लोग तमिलनाडु से हैं, मैं उनसे अनुरोध करता हूं कि वे अपने इयरफोन (भाषण सुनने के लिए) का उपयोग करें। पीएम मोदी ने कहा कि कृत्रिम मेधा से उनके लिए लोगों तक पहुंचना आसान होगा। उन्होंने कहा, ''यह मेरा पहला अनुभव है। भविष्य में मैं इसका इस्तेमाल करूंगा और आपको जवाब देना होगा। अब, जब मैं हिंदी में बोलूंगा, तब एआई इसका तमिल में अनुवाद करेगी। प्रधानमंत्री ने कहा, ''तमिलनाडु से काशी आने का मतलब है महादेव के एक घर से उनके दूसरे घर तक आना। तमिलनाडु से काशी आने का मतलब है, मदुरै मीनाक्षी के स्थान से काशी विशालाक्षी के स्थान तक आना।'' प्रधानमंत्री मोदी ने कहा, तमिलनाडु और काशी के लोगों के दिलों में जो प्यार और बंधन है, वह अलग और अनोखा है। मुझे यकीन है, काशी के लोग आप सभी की मेहमान नवाजी में कोई कसर नहीं छोड़ेंगे। काशी तमिल संगमम इस माह के अंत तक चलेगा। इसकी शुरुआत 17 दिसंबर को की गई, जिसमें तमिलनाडु और पुदुचेरी के 1,400 गणमान्य व्यक्ति भाग लेने वाले हैं।

उत्तराखंड में नये साल से पहले कड़ाके की ठंड़

देहरादून। उत्तराखंड में इनदिनों कड़ाके की ठंड पड़ रही है। पूरे प्रदेश में शीत लहर का प्रकोप दिख रहा है। पहाड़ी इलाकों के साथ मैदानी क्षेत्रों में भी लोग ठंड से बचने के लिए अलाव का सहारा ले रहे हैं। सुबह शाम कोहरा छाने लगा है। चारों धामों में भी तापमान माइनस में चला गया है। हालत ये है कि केदारनाथ में तापमान माइनस 17 डिग्री सेल्सियस तक जा रहा है। बद्रीनाथ का भी हाल भी कुछ ऐसा ही है। वैकुंठ धाम में अधिकतम और न्यूनतम दोनों तापमान शून्य से नीचे यानी माइनस में है। गंगोत्री का अधिकतम तापमान 1 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम तापमान माइनस 14 डिग्री सेल्सियस है। नैनीताल में भी ठंड का असर दिखने लगा है। क्रिसमस और न्यू साल के लिए अभी से लोगों का आना शुरू हो गया है। सारे होटलों में बुकिंग लगभग फुल हो चुकी है। यहां आए सैलानी ठंड का पूरा लुफ्त उठा रहे हैं।

ड्रग्स मामले में पूछताछ के लिए बिक्रम मजीठिया एसआईटी के सामने पेश

चंडीगढ़। शिरोमणि अकाली दल (शिअद) के नेता बिक्रम सिंह मजीठिया सोमवार को मादक पदार्थ से जुड़े एक मामले में पूछताछ के लिए पटियाला जिले में पंजाब पुलिस की एक विशेष जांच टीम (एसआईटी) के सामने पेश हुए। एसआईटी का नेतृत्व अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक (पटियाला रेंज) मुखविंदर सिंह छीना कर रहे हैं। एसआईटी कार्यालय पहुंचने से पहले मजीठिया ने कहा कि वह कानून का पालन करने वाले नागरिक हैं और उन्हें कानून पर पूरा भरोसा है। शिअद नेता ने आम आदमी पार्टी (आप) नीत राज्य सरकार पर मादक पदार्थ के मुद्दे को लेकर राजनीति करने का आरोप लगाकर उस पर निशाना साधा कि एसआईटी ने उन्हें इसलिए बुलाया है, क्योंकि वह मुख्यमंत्री भगवंत मान के खिलाफ बोल रहे थे। उन्होंने आरोप लगाया कि मान उनके खिलाफ राज्य मशीनरी का इस्तेमाल कर रहे हैं। मजीठिया ने मान पर निशाना साधकर कहा, यह केवल राजनीति है और राजनीति करना भगवंत मान की आदत बन चुकी है। वे दो साल से सो रहे हैं। उन्होंने पटियाला में कहा, मेरी लड़ाई राज्य मशीनरी और राज्य सरकार के खिलाफ है जो अपने खिलाफ एक शब्द भी बोलने वाले के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज करती है।

भारी बारिश के चलते तमिलनाडु में लॉकडाउन जैसे हालात, स्कूल, कॉलेज, दफ्तर सब बंद

चेन्नई। तमिलनाडु के दक्षिणी जिलों में शनिवार और रविवार को भारी बारिश हुई है। तिरुनेलवेली, नागरकोइल, तेनकासी, तूतीकोरिन और कन्याकुमारी जैसे कई जिले जलमग्न हो गए। बिजली, पानी और इंटरनेट जैसी सेवाएं प्रभावित हुई और सड़कों पर पानी भर गया। लोगों का निकलना और वाहन चलाना कठिन दूभर हो गया है। ऐसे में लॉकडाउन जैसे हालात बन गए है। प्रशासन ने स्कूल, कॉलेज और तमाम दफ्तरों को बंद कर दिया है। चक्रवाती परिसंचरण के प्रभाव से इस तरह के हालात बने हैं। रिपोर्ट के अनुसार मदुरै रेलवे डिवीजन ने दक्षिण की ओर जाने वाली चार ट्रेनों के टर्मिनेट होने के बाद काउंटर पर तैनात रहने और टिकटों के रिफंड की मांग को पूरा करने के लिए कोविलपट्टी में अतिरिक्त कर्मचारी तैनात किए हैं। फंसे हुए यात्रियों को निकालने के लिए तमिलनाडु राज्य परिवहन निगम के सहयोग से बसों की व्यवस्था की गई है। बारिश का सबसे ज्यादा असर तमिलनाडु के चार जिलों तिरुनेलवेली, तूतीकोरिन, तेनकासी और कन्याकुमारी में देखने को मिल रहा है। इन चारों जिलों में बाढ़ जैसे हालात बन चुके हैं। तमिलनाडु सरकार ने अत्यधिक बारिश के कारण सोमवार को तिरुनेलवेली, तूतीकोरिन, तेनकासी और कन्याकुमारी जिलों में सार्वजनिक अवकाश की घोषणा की है। भारतीय मौसम विज्ञान विभाग ने कन्याकुमारी, तिरुनेलवेली, तूतीकोरिन और तेनकासी जिलों में सोमवार तक रेड अलर्ट जारी किया है, क्योंकि अलग-अलग स्थानों पर भारी से बहुत भारी बारिश होने की संभावना है और एक या दो स्थानों पर अत्यधिक बारिश होने की संभावना है। वहीं खराब मौसम के कारण तमिलनाडु की ओर जाने वाली कई ट्रेनें रद्द कर दी गई हैं और कुछ ट्रेनों को आंशिक रूप से रद्द कर दिया गया है। जलभराव के कारण ट्रेन की पटरियां पानी में डूब गई हैं और पटरियों के आसपास मिट्टी भर गई है।

सीमा हैदर को भारतीय नागरिकता मिलने में हैं कई अड़चने

ग्रेटर नोएडा। भारतीय युवक सचिन से प्यार होने के बाद पाकिस्तानी महिला सीमा हैदर बॉर्डर पार कर नेपाल के रास्ते भारत आ गई सीमा को भारत आए करीब 6 महीने बीत चुके हैं और वो सचिन से शादी भी कर चुकी है लेकिन उसे अभी तक भारतीय नागरिकता नहीं मिली है। सीमा हैदर को भारतीय नागरिकता नहीं मिलने को लेकर उठ रहे सवालों का जवाब अब उनके वकील एपी सिंह ने दिया है। एक प्रेस कॉन्फ्रेंस कर उन्होंने बताया कि आखिर सीमा हैदर को अभी तक भारतीय नागरिकता क्यों नहीं मिल पाई है। एपी सिंह ने कहा कि सीमा हैदर को भारतीय नागरिकता देने के लिए पाकिस्तान में उसके कुछ दस्तावेजों की जांच होनी है जिसमें उसका पहला पति गुलाम हैदर रोड़े अटका रहा है। उन्होंने कहा कि गुलाम हैदर पाकिस्तान में अपनी शादीशुदा जिंदगी को बचाने के लिए राजनीतिक प्रभाव का इस्तेमाल कर रहा है। सरकार का गलत इस्तेमाल कर रहा। एपी सिंह ने कहा कि इसी सम्बन्ध को लेकर अब वो इंटरनेशनल कोर्ट ऑफ जस्टिस (आईसीजे) में अपील दायर करेंगे। उन्होंने कहा सीमा के जो भी डॉक्यूमेंट हैं वो पूरी तरह से सही और सच्चाई वाले है। लेकिन उन्हें (पाकिस्तानी अथॉरिटी) जो जांच करके भेजनी है उसी में देरी हो रही है। कश्मीर में चुनाव को लेकर जब उनसे सवाल पूछा गया तो सीमा हैदर ने कहा कि ये अच्छी बात है, हर जगह चुनाव होना चाहिए। बता दें कि भारत आने के बाद से ही सीमा हैदर और सचिन की जोड़ी सोशल मीडिया पर काफी हिट है। सीमा हैदर अब दिन अपने घर का व्लॉग बनाती है जिसे वो यूट्यूब पर अपलोड करती है।

पत्रकार के सवाल पर भड़के लालू यादव, रोज एक्केगो सवाल पूछत

पटना। राजद सुप्रीमो लालू प्रसाद यादव एक बार फिर एयरपोर्ट पर पत्रकारों के सवाल सुनकर भड़क गए। दरअसल लालू यादव और तेजस्वी यादव इंडी गठबंधन में भाग लेने के लिए दिल्ली रवाना हुए। जाते-जाते उन्होंने ये कहा कि इंडिया गठबंधन की बैठक में भाग लेने जा रहे हैं। हम लोग मिलकर चुनाव लड़ेंगे। इसी बीच एक पत्रकार ने पीएम नरेंद्र मोदी से जुड़ा एक सवाल पूछ दिया। लालू को शायद ये सवाल नागवार गुजरा और वो भड़क गए। दरअसल सवाल था कि पीएम नरेंद्र मोदी ने दावा किया है कि बीजेपी फिर से सत्ता में आएगी। इस पर लालू बिफर गए और पत्रकार को झिड़क दिया। उन्होंने कहा कि रोज एक्केगो सवाल पूछत हो। आपको सिर्फ यही सवाल आता है क्या? नीचे देखिए वो वीडियो, इस तरह से पत्रकारों के बीच से पूछे गए एक सवाल पर लालू प्रसाद यादव का ये भड़कना कैमरे में कैद हो गया। इसके बाद लालू क्लास लगाने के मूड में आ गए।

उन्होंने कहा कि नरेंद्र मोदी ने कह दिया की अगली बार वही आएंगे! यह कोई सवाल होता है? आपको एक ही सवाल आता है? रोज यही सवाल पूछते हैं। लालू प्रसाद यादव ने अपने अंदाज में कहा कि फलाना बोल रहा है कि आएंगे, तो आओ! यही सवाल होता है क्या? इसके बाद लालू प्रसाद यादव ने कहा कि हम लोग बैठक में भाग लेने जा रहे हैं। मिलकर चुनाव लड़ेंगे और इन बीजेपी वालों को हटाएंगे। राजद सुप्रीमो लालू प्रसाद यादव के साथ उनके बेटे तेजस्वी यादव भी साथ में ही दिल्ली गए हैं। लालू ने तो बहुत कुछ कहा लेकिन पत्रकारों के सवालों का तेजस्वी यादव ने कोई जवाब नहीं दिया।

श्रीराम लला प्राण प्रतिष्ठा समारोह में हम चाहतें हैं कि आडवाणी और डॉ. जोशी नहीं आए

श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के महासचिव का बयान

अयोध्या (एजेंसी)। अयोध्या में श्रीराम मंदिर का निर्माण कार्य तेजी से चल रहा है। अगले साल 22 जनवरी को भव्य मंदिर में श्रीराम लला के प्राण प्रतिष्ठा समारोह की तैयारियां भी जोरशोर से चालू हैं। विमानन नियामक डीजीसीए ने अयोध्या हवाई अड्डे के लिए 'एयरोड्रम' लाइसेंस जारी कर दिया है। माना जा रहा है कि इस महीने के अंत में हवाई अड्डे का उद्घाटन होगा। दूसरी ओर भारतीय रेलवे ने 22 जनवरी के कार्यक्रम को देखकर सैंकड़ों की संख्या में अयोध्या के लिए ट्रेन चलाने की तैयारी की है। अयोध्या नगरी में सड़कों और चौक-चौराहों को सजाया संवारा जा रहा है। इसके अलावा प्रशासन की तरफ से भी तमाम तैयारियां की जा रही हैं ताकि अयोध्या आने वाले हजारों श्रद्धालुओं को सहुलियतें प्रदान की जा सकें।

दूसरी ओर, श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट की ओर से प्राण प्रतिष्ठा समारोह से जुड़ी कुछ और खास बातें साझा की गयीं। ट्रस्ट के महासचिव चंपत राय ने बताया कि कार्यक्रम में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, सरसंघचालक मोहन भागवत, उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ तथा देश के सभी प्रमुख संतों और विभिन्न क्षेत्रों की हस्तियों को भी आमंत्रित किया गया है। उन्होंने बताया कि रामायण धारावाहिक में राम की भूमिका निभाने वाले अरुण गोविल, महाभारत में श्रीकृष्ण की भूमिका निभाने वाले नीतीश भारद्वाज, फिल्म अभिनेता अमिताभ बच्चन और अभिनेत्री माधुरी दीक्षित सहित तमाम हस्तियों को आमंत्रित किया गया है।

एक प्रश्न के उत्तर में राय ने बताया कि राम मंदिर आंदोलन के नेता रहे लालकृष्ण आडवाणी का समारोह में उपस्थित रहना जरूरी है मगर हम चाहते हैं कि वह नहीं आएं। उन्होंने कहा कि इसी प्रकार भाजपा के वरिष्ठ नेता डॉ. मुरली मनोहर जोशी को भी कार्यक्रम में नहीं आने को कहा गया है। उन्होंने कहा कि मैंने डॉ. जोशी से खुद बात कर कहा है कि उम्र तथा स्वास्थ्य संबंधी दिक्कतों को देखते हुए वह नहीं आए। उन्होंने कहा कि डॉ.जोशी ने हाल ही में अपने घुटने भी बदलवाए हैं, इसलिए हम उन्हें आने से मना कर रहे हैं लेकिन उन्होंने कहा है कि वह हर हाल में आ रहे। चंपत राय ने कहा कि आडवाणी और जोशी को अपने स्वास्थ्य की चिंता करते हुए कार्यक्रम में नहीं आना चाहिए।

31 दिसंबर की रात में ध्वनि विस्तारक यंत्रों के उपयोग की अनुमति न दे, छत्तीसगढ़ नागरिक संघर्ष समिति की मांग

रायपुर। छत्तीसगढ़ नागरिक संघर्ष समिति ने 31 दिसंबर को नववर्ष के कार्यक्रमों में रात 12 बजे तक ध्वनि विस्तारक यंत्रों के उपयोग की अनुमति न देने की मांग कर मुख्य सचिव को पत्र लिखा है। समिति ने मुख्य सचिव को पत्र लिखकर मांग की है कि गत वर्ष 2022 में जिस प्रकार पूरे प्रदेश के लिए 31 दिसंबर की रात ध्वनि विस्तारक यंत्रों के उपयोग की अनुमति अचानक दी गई थी वैसी अनुमति इस वर्ष ना दे। क्योंकि इसकी आड़ में देर रात तक तेज आवाज से ध्वनि विस्तारक यंत्र बजाते हैं, असहनीय ध्वनि प्रदूषण होता है।

बता दें कि बीते साल छत्तीसगढ़ शासन आवास एवं पर्यावरण मंत्रालय ने अचानक, अज्ञात कारणों से 30 दिसंबर 2022 को पत्र जारी कर 31 दिसंबर 2022 की रात के लिए 10 से अर्धरात्रि 12 बजे तक लाउडस्पीकर की अनुमति जारी की थी। जिसकी आड़ में देर रात तक पूरे शहर में अलग-अलग स्थानों में होटल पार्टी इत्यादी में ध्वनि प्रदूषण किया गया कई स्थानों में लॉ एंड आर्डर भी बिगड़।

समिति ने मुख्य सचिव को लिखा है कि ध्वनि (विनियमन और नियंत्रण) नियमों के तहत इस प्रकार की अनुमति सिर्फ सांस्कृतिक कार्यक्रम, धार्मिक या किसी उत्सव के लिए दी जा सकती है।

समिति ने पत्र में आशंका व्यक्त की है कि इस वर्ष भी 31 दिसंबर के लिए आवास एवं पर्यावरण विभाग द्वारा छूट दी जाएगी, जिसका दुरुपयोग कर देर रात तक तेज ध्वनि में ध्वनि विस्तारक यंत्र बजाए जाएंगे। इसलिए इस वर्ष 31 दिसंबर के लिए किसी भी प्रकार की कोई भी अनुमति रात 10 बजे से अर्धरात्रि 12 बजे तक ध्वनि विस्तारक यंत्रों के उपयोग की अनुमति न ही दी जावे तथा सुनिश्चित किया जावे की पूरे प्रदेश में किसी भी प्रकार से ध्वनि प्रदूषण न हो।

अमेरिका और कनाडा के बीच जमीन आसमान का फर्क : एस जयशंकर

-खालिस्तान समर्थकों की हत्या के आरोपों पर विदेश मंत्री ने दी अपनी प्रतिक्रिया

नई दिल्ली (एजेंसी)। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने कनाडा और अमेरिका में खालिस्तानी आतंकियों की हत्या की साजिश रचने के आरोप को लेकर बड़ा बयान दिया है। भारतीय विदेश मंत्री जयशंकर ने कहा है कि दोनों ही बातों में जमीन आसमान का अंतर है। कनाडा ने जिस तरह से भारत पर आरोप लगाए हैं वह बिल्कुल निराधार और गलत है। वहीं अमेरिका द्वारा उठाए गए मुद्दों पर उन्होंने कहा कि अमेरिका ने कुछ बातों की ओर संकेत किया था जिसको मजबूती के साथ प्रस्तुत करने के लिए उन्होंने कुछ सबूत भी दिए थे। विदेश मंत्री एस जयशंकर का कहना है कि भारत किसी भी देश द्वारा उठाए गए मुद्दों पर बात करने, उनसे निपटने और चर्चा करने के लिए तैयार है। उन्होंने कहा कि दोनों देशों द्वारा रखे गए मुद्दे एक समान नहीं है। इस संबंध में विदेश मंत्री ने कहा कि अगर किसी देश के सामने किसी तरह की समस्या है तो वह उसे हमारे सामने रख सकते हैं। भारत इनपुट के आधार पर हमेशा ऐसे मामलों को देखने के लिए तैयार रहता है।

विदेश मंत्री ने कहा कि अमेरिका ने भी मुद्दा उठाया और उसके बारे में इनपुट भी दिए। वही कनाडा को लेकर उन्होंने कहा कि कनाडा को भी हमने बता दिया कि सिर्फ आरोप लगाने की बजाय ठोस सबूत भी देना चाहिए तभी उस पर विचार किया जा सकता है। एस जयशंकर ने कहा कि अमेरिका ने भारत से कहा कि खालिस्तानी आतंकी गुरपतवंत सिंह की हत्या की साजिश को लेकर जांच में सहयोग होना चाहिए। इसके बाद अमेरिकी डिपार्मेंट आफ जस्टिस ने निखिल गुप्ता नमक व्यक्ति के खिलाफ आरोप पत्र दाखिल किया था। निखिल गुप्ता को सुपारी किलर हायर करने के बारे में जानकारी दी जा रही थी। यह जानकारी निखिल गुप्ता को कोई भारतीय अधिकारी दे रहा था। वहीं विदेश मंत्रालय इस मामले को पता लगाने में जुटा हुआ है कि क्या सच में कोई अधिकारी इसमें शामिल था। केंद्र सरकार ने भी इस मामले में एक जांच कमेटी का गठन पहले ही कर दिया है।

अरविंद केजरीवाल को ईडी का समन, शराब नीति मामले में पूछताछ के लिए 21 दिसंबर को बुलाया

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को प्रवर्तन निदेशालय ने अब समाप्त हो चुकी उत्पाद शुल्क नीति से संबंधित मनी लॉन्ड्रिंग मामले में पूछताछ के लिए बुलाया था। उन्हें गुरुवार, 21 दिसंबर को एजेंसी के सामने पेश होने के लिए कहा गया है। प्रवर्तन निदेशालय द्वारा अरविंद केजरीवाल को यह दूसरा समन है। पिछले महीने वित्तीय निगरानी संस्था ने अरविंद केजरीवाल को 2 नवंबर को उसके सामने पेश होने के लिए कहा था। हालांकि, आम आदमी पार्टी प्रमुख ने यह आरोप लगाते हुए सम्मन को नजरअंदाज कर दिया था कि यह अवैध और राजनीति से प्रेरित है।

इसी मामले में केंद्रीय जांच एजेंसियों ने अरविंद केजरीवाल की पार्टी के दो नेताओं मनीष सिसौदिया और संजय सिंह को गिरफ्तार किया था। इस साल अप्रैल में कथित शराब घोटाले के सिलसिले में सीबीआई ने अरविंद केजरीवाल से भी पूछताछ की थी। दिल्ली में सीबीआई मुख्यालय में नौ घंटे से अधिक की पूछताछ के बाद प्रेस को संबोधित करते हुए अरविंद केजरीवाल ने कहा कि जांच एजेंसी ने उनसे 56 सवाल पूछे।

केजरीवाल ने कहा कि सीबीआई से साढ़े नौ घंटे तक पूछताछ हुई। मैंने सभी सवालों के जवाब दिए। पूरा कथित शराब घोटाला झूठा और घटिया राजनीति है। आप 'कट्टर ईमानदार पार्टी' है। वे आप को खत्म करना चाहते हैं लेकिन देश की जनता हमारे साथ है।

दिल्ली मेट्रो ट्रेनों में ऑडियो आधरित विज्ञापनों की शुरुआत

नई दिल्ली। दिल्ली मेट्रो ने राजस्व में बढ़ोत्तरी के लिए नया तरीका अजमाने का ऐलान किया है. पहली बार यात्रा के दौरान जरूरी घोषणाओं के बीच विज्ञापन का ऑडियो चलाने का फैसला किया है. अभी सिर्फ कश्मीरी गेट और बदरपुर बॉर्डर के बीच यात्रा के दौरान ही लागू किया जाएगा. मिली जानकारी के मुताबिक, DMRC ने यह नई सुविधा आवश्यक सेवा घोषणाओं के साथ सहजता और सोच-समझकर डिजाइन किया है. फिलहाल इसकी शुरुआत केवल कश्मीरी गेट और बदरपुर बॉर्डर के बीच यात्रा के दौरान वायलेट लाइन पर छह ट्रेनों के अंदर किया की जाएगी. विज्ञापन दिसंबर 2023 से एक वर्ष की अवधि के लिए प्रसारित किए जाएंगे. इस पायलट प्रोजेक्ट से प्राप्त फीडबैक के आधार पर राजस्व उत्पन्न करने वाले इस रास्ते को अन्य लाइनों तक भी विस्तारित किया जा सकता है. DMRC का मानना है कि इस ऑडियो-आधारित मार्केटिंग से दिल्ली मेट्रो के लाखों यात्रियों तक तत्काल विज्ञापन को पहुंचना आसान हो जायेगा, जो हर दिन मेट्रो से यात्रा करते हैं. ऐसा केवल दिल्ली मेट्रो में ही नहीं हुआ है जब राजस्व को बढ़ने के लिए इस रास्ते को अपनाया गया हो. जबकि, मुंबई मेट्रो (लाइन 1ऱ वर्सोवा से घाटकोपर) सक्रिय रूप से अपने भागीदारों को विज्ञापन के अवसर प्रदान कर रही है. कोविड 19 महामारी के दौरान दिल्ली मेट्रो सेवाओं को काफी समय के लिए निलंबित करना पड़ा और बाद में सेवाओं को कई प्रतिबंधों के साथ चरणों में ही फिर से शुरू किया जा सका. इसलिए, डीएमआरसी को उपलब्ध राजस्व-सृजन धाराएं काफी हद तक बाधित थीं. अब, छ्रस्न्रष्ट गैर-टिकटिंग स्रोतों से अपने राजस्व को और बढ़ाने के लिए कई कदम उठा रही है ताकि वह सुचारू रूप से काम करना जारी रख सके. स्टेशनों की सह-ब्रांडिंग और 'मोमेंटम 2.0' ऐप का लॉन्च ऐसे अन्य उपाय हैं, जो हाल के दिनों में पहले ही उठाए जा चुके हैं.

NAME CHANGE
I, Ismat Begum w/o Md Murshid Ali R/o D-264, Qutub Vihar Phase-1, Goyla Dairy, Dwarka, New Delhi-110071, have changed my name to Ismat Beghum for all future purposes

NAME CHANGE
I, Mohammad Mahfooz Ali s/o Md Murshid Ali R/o D-264, Qutub Vihar Phase-1, Goyla Dairy, Dwarka, New Delhi-110071, have changed my name to Md Mahfooz Ali for all future purposes

NAME CHANGE
I, Mohammad Niyaa s/o Tahir Hussain R/o F-231, 1st Floor, Hari Nagar Extn., Part-1, Badarpur, Delhi-110044, have changed my name to Mohammed Niyaz Ansari permanently

NAME CHANGE
I, KEHKASHAW BEGUM W/O MAQSOOD ANWAR residing at H NO-112 STREET NO-09 NEAR AMINA MASJID WAZIRABAD DELHI-110084 have changed my name to KEHKASHA BEGUM for all future purpose.

NAME CHANGE
I, ISWAR SINGH PUJARI S/O DIWAN SINGH PUJARI residing at D-75 SECOND FLOOR PANDAV NAGAR DELHI-110092 have changed my name to ISHWAR SINGH PUJARI for all future purpose.

NAME CHANGE
I, Mohit Kumar Tomar s/o Naresh Kumar Tomar R/o H. No.2038, Sector-6, Bahadurgarh, Jhajjar-124507, Haryana, have changed my name to Mohit Tomar for all future purposes

NOTICE
I,Varinder Kumar S/o Raj Kumar R/o VPO Mahal Phillaur Jalandhar Punjab-144409 inform that Given Name Varinder and surname Kumar.

NAME CHANGE
I, Rokshana w/o Ayub Khan R/o RZ-81C, Gali No-10, 4th Floor, Tughlakabad Extn., Delhi-110019, have changed my name to Ruksana permanently

NAME CHANGE
I, Ayub Ali s/o Gulsher Khan R/o RZ-81C, Gali No-10, 4th Floor, Tughlakabad Extn., Delhi-110019, have changed my name to Ayub Khan permanently

NAME CHANGE
I, MASOOD ANWAR S/O MOHD ANWAR residing at H NO-112 STREET NO-09 NEAR AMINA MASJID WAZIRABAD DELHI-110084 have changed my name to MAQ-SOOD ANWAR for all future purpose.

NAME CHANGE
I, DEEPAK KUMAR SATIJA S/O ARJUN DASS residing at WZ-85 GF RAM NAGAR TILAK NAGAR DELHI-110018 have changed my name to DEEPAK KUMAR for all future purpose.

NAME CHANGE
I, TARIQ AHMAD TEELI S/O ABDUL SAMAD TEELI residing at S-14/5A, S/F, L/S, JOGA BAI EXTN, JAMIA NAGAR, OKHLA, DELHI-110025 have change my name to TARIQ AHMAD TELI for all future purpose

NAME CHANGE
I, Manpreet Kumar S/o Budh Parkash R/O village Garhi PO And Tehsil Phillaur Jalandhar Punjab-144410 informThat Given Name Manpreet and surname Kumar.

NAME CHANGE
I, Murshid Ali s/o Abdul Jalil R/o D-264, Qutub Vihar Phase-1, Goyla Dairy, Dwarka, New Delhi-110071, have changed my name to Md Murshid Ali for all future purposes

NAME CHANGE
I, PAPPU BHATTI S/O DALIPA R/O H NO. T-4, LANDMARK NEAR KEROSIN OIL DEPOT, GROUND FLOOR, PRAHALDPUR, DELHI CANTT, SOUTH WEST DELHI, DELHI-110010 have changed my name to PAPPU for all future purpose.

NAME CHANGE
I, BAYAS KAUR Mother of JC-501569W Rank-SUB Name-SATNAM SINGH residing at VPO-BHAMBO-TAR, TEH-MUKERIAN, DISTT-HOSHIARPUR, PUNJAB-144224, have changed my name from BAYAS KAUR to BIAS KAUR for all future purposes vide affidavit dated 13/12/2023 before Notary Public, Delhi

NAME CHANGE
I, hitherto known as ANIRUDDH VINAYAK Alias ANIRUDDH VINAYAK DABRAL S/O MOHAN LAL M/O JYOTSNA DABRAL R/O 423, TYPE-3, AYURVIGYAN NAGAR, ANDREWS-GANJ,NEW DELHI, SOUTH DELHI-110049 have changed my name and shall hereafter be known as ANIRUD-DH VINAYAK DABRAL.

सार्वजनिक सूचना
सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मेरे मुवक्किल श्री श्योराज सिंह R/o H.NO- C-321 gali no- 10, Prem vinar, shiv vinar, करावल नगर दिल्ली-110094 हो अपने पुत्र विनोद कुमार व उनकी पत्नी बरखा का चाल चलन ठीक न होने कारण व माँ बाप की जिम्मेदारी न उठाने, व अलग रहने के कारण अपनी चल-अचल संपति से बेदखल कर दिए है। व अपने सारे रिश्ते नाते विच्छेद कर दिए है, और भविष्य मे इनकी किसी भी करनी के जिम्मेदार ये स्वयं होगे !
RUPSEE (Advocate)
Chamber No. E-314, E-Block. Karkardooma Courts, Delhi-110032

NAME CHANGE
I, HITHERTO TO KNOWN AS NAVDEEP KUMAR SON OF LATE SH RAJKUMAR RESIDING AT 114/B5 3RD FLOOR SECTOR 9 ROHINI NEW DELHI 110085, HAVE CHANGES MY NAME AND SHALL HEREAFTER BE KNOWN AS NAVDEEP VINAYAK.I ALSO UNDER-TAKE THAT NAVDEEP KUMAR AND NAVDEEP VINAYAK IS THE NAME OD SAME PERSON. IT IS CERTI-FIED THAT I HAVE COMPLIED WITH OTHER LEGAL REQUIREMENTS IN THIS CONNECTION.

NAME CHANGE
I, MOHD ABID S/O HAKIMUDDIN residing at S-18/12 JOGA BAI EXTN JAMIA NAGAR OKHLA DELHI-110025 have changed my name to MOHD ABID SAIFI for all future purpose.

PUBLIC NOTICE
It is for general information that I Geeta Kamra D/O Harbans Lal Kamra W/ O Sanjay Gogia R/O HNo-815/12 Jahaj Pul Sudama Nagar Hisar HR- 125001 .Declare that the name of mine has been wrongly writ-ten as Geeta in my minor son namely Pranshu Gogia age16 years in his 10th class educational document . The actual name of mine is Geeta Kamra .Respectively Which may be amended accordingly.

PUBLIC NOTICE
Notice to public at large that my client Smt. Alka Rani and Sh. Yogesh Kumar S/o Late Sh. Ram Asrey R/o 5A/27, U.G.F., Tilak Nagar, New Delhi have severed their relations and debarred their son Anuj Chaudhary and his wife Akansha alongwith their child Anaisha from all their movable/immovable property because they are not under control of my client. My client's other family members and relatives also severed their relations with them. If anybody deals with them which is at their own risk & responsibility.
(SUMIT GABA) ADVOCATE
Ch. No.T-7, Tis Hazari Courts, Delhi

NAME CHANGE
It is for general information that I, KALPANA W/O DEVENDRA KUMAR TIWARI, R/O WZ 277 SECOND FLOOR, GALI NO 2 GURU NANAK NAGAR, TILAK NAGAR NEW DELHI, TILAK NAGAR, WEST DELHI, DELHI-110018 declare that name of mine and my husband has been wrongly written as KALPANA TIWARI and D.K TIWARI in my minor son KARTIK TIWARI aged 13 years in his birth certificate-743. The actual name of mine and my husband are KALPANA and DEVENDRA KUMAR TIWARI, which may be amended accordingly.

सार्वजनिक सूचना
आम जनता को सूचित किया जाता है कि हमारी ग्राहक श्री सुनील त्यागी पुत्र श्री कैलाश त्यागी चंद त्यागी लीजहोल्ड आवासीय मकान संख्या एफ-238-ए के प्रथम तल पर बिना छत वाले ब्लॉक-एफ के मालिक हैं, कुल कवर क्षेत्र 17.12 वर्ग मीटर है। आवासीय कॉलोनी नंद निकुंज गाजियाबाद तहसील और जिला में स्थित है। गाजियाबाद उत्तर प्रदेश। सदाचार से, लीज ट्रांसफर डीड दिनांक 13.09.2007 से आज तक और मकान संख्या एफ-238-ए के संबंध में श्री विनोद गुप्ता पुत्र श्री देवकी नंदन गुप्ता के पक्ष में जीडीए द्वारा जारी अपना मूल आवंटन पत्र खो गया है/गुम हो गया है, अब हमारा ग्राहक यह घोषणा कर रहा है कि किसी अन्य व्यक्ति का उक्त संपत्ति पर कोई अधिकार नहीं है, और वही संपत्ति श्री अनिल कुमार मौर्य के नाम से बिकने जा रही है और अब ये वित्त पोषण सेंट बैंक होम फाइनेंस लिमिटेड शाखा 2ई/23, पहली मंजिल झंडेवालान एक्सटेंशन न्यू दिल्ली द्वारा किया गया है। यदि किसी भी व्यक्ति को उक्त संपत्ति में अधिकारञ्चस्वामित्व या हित के संबंध में कोई आपत्ति या दावा है तो इस नोटिस के प्रकाशन की तारीख से 15 दिनों के भीतर हमसे संपर्क करें या उसी को संपर्क करें। यदि किसी को मिला तो अधोहस्ताक्षरित। इसके बाद किसी भी दावे पर विचार नहीं किया जाएगा।
Naveen Kumar Verma (advocate)
F-211,sector-3 Vaishali Ghaziabad Uttar Pradesh-201010, Contact at-09958871432

सार्वजनिक सूचना
सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मेरे मुवक्किल रमेश चंद पुत्र श्री आशा राम उम्र लगभग 65 वर्ष व उनकी पत्नी श्रीमती सुमेंदरी देवी उम्र लगभग 64 वर्ष पत्नी श्री रमेश चंद निवासी टी- 43, ईस्ट महरम नगर, दिल्ली केंट, दक्षिण पश्चिम दिल्ली, दिल्ली- 110010 ने अपने पुत्र रिंकू कुमार और उसकी पत्नी श्रीमती पूजा व् दोनों बच्चो यश कुमार उम्र डेढ़ साल व् छोटी बेटी कुमारी बेबी उम्र 6 महीने को उनके अवज्ञाकारी होने, दुर्व्यवहार करने तथा लड़ाई झगडा करने के कारण से अपनी समस्त चल व् अचल सम्पति से बेदखल कर रहें है और इनसे अपने सभी संबंध विच्छेद कर लिए है। ये भविष्य में अपने कार्यों के लिए स्वयं जिम्मेदार होंगे। मेरी मुवक्किलो व् उनके अन्य परिवारजनो की कोई जिम्मेदारी नहीं होगी।
RAJNIKANT MISHRA Advocates
District Courts, Delhi
Hall No.4, Seat No.9 Dwarka Court, Lawyers chambers, Dwarka courts complex, Sector- 10, New Delhi-110075

सार्वजनिक सूचना
आम जनता को सूचित किया जाता है कि हमारी ग्राहक श्री सागर यादव फ्रीहोल्ड आवासीय प्लॉट नंबर 9, ब्लॉक एम.डी. एन्क्लेव, ग्राम छपरौला परगना और तहसील दादरी, खसरा नंबर 15 डी, क्षेत्र 111 वर्ग गज जिला गौतमबुद्ध नगर, यूपी के मालिक हैं। सदाचार से, विक्रय विलेख दिनांक 01.10.2022 (एसआर दादरी, गौतमबुद्ध नगर, दस्तावेज़ संख्या 34168, पुस्तक संख्या 1, खंड संख्या 21873, पृष्ठ संख्या 61-80, 01.10.2022 को) आज तक और उसने अपना मूल विक्रय विलेख खो दिया है/गुम कर दिया है दिनांक 12.11.2010 को दस्तावेज़ संख्या 12547 और 12548 एसआर-दादरी के रूप में, इसे श्री अशोक, श्री इंद्रपाल और श्री चमनला के पक्ष में निष्पादित किया गया था, अब हमारा ग्राहक घोषणा कर रहा है कि किसी अन्य व्यक्ति का उक्त संपत्ति पर कोई अधिकार नहीं है, और वही संपत्ति श्री इमरान जावेद नाम से बिकने जा रही है और अब ये वित्त पोषण पीरामल कैपिटल एंड हाउसिंग फाइनेंस लिमिटेड शाखाऱ शाहदरा दिल्ली द्वारा किया गया है। यदि किसी भी व्यक्ति को उक्त संपत्ति में अधिकारञ्चस्वामित्व या हित के संबंध में कोई आपत्ति या दावा है तो इस नोटिस के प्रकाशन की तारीख से 07 दिनों के भीतर हमसे संपर्क करें या उसी को संपर्क करें। यदि किसी को मिला तो अधोहस्ताक्षरित। इसके बाद किसी भी दावे पर विचार नहीं किया जाएगा।
Naveen Kumar Verma (advocate)
F-211,sector-3 Vaishali Ghaziabad Uttar Pradesh-201010, Contact at-09958871432

PUBLIC NOTICE
BE IT KNOWN THAT MY CLIENT SMT. MADHU GARG W/O SH. LATE NARESH CHAND, R/O RZ-146B Y-BLOCK NEW ROSHANPURA, NAJAFGARH SOUTH WEST DELHI, NEW DELHI-110043, HAS DEBARRED AND DISINHERITED HER SON GAURAV GARG & HIS WIFE PINKI FROM ALL HIS PROP-ERTIES, BOTH MOVABLE AND IMMOVABLE DUE TO THEIR ILL BEHAVIOUR/DISOBEDIANCE. MY CLIENT HAS NO CONNECTION IN THEIR MATRIMONIAL AFFAIRS AND RESIDING SEPERATELY FROM HER SAID SON & DAUGHTER-IN-LAW WHO HAVE NO RESPECT AND REGARDS FOR MY CLIENT. AND IF ANYBODY DEALS WITH THEM, HE/SHE WILL DO SO WITH HIS/HER OWN RISK AND RESPON-SIBILITY. MY CLIENT SHALL NOT BE RESPONSIBLE IN ANY MANNER FOR THEIR ACTS AND DEEDS
Rahul Gahlot Advocate
Chamber: 432, Lawyer's Chamber Block Dwarka Court Complex, Sec-10, Dwarka, N. Delhi-75

NAME CHANGE
I, Moni Das S/o Attar Singh R/o Flat No-E-802,Mahajan Shree CGHS LTD, Plot No-13, Sector-23, Dwarka,Delhi-110078,Have Changed My Name To Moni Khatri For All Purpose

NAME CHANGE
I, SURESH KUMAR SHARMA S/O HARI KISHAN residing at C-81 BUDH VIHAR BEHIND SIBLE CINE-MA BADARPUR DELHI-110044 have changed my name to SURESH KUMAR for all future purpose.

PUBLIC NOTICE
BE IT KNOWN THAT MY CLIENT SMT. MADHU GARG W/O SH. LATE NARESH CHAND, R/O RZ-146B Y-BLOCK NEW ROSHANPURA, NAJAFGARH SOUTH WEST DELHI, NEW DELHI- 110043, HAS DEBARRED AND DISINHERITED HER SON SAURABH GARG & HIS WIFE UPMA JHA FROM ALL HIS PROPERTIES, BOTH MOVABLE AND IMMOVABLE DUE TO THEIR ILL BEHAVIOUR/DISOBEDIANCE. MY CLIENT HAS NO CONNECTION IN THEIR MATRIMONIAL AFFAIRS AND RESIDING SEPERATELY FROM HER SAID SON & DAUGHTER-IN-LAW WHO HAVE NO RESPECT AND REGARDS FOR MY CLIENT. AND IF ANYBODY DEALS WITH THEM, HE/SHE WILL DO SO WITH HIS/HER OWN RISK AND RESPONSIBILITY. MY CLIENT SHALL NOT BE RESPONSIBLE IN ANY MANNER FOR THEIR ACTS AND DEEDS.
RAHUL GAHLOT Advocate
Chamber: 432, Lawyer's Chamber Block Dwarka Court Complex, Sec-10, Dwarka, N. Delhi-75

सार्वजनिक सूचना
बड़े पैमाने पर जनता को सूचित किया जाता है कि मेरी मुवक्किल श्री. केशव मोरल गुर्जर पुत्र श्री. कामराज सिंह निवासी फ्लैट नंबर 28 ए, लोटस गार्डन, वृन्दावन सुनरख इंडियन पब्लिक स्कूल के पास सुनरख बांगर, मथुरा, यू.पी.-281121; ने श्री सागर सिंह से संपत्ति खरीद रहे है और एटीएस भी दिनांक 14.12.2023 को निष्पादित किया गया; साथ ही इंडिया शेल्टर फाइनेंस कॉर्पोरेशन लिमिटेड से संपत्ति के खिलाफ ऋण ले रहे हैं जो की उक्त संपत्ति भूमि क्षेत्रफल 122.60 वर्ग गज, ग्राम साकीपुर, परगना दादरी, तहसील एवं जिला गौतम बुद्ध नगर, उत्तर प्रदेश. में स्थित है। उक्त संपत्ति श्रीमती संतोष द्वारा निष्पादित विक्रय विलेख दिनांक. 04.10.2019 के आधार पर श्री सागर सिंह के स्वामित्व में है। जो दस्तावेज़ संख्या 32579, में पंजीकृत है।,(इसके बाद उक्त संपत्ति के रूप में संदर्भित) सभी कागजात इंडिया शेल्टर फाइनेंस कॉर्पोरेशन लिमिटेड को प्रस्तुत किए गए है। साथ ही खोए हुए दस्तावेज़ यानी 1. मूल विक्रय विलेख (पंजीकृत दस्तावेज़ संख्या 6143) दिनांक 27.05.2009 श्री टेक चंद के पक्ष में। और 2. विक्रय विलेख दिनांक 14.02.2014 श्रीमती संतोष के पक्ष में (पंजीकृत दस्तावेज़ संख्या 5012) का मूल विवरण पंजीकरण पृष्ठ गुम हो गया है।; यह दस्तावेज़ कहीं खो गया है जिसके लिए श्री सागर सिंह ने दिनांक 16.12.2023 को आवेदन/एल.आर. नं 1242677/2023 के माध्यम से दिल्ली पुलिस, द्वारा ई-एफआईआर दायर की । और यह पता लगाने योग्य नहीं है, यदि किसी व्यक्ति को समान मिलता है तो कृपया इसे नीचे दिए गए पते पर लौटा दें और किसी भी व्यक्ति, जिसके संबंध में अधिकार, हित, शीर्षक, दावा, बाधाएं, किसी भी प्रकृति के आरोप मिले हों। उपरोक्त संपत्ति या उसका कोई भी हिस्सा, इस नोटिस के प्रकाशन की तारीख से 15 दिनों के भीतर नीचे दिए गए पते पर अपने दस्तावेजी साक्ष्य के साथ अपनी आपत्तियां भेज सकते हैं, ऐसा न करने पर यह मान लिया जाएगा कि उक्त संपत्ति पूरी तरह से ऐसे सभी दावों, ब्याज, प्रभारों, भार आदि से पूरी तरह से मुक्त है।
Sahil Virmani (ADVOCATE)
Address G-721, Karkardooma Court, Delhi, P.H. no. 9643394303, 892953540 011-43045407

अब गुरूग्राम बोलेगा-एमफाइन!

गुरुग्राम। एक वाइब्रेंट और कॉस्मोपॉलिटन शहर के तौर पर प्रसिद्ध गुरुग्राम में एक नई और आधुनिक लैब आ रही है. भारत का सबसे बड़ा डिजिटल प्लेटफार्म एमफाइन मानेसर से अब मानेसर से गुरुग्राम शिफ्ट हो रही है. वर्ष 2017 में स्थापित, एमफाइन एक ऑन-डिमांड, हेल्थकेयर प्लेटफॉर्म है जो प्रोफेशनल डायग्नोस्टिक्स और स्वास्थ्य जांच सेवाएं प्रदान करता है. इसका लाभ घर या कार्यालय में आराम से उठाया जा सकता है। एमफाइन ने आपकी उंगलियों पर फुल-स्टैक ओमनी-चैनल सेवाओं के साथ प्राइमरी हैल्थकेयर सेक्टर को फिर से परिभाषित किया है। नई लैब का लक्ष्य गुरुग्राम के निवासियों के लिए ओमनी-चैनल स्वास्थ्य देखभाल समाधान लाते हुए मानकों को बढ़ाना है, जिससे यह सुनिश्चित हो सके कि व्यक्ति आसानी से उच्च गुणवत्ता वाली चिकित्सा सेवाओं तक पहुंच सकें। इस अवसर पर अपनी प्रसन्ता व्यक्त करते हुए मयूर अभय, लाइफसेल इंटरनेशनल प्राइवेट लिमिटेड के एमडी और सीईओ ने कहा, ÷गुरुग्राम में हमारी नवीनतम लैब के लॉन्च के बारे में बात करते हुए हमें गर्व है. इस कदम के साथ, हम तेज टर्नअराउंड समय के साथ 3500 से अधिक परीक्षणों का एक बड़ा और बेहतर टेस्ट मेनू पेश करने में सक्षम होंगे। यह लैब पिछले साल 30 नई लैब खोलने के हमारे मील के पत्थर को भी आगे बढ़ाती है। अब हम पूर्व में बिहार, झारखंड, पश्चिम बंगाल और दक्षिण में तेलंगाना, केरल, कर्नाटक और पश्चिम में पंजाब, महाराष्ट्र और गुजरात के साथ-साथ उत्तर में चंडीगढ़ और यूपी में मौजूद हैं, और एमफाइन की सेवाओं का पूरा सेट पेश करते हैं। लगातार भारत के अन्य शहरों/राज्यों में फैलने की कोशिश कर रहा है।

हरियाणा में व्यापक स्तर पर आयोजित हो रहे विकसित भारत संकल्प यात्रा जनसंवाद योजनाओं के कार्यक्रम

-यात्रा के दौरान आज तक 153 स्थानों पर हुए कार्यक्रम, एक लाख 20 हजार से ज्यादा लोग हुए शामिल

चंडीगढ़। भारत को वर्ष 2047 तक विकसित भारत बनाने के संकल्प को लेकर केंद्र व राज्य सरकार की प्रमुख योजनाओं को जन-जन तक पहुंचाने के लिए विकसित भारत संकल्प यात्रा शुरू की गई है, ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि सभी लक्षित लाभार्थियों तक समयबद्ध तरीके से योजनाओं का लाभ पहुंचे। हरियाणा में भी विकसित भारत संकल्प यात्रा जनसंवाद कार्यक्रम योजनाओं का लाभ देने के लिए सशक्त माध्यम बन कर उभर रही है।

यात्रा के 18वें दिन सुबह तक 153 स्थानों पर हुए कार्यक्रम

यात्रा में जनभागीदारी बढ़ाने व समाज के लिए अच्छा कार्य करने हेतु प्रेरित करने के उद्देश्य से स्थानीय स्तर पर उल्लेखनीय कार्य करने वाली विभूतियों को सम्मानित किया गया। यात्रा के 18वें दिन प्रदेशभर में 153 स्थानों पर एक लाख 20 हजार से ज्यादा लोगों ने भाग लिया। इस दौरान 69673 पुरुषों व 50415 महिलाओं ने भाग लिया।

केन्द्र, राज्य सरकार की योजनाओं का ले रहे हैं लाभ–यात्रा के दौरान 22580 हजार से ज्यादा लोग हेल्थ कैंपों में पहुंचे और अपनी स्वास्थ्य संबंधी जांच करवाई। 14705 लोगों की टीबी की स्क्रीनिंग की

गई। 16 दिसम्बर को भी यात्रा के दौरान 376 लोगों ने आयुष्मान कार्ड शिविर का लाभ उठाया और 297 लोग पीएम स्वनिधि कैंप में जानकारी लेने पहुंचे। आयुष्मान चिरायु योजना के तहत 3363 आवेदन प्राप्त हुए । इस दौरान 1116 लोगों को स्वामित्व कार्ड बांटे गए। 224 लोग आधार कार्ड कैंप में पहुंचे और 125 लोगों ने नेचुरल फार्मिंग से संबंधित जानकारी ली। यात्रा में शामिल हुए लोगों ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सोच के अनुरूप शुरू हुई विकसित भारत संकल्प यात्रा पूर्ण रूप से सफल साबित होगी। लोगों ने बताया कि यात्रा के दौरान उन्हें सरकार की योजनाओं की जानकारी तो मिल ही रही है वहीं योजनाओं का लाभ भी मौके पर ही दिया जा रहा है। इससे वे दफ्तरों के चक्कर काटने से बच गए हैं। घर द्वार पर मिली इस सुविधा के लिए लोगों ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी तथा मुख्यमंत्री मनोहर लाल का आभार जताया है। लागों ने कहा कि मुख्यमंत्री ने इस यात्रा को जनसंवाद से जोड़ा है जिसके माध्यम से उनकी शिकायतें व समस्याएं भी सुनी जा रही है और उनका समाधान भी किया जा रहा है। प्रदेश सरकार अंत्योदय के सपने को साकार करने के लिए निरंतर प्रयासरत है और यह यात्रा इस दिशा में महत्वपूर्ण भूमिका अदा करेगी। एक ही स्थान पर लोगों को योजनाओं का लाभ मिल रहा है। यह संकल्प यात्रा प्रदेश के हर गांव और हर वार्ड में पहुंच कर समाज के अंतिम व्यक्ति तक सरकार की योजनाओं का लाभ पहुंचाने में कारगर साबित होगी। योजनाओं की जानकारी लेने, पात्रों द्वारा मौके पर ही राशन कार्ड बनाना, परिवार पहचान पत्र में शुद्धिकरण करवाना, स्वास्थ्य विभाग की स्टॉल पर स्वास्थ्य जांच इत्यादि योजनाओं का लाभ मौके पर ही दिया जा रहा है।

सरकार को अपनी घोषणा के अनुसार सब्जी व फलों पर से मार्केट फीस व एच आर डी एफ समाप्त करनी चाहिए- बजरंग गर्ग

चंडीगढ़- हरियाणा प्रदेश व्यापार मंडल के प्रांतीय अध्यक्ष व हरियाणा कांन्फैड के पूर्व चेयरमैन बजरंग गर्ग ने सब्जी मंडी के व्यापारियों से बातचीत करने के उपरांत कहा कि हरियाणा सरकार द्वारा सब्जी व फलों पर एक मुश्त फीस प्रणाली लगाने से प्रदेश के व्यापारियों में सरकार के प्रति बड़ी भारी नाराजगी है। इसके विरोध में 20 दिसंबर को पूरे हरियाणा की सभी सब्जी व फलों की मंडियों में पूरी तरह से हड़ताल रहेगी। जबकि पिछली सरकार ने सब्जी व फल पर से पूरी तरह मार्केट फीस माफ कर दी थी। मगर भाजपा सरकार ने किसानों की सब्जी व फलों पर फिर से मार्केट फीस लगाकर किसान व आढ़तियों के साथ ज्यादती करने का काम किया है। बजरंग गर्ग ने कहा कि हरियाणा के मुख्यमंत्री मनोहर लाल खट्टर व कृषि मंत्री जे पी दलाल ने सब्जी व फलों पर से लगभग डेढ़ साल पहले मार्केट फीस हटाने की बात कहीं थी। इतना ही नहीं कृषि मंत्री जे पी दलाल ने कहा था कि मार्केट फीस हटाने से किसानों व आढ़तियों को 30 करोड़ रुपए का लाभ होगा और 6 महीने पहले भी मुख्यमंत्री श्री मनोहर लाल खट्टर ने मार्केट फीस हटाने की घोषणा की थी मगर सरकार ने सब्जी व फल पर मार्केट फीस हटाने की अधिसूचना जारी करने की बजाएं एक मुश्त मार्केट फीस लगा दी गई है और उसके साथ-साथ सब्जी व फल पर एक प्रतिशत एच आर डी एफ और व्यापारियों को देना होगा जो सरासर गलत है। सरकार को अपने वादे के अनुसार सब्जी व फलों पर मार्केट फीस व एच आर डी एफ हटानी चाहिए जो कि इसी सरकार ने लगाई है। बजरंग गर्ग ने कहा कि अगर सरकार ने सब्जी व फल पर लगाई गई

नए नोटीफिकेशन के खिलाफ प्रदेश भर में बीस दिसंबर को रहेंगी सब्जी मंडियां बंद

करनाल। हरियाणा सरकार द्वारा सब्जी मंडियों पर थोपे जा रहे मनमाने काले कानूनों के खिलाफ 20 दिसंबर को पूरे प्रदेश भर में सब्जी मंडियां बंद रहेंगी। इसका आह्वान हरियणा सब्जी मंडी संगठन ने किया हैं। इस दिन पूरे प्रदेश भर में सब्जियां फल नहीं बिकेंगे। इसी हड़ताल को करनाल के सब्जी मंडी आढ़ती एसोसिएशन ने अपनी तरफ से पूरा समर्थन किया हैं। 20 दिसंबर को करनाल में भी सब्जी मंडी में काम काज ठप रहेगा। इसको लेकर आज करनाल सब्जी मंडी में आढ़तियों के साथ अन्य बर्ग के लोगों की बैठक हुई। इसमें सर्व सम्मति 20 दिसंबर की हड़ताल को सफल बनाने का निर्णय लिया। यदि मांग नहीं मानी गई तो पंद्रह जनवरी से पूरे प्रदेश में सब्जी मंडी अनिश्चितकाल के लिए बंद कर दी जाएंगी। बैठक में वक्ताओं ने कहा कि प्रदेश सरकार मनमाने कानून बना कर उन्हें परेशान कर रही हैं। उन्होंने कहा कि जब पूर्व वर्ती सरकार ने सब्जी मंडीको मार्कीट फीस से मुक्त कर दिया था। लेकिन इस सरकार ने आते ही मार्कीट फीस को लागू कर दिया। आढ़तियों ने नए नोटिफिकेशन को काला कानून बताया। उन्होंने कहा कि सरकार ने पचास प्रतिशत बढ़ा कर लमशम फीस एडवांस में बसूलने की बात कही हैं। यह कैसे संभव हैं। जब सब्जी प्ऊल बिकेक ही नहीं तो फीस को केसे तय करेंगे। उन्होंने बताया कि मार्कीट फीस और आरडीएफ फीस थोप दी। उस समय कहास गया कि इस फीस को वापस ले लेंगे। लेकिन तीन साल बीत गए सरकार ने फीस वापस लेने की बजाए नया नोटीफिकेशन जारी कर दिया। यह सब्जी बिक्रेताओं के हितों पर कुठाराघात हैं। इसे सहन नहीं किया जाएगा। सभी आढ़ती उपस्थित होकर एकजुट दिखाई दिए। उनमें असंतोष दिखाई दिया। इस अवसर पर अवतार सिंह तारी, कृष्णा सचदंवा, नरेंद्र कुमार, जितेंद्र मलिक, मोनू शर्मा,कमल ढांगड़ा, तेजेंद्र पाल सिंह ढींगडा डिम्पी,प्रमोद बजाज, राजू मदान, राजू मसीं, पंचम छावड़ा, दलविंदर सिंह, मुरारी लाल, अंशिल सचदेवा, राम लाल, नाथी राम, सहित तमाम सदस्यों ने हड़ताल का समर्थन किया।

केन्द्र व प्रदेश की सरकारों ने महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने के लिए उठाए ठोस कदम-ऋषिपाल रावल

पानीपत। विकसित भारत जनसंवाद संकल्प यात्रा' कार्यक्रम देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के भारत को 2047 तक 'आत्मनिर्भर और विकसित' भारत अभियान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का वह दूरदर्शी विजन है जिसके साकार होने से भारत वैश्विक स्तर पर एक मजबूत और प्रभावशाली राष्ट्र के रूप में अपनी पहचान कायम करेगा। गांव गोयला खुर्द में ऋषिपाल रावल तथा गांव संजौली में कृष्ण छोकर ने 'विकसित भारत संकल्प यात्रा-जनसंवाद' कार्यक्रम के दौरान बतौर मुख्य अतिथि नागरिकों से सीधा संवाद किया। विकसित भारत जनसंवाद संकल्प यात्रा' कार्यक्रम के दौरान नागरिकों को एक साथ मिलकर भारत को विकसित राष्ट्र बनाने की शपथ दिलाई। नागरिकों ने शपथ ली कि भारत को 2047 तक आत्मनिर्भर और विकसित राष्ट्र बनाने के सपने को साकार करेंगे।

ऋषिपाल रावल व कृष्ण छोकर ने कहा कि विकसित भारत संकल्प

यात्रा का उद्देश्य केंद्र व प्रदेश सरकार की योजनाओं का लाभ हर व्यक्ति को मिले। मुख्यमंत्री मनोहर लाल की सोच है कि आम आदमी सुचारू रूप से जिंदगी जिए और सरकार की जनकल्याणिकारी नीतियों एवं योजनाओं का लाभ हर व्यक्ति को मिले। उन्होंने कहा कि सरकार ने समाज के ऐसे वंचितों को प्राथमिकता दी है जो दशकों से मूलभूत सुविधाओं से वंचित थे और उनकी सुध लेने वाला कोई नहीं था। गरीब परिवारों का चूल्हा धुंआ रहित हो, इसके लिए सरकार ने प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना के तहत गरीब परिवार की महिलाओं को मुफ्त में रसोई गैस कनेक्शन दिए है। उन्होंने ने कहा कि अब हरियाणा में एक लाख 80 हजार रुपये से कम आय वाले परिवार की बेटी को कॉलेजों में मुफत शिक्षा दी जा रही है। ऐसे गरीब परिवार जिन के घर में कोई नौकरी नहीं है उसे 5 अंक अतिरिक्त दिए जा रहे हैं। प्रदेश प्रवक्ता विधु रावल ने गांव की मूलभूत सुविधाओं से भी अधिकारियों को अवगत करवाया और उन समस्याओं को अविलंब दूर करवाने के लिए भी कहा।

धौली की जमीन का मालिकाना हक देकर मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने किया वादा पूरा - सुनील शर्मा डुडीवाल

रेवाड़ी। ब्राह्मण सभा जिला रेवाड़ी के मुख्यालय ब्रह्मगढ परिसर में मैनेजिंग डायरेक्टर,भूमि विकास अधिकरण निगम,हरियाणा सरकार सुनील शर्मा डूडीवाल के सम्मान में कार्यक्रम आयोजित किया।सभा प्रधान प्रधान चंद्रशेखर गौतम की अध्यक्षता में आयोजित कार्यक्रम में ब्राह्मण समाज की मांग पर धौली की जमीन के मालिकाना हक़ ब्राह्मणों को हरियाणा सरकार से दिलाने में विशेष सहयोग करने पर सभा की समस्त कार्यकारिणी ने सुनील डूडीवाल का पगड़ी पहनाकर व फूलों का बूका व स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया।सभा प्रधान गौतम ने समाज के लोगों की उपस्थिति में सुनील शर्मा का सम्मान करते हुए मुख्यमंत्री हरियाणा मनोहर लाल खट्टर का विशेष रूप से धन्यवाद किया।कार्यक्रम में सुनील डुडीवाला ने बताया कि पिछले वर्ष करनाल में आयोजित भगवान परशुराम महाकुंभ में ब्राह्मण समाज की मांग पर धौली की जमीन के मालिकाना हक़ देने का जो वायदा किया था वह वायदा माननीय मुख्यमंत्री जी ने पूरा कर दिया है। जिससे हरियाणा में वर्षों पहले दान में मिली धौली की जमीन का मालिकाना हक, बेचने का अधिकार अब ब्राह्मण समाज को मिल गया है, इसी के साथ सुनील डुडींवाल ने हरियाणा सरकार के द्वारा लोगों को लाभान्वित करने की बहुत सी योजनाओं और स्कीमों के बारे में ब्राह्मण समाज को अवगत कराया जिसका आमजन को लाभ मिल रहा है।

कार्यक्रम में प्रधान चंद्रशेखर गौतम,उपप्रधान दीपक मुदगिल एडवोकेट ,कोषाध्यक्ष खुशहाल शर्मा, संयुक्त सचिव, राजेश वशिष्ठ , प्रेस सचिव रमेश वशिष्ठ,प्रबंधक जयकुमार कौशिक,सहायक प्रबंधक दीपक शर्मा व सुरेश शर्मा ,पूर्व कार्यकारी प्रधान प्रेम कौशिक ,महिला विंग

प्रधान सरोज भारद्वाज,दीपा भारद्वाज,सुमन लता शर्मा,जयमाला कौशिक,युवा संगठन प्रधान कपीश शर्मा,ब्राह्मण सभा बावल प्रधान सुरेश शर्मा,पूर्व प्रधान केशव मुदगल,सतीश मस्तान,मनोज वशिष्ठ, नत्थू शर्मा, सुरेंद्र शर्मा, हेमंत शर्मा,सुभाष चंद शर्मा , डाल चन्द्र शर्मा, लक्ष्मण स्वरूप कौशिक, सोमदत्त शर्मा,दिनेश वशिष्ठ , जितेंद्र शर्मा, विनोद कौशिक,जितेंद्र तिवाड़ी, संदीप भारद्वाज,श्याम सुंदर शर्मा जी, भूपेंद्र भारद्वाज , नरेश स्वामी, मनीराम शर्मा चरखी दादरी, रविन्द्र शर्मा खातीवास, अक्षय महराना, बालु पहलवान सहित समाज के अन्य गणमान्य व्यक्ति विशेष रूप से उपस्थित रहे।

हरियाणा सिविल पैन्शरज़ वैल्फेयर एसोसिएशन ने किया पैन्शरज़ दिवस व महासम्मेलन का आयोजन

करनाल। हरियाणा सिविल पैन्शरज़ वैल्फेयर एसोसिएशन का वार्षिक सम्मेलन और पैन्शनरज़ दिवस पंचायत भवन करनाल में मनाया गया जिसमें सैकड़ो की संख्या में पैन्शनरज़ शामिल हुये । सम्मेलन में मुख्य अतिथि के तौर पर संजय बठला मुख्यमंत्री प्रतिनिधि व डा. बलबीर सिंह विर्क, निदेशक विर्क हस्पताल करनाल, सतीश कुमार बोहत सहायक क्षेत्रीय प्रबन्धक एस.बी.आई. तथा राजबीर सिंह खुडिंया डी.डी.पी.ओ. करनाल विशिष्ठ अतिथि के तौर पर उपस्थित रहे । कार्यक्रम की अध्यक्षता एस.एल. दुरेजा प्रान्तीय प्रधान ने की । कार्यक्रम में एसोसिएशन से सम्बद्ध अन्य शाखाओं के प्रधान व प्रतिनिधि भी पहुंचे। कार्यक्रम का संचालन महासचिव श्री सुभाष यादव ने किया सभी पैन्शनरज़ का स्वागत सम्मान व आभार व्यक्त किया गया । पैन्शनरज़ की लम्बित मांगो पर विचार-विमर्श

किया गया । 80 वर्ष से अधिक आयु के पैन्शनरज़ को ''श्रीमती मोहन देवी मैमोरियल अवार्ड'' से सम्मानित कर स्मृति चिन्ह व शाल ओढा कर किया जिनमें श्री विनोद कुमार, विनोद ओबराय, ओम नारायण सचदेवा, ईश्वर सिंह, सुशीला जुनेजा, पी.एन. मल्होत्रा, बी.के. धमीजा, भगवत सिंह तौमर आदि थे । डी.डी.पी.ओ. करनाल आर.एस. खुंडिया, बैंक अधिकारी एवं विर्क हस्पताल के निदेशक ने भी पैन्शनरज़ को सम्बोधित किया एवं पैनशनरज दिवस के सफल आयोजन की बधाई दी। इस कार्यक्रम में सतीश मिडडा व अन्य द्वारा सभी का मनोरंजन किया। दिसम्बर माह में जन्में पैन्शरज़ का जन्मदिवस केक काटकर व उपहार देकर मनाया जिनमें राम प्रकाश शर्मा प्रैस सचिव, बलवन्त सिंह, माई चन्द, आर.बी. गोयल, प्रेम सिंह, जगदीश, राजेन्द्र प्रसाद, मधुबाला आदि थे। एस.एल. दुरेजा प्रन्तीय प्रधान व अन्य पदाधिकारियों ने पैन्शरज़ की लम्बित मांगो का मांग पत्र मुख्यअतिथि संजय बठला को सौंपा । जिसपर संजय बठला ने अपने सम्बोधन में पैन्शरज़ को पैशंन दिवस की बधाई दी व समय-समय पर एसोसिएशन द्वारा जनहित में किये जा रहे कार्यो की सरहाना की और आश्वासन दिया कि मैं आपकी मांगो पर मुख्यमंत्री से जल्द से जल्द मिलवाने व लागू करवाने का पूरा प्रयास करुंगा। टेक चंद गौतम प्रान्तीय उप-प्रधान ने कार्यक्रम समाप्ति पर सभी का धन्यवाद किया । आज कई नये पैन्शरज़ ने ज्वाईनिंग भी की। इस अवसर पर वी.के. मैहता, एच.एल. सेठी, बी.बी.गोयल, राम नारायण, एम.एस.तंवर, ए.पी. कठपालिया, ओ.एन. मलिक, सुरेश खन्ना, अशोक मन्चंदा, ईश्वर शर्मा, अशवनी भारद्वाज, सुभाष दुरेजा, अविनाशवंती, के.एल.रंगा, श्याम सिंह राणा, महावीर सिंह, अनिता, महेन्द्र नरवाल, बिमला यादव, जगदीश चावला, घनश्याम दास रखेजा, आशा उप्पल, धर्मदेव दहिया, अयोध्या प्रसाद, चन्द्र भान, रामबिलास, आर.एल. अरोड़ा आदि उपस्थित थे।

फिल्म व टेलीविजन क्षेत्र में अपना करियर बना सकेंगे विधार्थी

करनाल। स्थानीय इंटरनेशनल स्कूल में 15 दिवसीय थिएटर कार्यशाला में लगभग 50 विधार्थी भाग ले रहे हैं, जिसकी शुरुआत एनएसडी के सहयोग से14 दिसंबर को की गई और 29 दिसंबर को कार्यशाला का समापन होगा। एनएसडी की ओर से वरिष्ठ रंगकर्मी हफीज व इवान खान बच्चों को प्रशिक्षित करे रहे हैं। यह जानकारी स्कूल एमडी कुलजिंद्र मोहन सिंह बाठ ने दी। स्कूल में आयोजित रंगमंच प्रशिक्षण कार्यक्रम को अति महत्वपूर्ण बताया और कहा कि राष्ट्रीय नाट्य विद्यालय दिल्ली द्वारा पहली बार दिल्ली से बाहर ऐसा आयोजन किया गया है । उन्होंने कहा कि इस कार्यशाला में ट्रेनिंग लेने के बाद ये बच्चे स्कूल के पूर्व छात्र कमल रहेजा के सहयोग से फिल्म डायरेक्टर करण राजदान की आने वाली फिल्मों व

टेलीविजन सीरियल के लिए स्क्रीन टेस्ट देंगे, जिससे बच्चे फिल्म व टेलीविजन क्षेत्र में अपना करियर बना सकेंगे। श्री बाठ ने कहा कि कार्यशाला की शुरुआत पर बच्चों को वरिष्ठ रंगकर्मी हफीज खान के साथ साथ वरिष्ठ रंगकर्मी संजीव लखनपाल,कृष्ण कुमार मलिक,हिफा अध्यक्ष डॉक्टर पीयूष सिंह ,प्रोफेसर डॉक्टर कृष्ण अरोड़ा, ऑल इंडिया रेडियो के पूर्व उदघोषक मेहश शर्मा, निदेशक अकादमिक अमर कौर,स्कूल इंचार्ज वीना शर्मा व सरोज ग्रोवर तथा स्कूल प्रिंसिपल शरण कौर ने बच्चों को आशीर्वाद दिया और उज्जवल भविष्य की कामना की।

भरोसा टूटने से हरियाणा में हर रोज हड़ताल कर रहे सरकारी कर्मी : कुमारी सैलजा

अंबाला। पूर्व केंद्रीय मंत्री कुमारी सैलजा ने कहाकि भाजपा-जजपा गठबंधन सरकार प्रदेश के सरकारी कर्मचारियों का भरोसा पूरी तरह से खो चुकी है। भरोसा टूटने के कारण ही किसी न किसी महकमे के कर्मी हर रोज हड़ताल पर जा रहे हैं। कर्मचारियों से चुनाव के वक्त किए वायदे 4 साल बीतने पर गठबंधन सरकार पूरे नहीं कर पाई है। ऐसे में मागें मनवाने के लिए हड़ताल पर जाना कर्मचारियों की मजबूरी है, लेकिन इसका खामियाजा प्रदेश के आमजन को भुगतना पड़ रहा है।

मीडिया को जारी बयान में कुमारी सैलजा ने कहा कि शहरी निकाय विभाग के सफाई कर्मियों की हड़ताल के कारण प्रदेश के शहरों में गंदगी के अंबार लगने शुरू हो गए हैं। हड़ताल लंबी चली तो शहरों में रह रहे लोगों का जीवन काफी मुश्किल हो सकता है, क्योंकि साफ-सफाई न होने व गंदगी के ढेर लगने से बदबू इनके लिए परेशानी का सबब बन सकती है। इनके साथ ही नगर पालिका, नगर परिषद, नगर निगम का अन्य स्टाफ, जिसमें क्लर्क, ठेके पर लगे कर्मी भी हड़ताल पर होने से आम जनता के अन्य काम होने भी बंद हो गए हैं। पूर्व केंद्रीय मंत्री ने कहाकि इससे पहले ग्रामीण सफाई कर्मियों की हड़ताल लंबी चल चुकी है। उस समय गांवों में गंदगी ने जीना मुहाल कर दिया था। जबकि, अपनी मांगों के लिए आशा वर्कर्स का लंबा चला संघर्ष तो किसी से भी छिपा नहीं है। ऐसा कोई दिन नहीं जाता। जब प्रदेश के अखबारों की सुर्खियां किसी न किसी कर्मचारी संगठन की हड़ताल या धरना न बनती हों। सरकार कर्मचारियों का विश्वास खो चुकी है और कर्मचारी अब सिर्फ चुनाव के इंतजार में हैं, ताकि इस सरकार को चलता किया जा सके।

कुमारी सैलजा ने कहाकि भाजपा-जजपा गठबंधन सरकार अपने कर्मचारियों की मांगों को लगातार अनसुना कर रही है। मजबूरी में कर्मचारियों को सरकार तक आवाज पहुंचाने के लिए हड़ताल का सहारा लेना पड़ता है, इससे सरकारी दफ्तरों में कामकाज ठप हो जाता है और जनता के काम भी नहीं हो पाते। गठबंधन सरकार को चाहिए कि उसने चुनाव के समय कर्मचारी संगठनों से जो भी वायदे किए थे, उन्हें बिना किसी देरी को पूरा करे। ताकि, कर्मियों के सामने हड़ताल पर जाने की नौबत ही न आए।

पूर्व केंद्रीय मंत्री ने कहा कि हरियाणा रोडवेज में नए परमिट देने के विरोध में कर्मचारी यूनियन सभी डिपो पर प्रदर्शन करने कर चुकी है, लेकिन इनकी मांग को अनसुना किया जा रहा है। बिजली कर्मचारी भी अपने धरने-प्रदर्शन को चरणबद्ध तरीके से चला रहे हैं। किसी कर्मचारी वर्ग के साथ सरकार ने वादाखिलाफी की है तो किसी की मांगों पर समय रहते विचार नहीं किया। किसी महकमे में निजीकरण के खिलाफ आवाज बुलंद हो रही है, तो कहीं पर कौशल रोजगार निगम के जरिए ठेके पर स्टाफ रखने पर नाराजगी है।

एक भारत एक राष्ट्र की भावना से देश बनेगा विकसित भारत-कृष्णलाल पंवार

पानीपत। विकसित भारत संकल्प यात्रा के तहत रविवार को नोहरा व बोहली गांव मे जन संवाद कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि ग्रामीणों को संबोधित करते हुए राज्य सभा सांसद कृष्णलाल पंवार ने कहा कि विकसित भारत के लिए हम सब को श्रेष्ठ भारत की भावना को लेकर कार्य करना होगा। सरकार सभी नागरिकों के जीवन में सुगमता सुनिश्चित करने का कार्य कर रही है । सरकार हर घर का सपना पूरा करने में लोगों को हर संभव सहायता दे रही है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सफल प्रयास से भारत निकट भविष्य में विश्व तीसरी बड़ी अर्थव्यवस्था बन जाएगा। उन्होंने कहा कि महिलाओ को आत्म निर्भर बनाने को लेकर सरकार ने 15 सो महिलाओं को ड्रोन का प्रशिक्षण दिया है। इससे महिलाओं को जहां रोजगार के अवसर प्रदान होंगे वहीं वो सरकार की इस योजना के साथ जुड़कर आत्म निर्भर भी होंगी। आने वाले समय में हर स्टेट में महिलाओं के लिए नमो दीदी प्रशिक्षण केंद्र खोले जायेंगे। उन्होंने कहा पहले किसी किसान का खेत का बिजली ट्रांसफार्म जल जाता था तो उसे 20 प्रतिशत राशि जमा करनी पड़ती थी अब उसे घटा कर 10 प्रतिशत कर दिया है।

सांसद ने कहा कि विकसित भारत संकल्प यात्रा देश के कोने-कोने मे जाकर लोगों को सरकार की योजनाओ की जानकारी देकर उन्हे प्रोत्साहित करने का कार्य कर रही है। कार्यक्रम में उन्होंने ग्रामीणों को विकसित भारत की शपथ भी दिलाई। उन्होंने ग्रामीणों को आश्वस्त किया कि जो समस्याएं जन संवाद में प्राप्त होंगी उनका समाधान निश्चित है। नोहरा व बोहली गांव में विकसित भारत संकल्प यात्रा का पहुंचने पर ग्रामीणों द्वारा उत्सव पूर्वक स्वागत किया गया। कार्यक्रम में स्कूलों के बच्चो ने दहेज पर आधारित नाटिका प्रस्तुत कर लोगों को जागरूक करने का संदेश दिया। कार्यक्रम में उत्कृष्ट महिलाओं, खिलाडियों, पूर्व सैनिकों व कलाकारों को सम्मानित किया गया। सांसद ने

विभिन्न स्टालों पर जाकर सरकार की योजनाओ की जानकारी ली व सरकार द्वारा गांव में करवाए गए विकास कार्यों का ब्यौरा गांव के लोगों के समक्ष रखा। कार्यक्रम मे विभिन्न योजनाओं के लाभार्थियों ने सरकार की योजनाओं से मिले लाभ को लोगों के साथ सांझा किया। सांसद ने प्रधानमंत्री उज्जवला योजना के लाभार्थियों को गैस कीट वितरित की। कार्यक्रम में जिला परिषद चेयर परसन ज्योति शर्मा ने नोहरा में संबोधित करते कहा कि आर्थिक स्थिति में सुधार हो रहा है। यह सब मोदी सरकार की योजनाएं का प्रभाव है। आत्म रक्षा के मामले में हम अच्छी स्थिति में है। महिलाओं को सशक्त बनाने में सरकार ने बहुत कार्य किया है। आज महिलाएं बहुत से क्षेत्रों में अपनी बेहतरीन स्थिति दर्ज कर रही है। उन्होंने बताया कि हरियाणा मुख्यमंत्री मनोहर लाल के कुशल नेतृत्व में आगे बढ़ रहा है। हरियाणा वह पहला प्रदेश है जहां मनरेगा में श्रमिकों को 357 रुपए सबसे ज्यादा श्रम दिया जाता है।

ब्लॉक समिति चेयरमेन मीना देवी ने कहा कि खेलों व कौशल में कैरियर की अपार सभावनाएं हैं। आज प्रदेश का हर 10वा जवान सेना मे सेवा प्रदान कर रहा है । उन्होंने बताया कि मोदी सरकार की गारंटी गाड़ी का लोगों में भारी उत्साह है। जहां-जहां मोदी की गाडी पहुंच रही है लोग खुले दिल से स्वागत कर रहे हैं। एक उत्सव का माहौल पूरे प्रदेश में बना हुआ है।

इस मौके पर सीटीएम राजेश सोनी ,सीएमओ जयंत आहुजा, ,एक्शन बिजली विभाग आदित्य कुंडू,बीडीओ सुरेंद्र,तहसीलदार अजय सैनी,सरेंडर नोहरा,सरपंच राजेश, सरपंच मंजु देवी, रमेश कुमार, सामाजिक कार्यकर्ता रंजीता कौशिक, बीईओ मनीष गुप्ता,पब्लिक हेल्थ के एसडीओ वीरेंद्र, कृषि विभाग के एसडीओ डॉक्टर अरविंद , टेक राम मराठा आदि मौजूद रहे। कार्यक्रम मे दोनों गांव के सरपंच को अभिनंदन पत्र भी दिया गया।

गुजरात सरकार ने मत्स्य उत्पादन बढ़ाने आधुनिक प्रौद्योगिकियों के इस्तेमाल पर दिया जोर

- वर्तमान में भारत के कुल मछली निर्यात में राज्य का योगदान 17 प्रतिशत है

अहमदाबाद ।

गुजरात सरकार ने अब मछली पकड़ने वाले अपने पारंपरिक समुदाय से गहरे समुद्र में मछली पकड़ने की क्षमता का दोहन करने के लिए आधुनिक प्रौद्योगिकियों को अपनाने का आग्रह किया है, जिससे उसकी मत्स्य पालन क्षेत्र में क्षमता बढ़ाने में वृद्धि की अपार संभावनाएं उत्पन्न होगी। गांधीनगर में 10 से 12 जनवरी 2024 को आयोजित होने वाले वाइब्रेंट गुजरात ग्लोबल समिट के 10वें संस्करण से इस उद्योग को और समर्थन मिलने की उम्मीद है। द्विवार्षिक शिखर सम्मेलन व्यवसायों तथा सरकारों के लिए निवेश के अवसरों की पहचान करने और साझेदारी स्थापित करने के लिए एक मंच प्रदान करता है। मुख्यमंत्री भूपेन्द्र पटेल ने हाल ही में यहां आयोजित एक कार्यक्रम में कहा` कि गुजरात की सबसे लंबी करीब 1,600 किलोमीटर की तटरेखा है। यह मछली उत्पादन में सबसे आगे है। आज गुजरात 5,000 करोड़ रुपये से अधिक मूल्य का मछली निर्यात कर रहा है, जिससे भारत के कुल मछली निर्यात में राज्य का योगदान 17 प्रतिशत हो गया है। जब प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी गुजरात के मुख्यमंत्री थे, तो उन्होंने मत्स्य पालन क्षेत्र के समग्र विकास के लिए सागर खेडू सर्वंगी विकास योजना शुरू की जो बेहद सफल रही। आज गुजरात की नीली अर्थव्यवस्था तेजी से बढ़ रही है। अधिकारियों और मछली पकड़ने वाले समुदाय के सदस्यों ने कहा कि उद्योग मछली पकड़ने से लेकर प्रसंस्करण तक, रोजगार सृजन करने और राज्य की अर्थव्यवस्था में योगदान देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। राज्य सरकार के अनुसार, गुजरात में एक मछुआरा परिवार की औसत वार्षिक आय पिछले पांच वर्षों में 6.56 लाख रुपये से बढ़कर 10.89 लाख रुपये हो गई है। राज्य सरकार द्वारा उपलब्ध कराए गए आंकड़ों के अनुसार, मशीनी नाव पारंपरिक नौकाओं से कहीं अधिक हैं। पारंपरिक नौकाओं की संख्या 8,625 और मशीनी नाव की 28,355 हैं।

सॉवरेन गोल्ड बांड की तीसरी सीरीज खुली

- सॉवरेन गोल्ड बॉन्ड 2023-24 सीरीज-3 की कीमत 6199 प्रति ग्राम तय

नई दिल्ली ।

वित्त वर्ष 2023-2024 के लिए भारतीय रिजर्व बैंक ने घोषणा की है कि सॉवरेन गोल्ड बांड (एसजीबी) सीरीज-3 सोमवार 18 दिसंबर से खुल गई है। बता दें नई सीरीज का लांच 2023 ऐसे समय में हुआ है जब सोने की कीमतों में 10 प्रतिशत से अधिक की बढ़ोतरी हो चुकी है। जरूरी तारीखों पर नजर डालें तो एसजीबी स्कीम 2023-2024 सीरीज-3 का पब्लिक इश्यू 22 दिसंबर को बंद होगा। भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा सॉवरेन गोल्ड बॉन्ड 2023-24 सीरीज-3 की कीमत 6199 प्रति ग्राम तय की गई है। सॉवरेन गोल्ड की कीमत सब्सक्रिप्शन पीरियड से पहले सप्ताह के अंतिम तीन कामकाजी दिनों के लिए इंडिया बुलियन एंड ज्वैलर्स एसोसिएशन द्वारा प्रकाशित 999 शुद्धता वाले सोने के समापन मूल्य के साधारण औसत के आधार पर तय की जाती है। आरबीआई ने 15 दिसंबर को एक नोटिफिकेशन में कहा कि सब्सक्रिप्शन पीरियड से पहले सप्ताह के अंतिम तीन कामकाजी दिन 13 दिसंबर, 14 दिसंबर और 15 दिसंबर को 999 शुद्धता वाले सोने के लिए बंद भाव के साधारण औसत के आधार पर बांड का नॉमिनल वैल्यू 2023 तक प्रति ग्राम सोना 6,199 रुपये बैठता है। विशेष रूप से एक साल पहले दिसंबर 2022 में केंद्रीय बैंक द्वारा एसजीबी स्कीम 2022-23 सीरीज-3 का इश्यू प्राइस 5,409 रुपये निर्धारित किया गया था। निवेशक इस स्कीम में भाग लेने वाले सभी बैंकों से सॉवरेन गोल्ड बॉन्ड सीरीज-3 खरीद सकते हैं। इसी के साथ निवेशक स्टॉक होल्डिंग कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया, क्लियरिंग कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया, डेजिगनेटेड पोस्ट ऑफिस, नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) और बीएसई के माध्यम से भी एसबीजी खरीद सकते हैं।

क्रेटा का फेसलिफ्ट मॉडल अगले साल होगा लांच

-अब मिलेगा 20 से और ज्यादा माइलेज

नई दिल्ली ।

शानदार कार क्रेटा का फेसलिफ्ट मॉडल अगले साल 16 जनवरी 2024 में लॉन्च कर दिया जाएगा। किआ सेल्टॉस फेसलिफ्ट में डिजाइन को शानदार तरीके से बदला गया है। कार में नए एलईडी हेडलैंप्स देखने को मिलेंगे। इसी के साथ बड़ा रेडिएटर ग्रिल, नई एलईडी टेल लाइट भी इसमें दी जाएगी। इसी के साथ पैरामीट्रिक ज्वेल ग्रिल डिजाइन दिया जाएगा। कार को पैरामीट्रिक डायनेमिक डिजाइन लैंग्वेज पर बनाया गया है। एसयूवी में नए अलॉय व्हील दिए जाएंगे जो 18 इंच तक होंगे। कार के इंटीरियर में ज्यादा बदलाव नहीं किया जाएगा। हालांकि कार की कलर थीम नई होगी और अपहॉल्स्ट्री को भी बदला जाएगा। कार में 10.25 इंच का डिजिटल ड्राइवर डिस्प्ले दिया जाएगा। फिलहाल कार में 1.5 लीटर नैचुरली एस्पिरेटेड पेट्रोल इंजन आता है। ये इंजन 113 बीएचपी की पावर और 144 एनएम का टॉर्क जनरेट करता है।

वहीं कार में 1.5 लीटर का डीजल इंजन भी दिया जाता है जो 114 बीएचपी की पावर और 250 एनएम का टॉर्क जनरेट करता है। वहीं नया इंजन 1.5 लीटर का टर्बोचार्ज्ड पेट्रोल इंजन होगा। क्रेटा के माइलेज की बात की जाए तो ये पेट्रोल पर 20 किलोमीटर प्रति लीटर और डीजल पर 25 किलोमीटर प्रति लीटर तक का माइलेज देती है।वहीं 10.25 इंच का ही इंफोटेनमेंट सिस्टम दिया जाएगा। कार में अब आपको फ्रंट वेंटीलेटेड सीट्स दी जाएंगी। क्रेटा में फिलहाल आ रहा इंजन कंटीन्यू किया जाएगा, हालांकि इसमें एक और नया इंजन भी पेश किया जाएगा।

मप्र में सस्ता हुआ पेट्रोल, झारखण्ड में बढ़ी कीमतें

-ब्रेंट क्रूड 77.29 डॉलर प्रति बैरल

नई दिल्ली ।

वैश्विक बाजार में कच्चे तेल की कीमतें बढ़ी हुई दिख रही हैं। सोमवार को डब्ल्यूटीआई क्रूड 72.11 डॉलर प्रति बैरल पर बिक रहा है। वहीं ब्रेंट क्रूड 77.29 डॉलर प्रति बैरल पर पहुंच गया है। सोमवार को मध्य प्रदेश में पेट्रोल 38 पैसे और डीजल 34 पैसे सस्ता हुआ है। छत्तीसगढ़ में पेट्रोल 50 पैसे और डीजल 49 पैसे नीचे आ गया है। हिमाचल प्रदेश में भी पेट्रोल की कीमतों में गिरावट दिख रही है। इसके अलावा राजस्थान, उत्तर प्रदेश और तेलंगाना में कीमतें गिरी हैं। दूसरी ओर झारखण्ड में पेट्रोल और डीजल 22 पैसे महंगा हो गया है। गुजरात, पंजाब, तमिलनाडु और और पश्चिम बंगाल में भी पेट्रोल और डीजल की कीमत में हल्की तेजी दिख रही है। दिल्ली में पेट्रोल 96.72 रुपये और डीजल 90.08 रुपये प्रति लीटर, मुंबई में पेट्रोल 106.31 रुपये और डीजल 94.27 रुपये प्रति लीटर, कोलकाता में पेट्रोल 106.03 रुपये और डीजल 92.76 रुपये प्रति लीटर, चेन्नई में पेट्रोल 102.77 रुपये और डीजल 94.37 रुपये प्रति लीटर, नोएडा में पेट्रोल 96.59 रुपये और डीजल 89.76 रुपये प्रति लीटर हो गया है। गाजियाबाद में 96.44 रुपये और डीजल 89.62 रुपये प्रति लीटर हो गया है। लखनऊ में पेट्रोल 96.36 रुपये और डीजल 89.56 रुपये प्रति लीटर हो गया है। पटना में पेट्रोल 107.74 रुपये और डीजल 94.51 रुपये प्रति लीटर हो गया है। पोर्टब्लेयर में पेट्रोल 84.10 रुपये और डीजल 79.74 रुपये प्रति लीटर हो गया है।

सोना 62 हजार से नीचे, चांदी भी सुस्त

नई दिल्ली ।

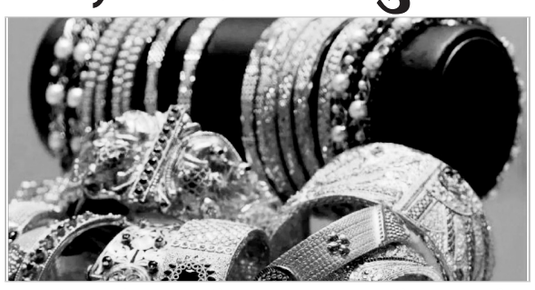

इस सप्ताह बाजार में सोने के वायदा भाव मामूली तेजी के साथ खुले लेकिन बाद में भाव में सुस्ती देखी जाने लगी। सोमवार को चांदी के वायदा भाव पिछले बंद भाव पर ही खुले और यह 74,500 रुपये के करीब कारोबार कर रहे थे, जबकि सोने के वायदा भाव अब गिरकर 62 हजार रुपये से नीचे कारोबार कर रहे हैं। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर सोने का बेंचमार्क फरवरी कॉन्ट्रैक्ट 1 रुपये की तेजी के साथ 62,193 रुपये के भाव पर खुला। फिलहाल यह कॉन्ट्रैक्ट 215 रुपये की गिरावट के साथ 61,977 रुपये के भाव पर कारोबार कर रहा था। चांदी के वायदा भाव की शुरूआत सपाट रही। एमसीएक्स पर चांदी का बेंचमार्क मार्च कॉन्ट्रैक्ट सोमवार को पिछले बंद भाव 74,525 रुपये के भाव पर ही खुला। फिलहाल यह कॉन्ट्रैक्ट 56 रुपये की गिरावट के साथ 74,469 रुपये के भाव पर कारोबार कर रहा था। वहीं वैश्विक बाजार में सोने और चांदी के वायदा भाव की शुरूआत सुस्ती के साथ हुई। हालांकि बाद में इनके भाव में सुधार देखा जाने लगा। कॉमेक्स पर सोना 20,33.30 डॉलर प्रति औंस के भाव पर खुला। पिछला बंद भाव 2,035.70 डॉलर था। फिलहाल यह 0.60 डॉलर की तेजी के साथ 2,036.30 डॉलर प्रति औंस के भाव पर कारोबार कर रहा था। कॉमेक्स पर चांदी के वायदा भाव 24.12 डॉलर के भाव पर खुले, पिछला बंद भाव 24.15 डॉलर था। फिलहाल यह 0.06 डॉलर तेजी के साथ 24.21 डॉलर प्रति औंस के भाव पर कारोबार कर रहा था।

जीईएल के शेयरों में गिरावट, 4 फीसदी तक लुढ़के शेयर

मुंबई । जी एंटरटेनमेंट एंटरप्राइजेस (जीईएल) और सोनी पिक्चर्स के प्रस्तावित विलय में अभी और समय लग सकता है। दरअसर, जी ने इस प्रस्तावित विलय को लेकर और वक्त मांगा है। विलय में देरी की खबर के बाद से ही सोमवार 18 दिसंबर को जी एंटरटेनमेंट के शेयर लुढ़क गए। शुरुआती कारोबार में ही शेयर 4 प्रतिशत से ज्यादा नीचे आया। वहीं सुबह जी एंटरटेनमेंट का शेयर गिरावट के साथ बीएसई पर 270.15 रुपये पर खुला। तुरंत ही इसने पिछले बंद भाव से 4 प्रतिशत लुढ़का और 266.05 रुपये पर आ गया। हालांकि थोड़ी देर बार यह संभला और करीब 275 रुपये के आसपास कारोबार कर रहा था। बता दें, एक दिन पहले ही ये खबर सामने आई थी कि जी एंटरटेनमेंट ने कल्वर मैक्स एंटरटेनमेंट के साथ अपने प्रस्तावित विलय की समय सीमा को बढ़ाने के लिए कहा है, पहले यह 21 दिसंबर 2023 तय थी।

देश में वर्ष 2024 में 20 फीसदी से ज्यादा बढ़ेगी ऑफिस स्पेस की मांग

मुंबई । वैश्विक स्तर पर सुस्ती होने के बावजूद देश में अगले साल ऑफिस स्पेस की मांग बढ़ने की उम्मीद है। वर्ष 2024 में ऑफिस मांग में 20 से 22 फीसदी की बढ़ोतरी हो सकती है। इस साल ऑफिस की मांग पिछले साल के बराबर रह सकती है और यह 2017-19 के दौरान औसत मांग को पार कर सकती है। अइस साल ऑफिस की मांग बढ़कर 370 से 390 लाख वर्ग फुट होने का अनुमान है। एक संपत्ति सलाहकार फर्म की रिपोर्ट के अनुसार, इस साल जनवरी-सितंबर अवधि में ऑफिस स्पेस की मांग 260 लाख वर्गफुट दर्ज की गई, जो पिछले साल की कुल मांग का 68 फीसदी है। साल के आखिर तक मांग बढ़कर 370 से 390 लाख वर्गफुट हो सकती है क्योंकि इस साल की आखिरी तिमाही में ऑफिस पट्टे पर लेने की गतिविधियों में बढ़ोतरी हुई है। देश के 7 प्रमुख ऑफिस मार्केट में इस साल के आखिर तक ऑफिस स्पेस बढ़कर 80 करोड़ वर्गफुट तक पहुंच सकता है। अभी यह आंकडा 79.28 करोड़ वर्गफुट है। अगले साल ऑफिस की मांग और जोर पकड़ सकती है क्योंकि देश में ऑफिस मांग के फंडामेंटल काफी मजबूत हैं और वैश्विक तनाव का खास असर देश में नहीं दिख रहा है। रिपोर्ट के मुताबिक, वर्ष 2024 में ऑफिस की मांग 450 से 470 लाख वर्ग फुट रह सकती है। इसमें वर्ष 2023 की तुलना में 20 से 22 फीसदी बढ़ोतरी होने का अनुमान है क्योंकि अब हाइब्रिड मॉडल के साथ ऑफिस आकर काम करने को पहली प्राथमिकता दी जाने लगी है।

डाउन हुई एनएसई इंडिया की वेबसाइट

मुंबई । घरेलू शेयर बाजार एनएसई इंडिया के लिए दिन की शुरुआत ठीक नहीं रही है। सोमवार को कारोबार के शुरुआती घंटों में एनएसई इंडिया की वेबसाइट डाउन हो गई, जिससे कई यूजर ने सोशल मीडिया पर अपनी नाराजगी जाहिर की। एक यूजर ने लिखा कि जब भी बाजार में काफी उथल-पुथल होती है, एनएसई इंडिया काम करना बंद कर देता है। यूजर ने दावा किया कि एनएसई इंडिया की वेबसाइट शेयर बाजार के ओपन होने के बाद से ही एरर शो कर रही है। वहीं एक अन्य यूजर ने भी इसी तरह की आपत्ति व्यक्त की। यूजर ने नाराजगी जाहिर करते हुए लिखा कि इस तरह से बड़े प्लेयर्स को पोजिशन एडजस्ट करने का समय मिल जाता है। गौरतलब है कि शुरुआती कारोबार में शेयर बाजार गिरावट के साथ खुला। एशियाई बाजारों के कमजोर रुख का असर घरेलू बाजार पर पड़ा। बीएसई वाला 30 शेयर वाला सूचकांक सेंसेक्स 341.46 अंक गिरकर 71,142.29 पर आ गया। निफ्टी 65.30 अंक फिसलकर 21,391.35 पर रहा। सेंसेक्स की कंपनियों में आईटीसी, आईसीआईसीआई बैंक, महिंद्रा एंड महिंद्रा, इंडसइंड बैंक, एक्सिस बैंक और अल्ट्राटेक सीमेंट के शेयर नुकसान में रहे। सन फार्मा, रिलायंस इंडस्ट्रीज, टाइटन और बजाज फाइनेंस के शेयर लाभ में रहे।

शेयर बाजार गिरावट पर बंद

सेंसेक्स 169 अंक , निफ्टी 38 अंक नीचे आया

मुम्बई ।

घरेलू शेयर बाजार सोमवार को गिरावट पर बंद हुआ। सप्ताह के पहले ही कारोबारी दिन दुनिया भर के बाजारों से मिले कमजोर संकेतों से शुरुआती उतार-चढ़ाव के बाद बाजार नीचे आया। एशियाई बाजारों में गिरावट से भी भारतीय बाजार पर दबाव पड़ा। आज आईटीसी, आईसीआईसीआई सहित बैंक और आईटी शेयरों में मुनाफावसूली दर्ज की गयी जिससे भी बाजार टूटा है।

आज के कारोबार में बीएसई मिडकैप और स्मॉलकैप सूचकांकों का प्रदर्शन हालांकि अच्छा रहा। बीएसई मिडकैप इंडेक्स 0.4 फीसदी जबकि स्मॉलकैप 0.6 फीसदी ऊपर आया है। दिन भर के कारोबार के बाद तीस शेयरों वाला सेंसेक्स 168.66 अंक करीब 0.24 फीसदी नीचे आकर 71,315.09 अंक पर बंद हुआ। वहीं दूसरी ओर पचास शेयरों वाला नेशनल स्टॉक एक्सचेंज निफ्टी 38.00 अंक करीब 0.18 फीसदी नीचे आया। निफ्टी दिन के अंत में 21,418.65 अंक पर बंद हुआ। आज के कारोबार में सेंसेक्स के शेयरों में 12 शेयर लाभ के साथ ही ऊपर आये हैं। सन फार्मा, रिलायंस, बजाज फाइनैंस, एचसीएल टेक और एशियन पेंट्स सेंसेक्स के सबसे अधिक लाभ वाले पांच शेयरों में रहे। सबसे ज्यादा लाभ सन फार्मा के शेयरों को हुआ। इसके शेयर 1.25 फीसदी बढ़ें हैं। वहीं दूसरी ओर सेंसेक्स के शेयरों में 18 शेयर नुकसान के साथ ही गिरे हैं। इसमें पावर ग्रिड, आईसीआईसीआई बैंक, जेएसडब्लयू स्टील, आईटीसी और इंडसइंड बैंक सेंसेक्स के सबसे अधिक नुकसान वाले पांच शेयर रहे। सबसे ज्यादा नुकसान पावर ग्रिड के शेयरों को हुआ। इसके शेयर 2.34 फीसदी टूटे हैं। इससे पहले आज सुबह वैश्विक बाजारों से मिले खराब संकेतों की वजह से आईटी और` वित्तीय शेयरों में खरीदारी के कारण इक्विटी बेंचमार्क सूचकांकों ने सुबह के नुकसान की भरपाई कर ली। सेंसेक्स शुरुआती कारोबार में 341.46 अंक गिरकर 71,142.29 के निचले स्तर पर खुला। हालांकि कुछ ही देर में इसने अपने सभी नुकसानों की भरपाई कर ली और कुछ समय के लिए पॉजिटिव क्षेत्र में वापस आ गया।

अंबुजा सीमेंट रिन्यूएबल पावर प्रोजेक्ट्स में 6,000 करोड़ निवेश करेगी

मुंबई ।

सीमेंट के क्षेत्र की अग्रणी कंपनियों में से एक अंबुजा सीमेंट रिन्यूएबल पावर प्रोजेक्ट्स में 6,000 करोड़ का निवेश करने की योजना बना रही है। कंपनी ने एक एक्सचेंज फाइलिंग में कहा कि निवेश को आंतरिक रूप से वित्त पोषित किया जाएगा और गुजरात और राजस्थान में सौर और पवन ऊर्जा परियोजनाओं के माध्यम से 1,000 मेगावाट की क्षमता हासिल करने की उम्मीद है। हालांकि कंपनी ने एक्सचेंज फाइलिंग में फंडिंग प्रक्रिया के संबंध में कोई जानकारी नहीं दी। अदाणी ग्रुप के स्वामित्व वाली कंपनी ने कहा कि सौर ऊर्जा और पवन ऊर्जा परियोजनाओं से कैपेसिटी वित्त वर्ष 2026 तक हासिल कर ली जाएगी और इसकी मौजूदा कैपेसिटी 84 मेगावाट बढ़ जाएगी। इसमें कहा गया है कि इन परियोजनाओं से कंपनी की कुल ग्रीन एनर्जी कैपेसिटी मौजूदा 19 प्रतिशत से बढ़कर 60 प्रतिशत हो जाएगी। इस महीने की शुरुआत में अंबुजा सीमेंट्स ने 5,185 करोड़ रुपये में सांघी इंडस्ट्रीज में बहुमत हिस्सेदारी हासिल कर ली। पिछले महीने बड़े प्रतिद्वंद्वी अल्ट्राटेक सीमेंट ने कहा था कि वह 5,379 करोड़ रुपये के ऑल-स्टॉक डील में केसोराम इंडस्ट्रीज के सीमेंट कारोबार का अधिग्रहण करेगी।

एम्मार इंडिया गुरुग्राम में लग्जरी आवासीय परियोजना विकसित करेगी

नई दिल्ली । रियल एस्टेट कंपनी एम्मार इंडिया अपनी योजनाओं का विस्तार करने के लिए गुरुग्राम में अगले चार साल में लग्जरी आवासीय परियोजनाएं विकसित करने के लिए 900 करोड़ रुपए का निवेश करेगी। कंपनी के एक प्रमुख अधिकारी ने यह जानकारी दी। दुबई की एम्मार प्रॉपर्टीज की इकाई एम्मार इंडिया ने गुरुग्राम के गोल्फ कोर्स एक्सटेंशन रोड पर सेक्टर-62 में स्थित आवास परियोजना अर्बन ओएसिस में 424 लग्जरी आवास पहले ही बेच दिए हैं। एम्मार इंडिया के एक वे रिष्ठ अे धिकारी ने कहा` कि हमने लगभग चार वर्षों के अंतराल के बाद एक आवासीय परियोजना शुरू की। बाजार से मिली प्रतिक्रिया से हम खुश हैं। एम्मार इंडिया ने पहले चरण में पेश सभी 424 फ्लैट 1,723 करोड़ रुपए में बेच दिए हैं। उन्होंने कहा कि गुरुग्राम सहित सभी प्रमुख शहरों में लक्जरी घरों की मांग बहुत मजबूत है। परियोजना लागत के बारे में पूछे जाने पर चक्रवर्ती ने कहा कि जमीन की लागत को छोड़कर यह लगभग 900 करोड़ रुपए होगी।

बंगाल का राजस्व जीएसडीपी प्रतिशत मामले में राष्ट्रीय औसत से पीछेः आरबीआई

- बुनियादी ढांचे के विकास के लिए राज्य सरकार का वर्तमान खर्च केवल दो प्रतिशत है

कोलकाता ।

पश्चिम बंगाल के वित्त पर भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के हालिया निष्कर्षों के अनुसार राज्य के स्वयं के राजस्व या सकल राज्य घरेलू उत्पाद (जीएसडीपी) प्रतिशत के मामले में राज्य राष्ट्रीय औसत से पीछे है। आरबीआई के निष्कर्षों के अनुसार राज्य के स्वयं के कर राजस्व और गैर-कर राजस्व दोनों के मामले में पश्चिम बंगाल राष्ट्रीय औसत से पीछे है। इसके अनुसार पश्चिम बंगाल के लिए जीएसडीपी में राज्य के स्वयं के कर राजस्व का केवल पांच प्रतिशत है जो राष्ट्रीय औसत सात प्रतिशत से कम है। पश्चिम बंगाल के संबंध में गैर-कर राजस्व के मामले में स्थिति अधिक दयनीय है। निष्कर्षों के अनुसार पश्चिम बंगाल के जीएसडीपी में राज्य के गैर-कर राजस्व का प्रतिशत केवल 0.4 प्रतिशत है जो राष्ट्रीय औसत 1.2 प्रतिशत से कम है। आरबीआई के निष्कर्षों के अनुसार जीएसडीपी के प्रतिशत के रूप में बुनियादी ढांचे के विकास के लिए राज्य सरकार का वर्तमान खर्च केवल दो प्रतिशत है। अर्थशास्त्रियों का कहना है` कि इस कारक का अनुसरण पश्चिम बंगाल में राज्य उत्पाद शुल्क पर भारी निर्भर राज्य की अपनी कर राजस्व संरचना का नतीजा है। उनके अनुसार किसी भी राज्य का अपना कर राजस्व घटक विनिर्माण और सेवा क्षेत्र दोनों में बड़े निवेश पर निर्भर करता है। यह वही क्षेत्र है, जहां पश्चिम बंगाल अन्य प्रमुख राज्यों से पिछड़ा हुआ है और अर्थशास्त्रियों की राय है कि भूमि खरीद और विशेष आर्थिक क्षेत्र (एसईजेड) का दर्जा देने के संबंध में राज्य की आंतरिक नीतियां निवेश के मामले में बड़े पैमाने पर सूखे के लिए मुख्य रूप से जिम्मेदार हैं। अर्थशास्त्रियों का मानना है कि पश्चिम बंगाल सरकार की उद्योग के लिए भूमि खरीद में राज्य की कोई भूमिका नहीं नीति के कारण विनिर्माण क्षेत्र के संचालक राज्य में निवेश करने से विमुख हो रहे हैं।

रुपया सात पैसे बढ़कर 82.96 प्रति डॉलर

मुंबई । रुपया सोमवार को शुरुआती कारोबार में अमेरिकी डॉलर के मुकाबले सात पैसे की बढ़त के साथ 82.96 पर पहुंच गया। बाजार के जानकारों का कहना है` कि वैश्विक बाजारों में अमेरिकी डॉलर के कमजोर रुख और विदेशी कोषों के निरंतर प्रवाह से निवेशकों की धारणा को बल मिला है। विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने बताया कि घरेलू बाजारों में नरम रुख ने स्थानीय मुद्रा की बढ़त सीमित रही। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा बाजार में डॉलर के मुकाबले रुपया छह पैसे की बढ़त के साथ 82.97 पर खुला। इसके बाद उसने 82.95 से 83.02 प्रति डॉलर के बीच कारोबार किया। रुपया शुरुआती सौदों के बाद अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 82.96 पर पहुंच गया, जो पिछले बंद भाव से सात पैसे की बढ़त है। रुपया शुक्रवार को अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 83.03 पर बंद हुआ था। इस बीच दुनिया की छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले डॉलर की स्थिति को दर्शाने वाला डॉलर सूचकांक 0.08 प्रतिशत की गिरावट के साथ 102.10 पर रहा।

बच्चों में गंभीर रूप ले सकता है Asthma, एक्सपर्ट के बताए इन तरीकों से करें इसे मैनेज

अस्थमा एक गंभीर बीमारी है जो किसी को भी अपना शिकार बना सकती है। खासकर बच्चों में यह समस्या कई बार गंभीर रूप ले सकती है। ऐसे में बढ़ते वायु प्रदूषण में इसके लक्षणों के बिगड़ने का खतरा काफी बढ़ जाता है। अगर आपके बच्चे को भी अस्थमा की बीमारी है तो एक्सपर्ट के बताएं कुछ टिप्स की मदद से आप इसे ट्रिगर होने से बचा सकते हैं।

इन दिनों पर्यावरण में मौजूद धुंध या स्मॉग के कई कारण हो सकते हैं। इनमें पराली जलना, वाहनों की आवा-जाही और औद्योगिक उत्सर्जन आदि शामिल हैं। ऐसे में इस स्मॉग से प्रभावित होने वाले लोगों के लिए यह काफी हानिकारक हो सकता है। इनमें छोटे बच्चे और अस्थमा, सीओपीडी या फेफड़ों की अन्य पुरानी बीमारियों जैसी सांस संबंधी समस्याओं से पीड़ित लोग शामिल हैं। बच्चों के फेफड़े विकासशील होते हैं और इसलिए हवा में मौजूद प्रदूषणकारी तत्वों के हानिकारक प्रभाव के प्रति बेहद संवेदनशील होते हैं।

यातायात से संबंधित वायु प्रदूषण (टीआरएपी) का भारत में अस्थमा के 13त्न मामलों में योगदान होता है और यह निश्चित रूप से प्रमुख चिंताओं में एक है। ऐसी आबादी में जहां बायोमास ईंधन का उपयोग होता है। घर के अंदर वायु प्रदूषण भी एक प्रमुख जोखिम कारक बन जाता है। स्मॉग में प्रदूषण के कारणों के संपर्क में आने से बीमारी बढ़ सकती है, फेफड़ों की कार्यक्षमता कम हो सकती है और अस्थमा बढ़ने पर बच्चों को अस्पताल में भर्ती करना पड़ सकता है। ऐसे में फेलो इन पेड पल्मोनोलॉजी (यूके), एमडी (पेड), डीसीएच (बीओएम) डॉ. इंदु खोसला बता रही हैं बच्चों में अस्थमा से निपटने के कुछ तरीकों के बारे में-

अस्थमा से पीड़ित बच्चों को प्रदूषण कैसे प्रभावित करता है?

बच्चों में अस्थमा की शुरुआत का एक प्रमुख कारण वायु प्रदूषण है। आमतौर पर अस्थमा की शुरुआत का संबंध वायु प्रदूषण से है। इनमें वायरल संक्रमण, पराग, बारीक कण पदार्थ, धुआं, धूल, कालिख, रसायन, वाहनों से होने वाला उत्सर्जन शामिल है। इनसे होने वाली शुरुआत में एयरवेज में जलन, सूजन या तकलीफ हो सकती है, जिससे अस्थमा पीड़ित बच्चों के लिए सांस लेना मुश्किल हो जाता है।

प्रदूषित हवा में अक्सर पराग और फंगस जैसे एलर्जी कारक होते हैं, जो अस्थमा से पीड़ित बच्चों में एलर्जी से जुड़ी प्रतिक्रिया को तेज करते हैं। इसके अलावा, स्मॉग में जमीन के स्तर पर ओजोन, जो आमतौर पर प्रदूषित शहरी क्षेत्रों में पाया जाता है, सांस लेने में परेशानी पैदा करता है, जो अस्थमा के लक्षणों को बढ़ा सकता है। इन लक्षणों में निम्नलिखित शामिल हैं:

सांस लेने में तकलीफ, जिसमें सांस तेज चलती है और हवा पूरी नहीं जाती है

लगातार खांसी या ऐसी खांसी जिसका इलाज करना मुश्किल हो

खांसी जो अक्सर रात में बढ़ जाती है

घरघराहट, सांस छोड़ने के दौरान तेज सीटी जैसी आवाज

सीने में जकड़न, खास कर बड़े बच्चों में जो छाती पर दबाव जैसा महसूस करते हैंअस्थमा का दौरा पड़ सकता है, जिसके लिए तुरंत इलाज की जरूरत होती है देश में वायु प्रदूषण के बढ़ते स्तर के बीच, माता-पिता को इन कारणों और शुरुआत को लेकर सतर्क रहना चाहिए और विशेष सावधानियां बरतनी चाहिए। इससे यह सुनिश्चित होता है कि उनके बच्चे किसी प्रकोप के डर के बिना हर सीजन का आनंद ले सकें। इस जागरूकता के अलावा, इस अवधि में कई आवश्यक रणनीतियों की भूमिका होती है, जैसे:

शीघ्र जांच और निदान

अस्थमा का पता लगाने के लिए, माता-पिता को अपने बच्चे पर नजर रखना चाहिए और लक्षणों, गंभीरता, आवृत्ति और महत्वपूर्ण कारकों पर विचार करना चाहिए। जिन लोगों में अस्थमा विकसित होता है, उनका पारिवारिक इतिहास एक बहुत ही महत्वपूर्ण कारक है। वैसे तो अस्थमा आजीवन रहता है, लेकिन जल्दी पता चल जाए तो सही इलाज से इसे प्रभावी ढंग से मैनेज किया जा सकता है। अगर बच्चों में आपको सांस फूलना, बोलने में परेशानी, नीले होंठ जैसे लक्षण दिखे, तो तुरंत डॉक्टर से सपंर्क करें।

राजनीति में जात-बिरादरी

भाजपा दूरदृष्टि से काम ले रही थी। वह न केवल मध्यप्रदेश के यादव समुदाय को साधना चाहती थी, बल्कि उत्तरप्रदेश और बिहार के यादवों तक यह संदेश देना चाहती थी कि भाजपा का साथ दिया तो इन राज्यों में भी मोहन यादव जैसे साधारण यादव कार्यकर्ता मुख्यमंत्री बन सकते हैं। इन प्रदेशों के अखिलेश और तेजस्वी से जुड़े यादव समूहों में भाजपा ने मुख्यमंत्री बनने की महत्वाकांक्षा का बीज बोने का काम कर दिया है।

मध्यप्रदेश में भाजपा के चुनाव जीतने के बाद मंत्री-परिषद की जिस तरह से गोटियां बिठाई जा रही हैं, उससे साफ है कि भाजपा प्रदेश समेत राजस्थान, उत्तरप्रदेश और बिहार को जातीय महत्व का संदेश दे रही है। सबसे पहला संदेश राजस्थान की कद्दावर नेत्री वसुंधरा राजे सिंधिया को है कि जब 163 सीटों की जीत दिलाने वाले शिवराज सिंह चौहान को सत्ता से बाहर का रास्ता दिखा दिया, तो तुम किस खेत की मूली हो?मध्यप्रदेश में विधायक दल की बैठक में डॉ. मोहन यादव को बिना किसी विरोध के नेता चुन लिया गया। स्वयं शिवराज ने उनके नाम का प्रस्ताव किया और सांसदी छोड़कर मुख्यमंत्री बनने की कतार में बैठे सभी को समर्थन की विनम्र वाणी उच्चारित करनी पड़ी। यादव के मुख्यमंत्री बनने की घोषणा के साथ ही यह संदेश उत्तरप्रदेश के अखिलेश यादव और बिहार के तेजस्वी और तेजप्रताप यादव को चला गया कि यादवी विस्तार का यह शंखनाद भविष्य में इन दोनों प्रांतों में गूंजने वाला है।

मोहन यादव को मुख्यमंत्री पद से यूं ही विभूषित नहीं किया गया है। भाजपा के पास मौजूदा वक्त में राजस्थान, मध्यप्रदेश, उत्तरप्रदेश और बिहार में कोई प्रमुख यादव नेता नहीं है। इस नाम के सहारे इन राज्यों में जो बंसी बजेगी, उसकी धुन से कांग्रेस, सपा, राजद और जनता दल में जो यादव बेचैन हैं, वे भाजपा के प्रति लालायित होंगे। अखिलेश और तेजस्वी के यादवी वर्चस्व को 2024 में होने वाले लोकसभा चुनाव में यह संकट उठाना पड़ सकता है।

मोहन यादव को मुख्यमंत्री बनाना अचरज में जरूर डालता है, लेकिन करीब एक साल पहले जब शिवराज सत्ता विरोधी रुझान से जूझ रहे थे, तब भी मुख्यमंत्री बदलने की स्थिति में मोहन यादव का नाम उछला था, लेकिन केंद्रीय नेतृत्व ने बदला नहीं, क्योंकि इसके दूरगामी परिणाम झेलने पड़ सकते थे। भाजपा यदि प्रदेश में हारती तो कहा जाता कि यह हार मुख्यमंत्री बदले जाने के कारण हुई है। यह आरोप मोहन को तो झेलना ही पड़ता, केंद्रीय नेतृत्व भी इस दोष के दायरे में आता।बहरहाल मोदी और शाह की जोड़ी ने मध्यप्रदेश में स्थिति सुधारने के लिहाज से बार-बार यात्राएं करके कार्यकर्ताओं को तो सक्रिय किया ही, शिवराज को भी मुफ्त की रेवड़ियां बांटने की खुली छूट दे दी। नतीजतन शिवराज ने प्रदेश को कर्ज में डुबोने की परवाह किए बिना, कई स्त्रोतों से कर्ज लिया और उसे बांटकर सत्ता हासिल करने की राह आसान कर ली। इसमें सबसे कारगर योजना %लाडली बहना% रही जिनके भरोसे भाजपा की नैया पार लगी।

चूंकि छत्तीसगढ़ में आदिवासी विष्णुदेव साय को मुख्यमंत्री बना दिया था, इसलिए मध्यप्रदेश में फिर से ओबीसी कार्ड खेलना जरूरी था। शिवराज की जाति किरार-धाकड़ के बाद प्रदेश में दूसरा बड़ा समुदाय लोधी है। इस समुदाय की उमा भारती मुख्यमंत्री रह चुकी हैं। प्रहलाद पटेल भी इसी समुदाय से आते हैं। उन्हें केंद्रीय मंत्री और सांसदी से इस्तीफा दिलाकर विधानसभा चुनाव लड़ाया गया। वे जीत भी गए। अतएव शिवराज के बाद ओबीसी के रूप में दूसरी बड़ी दावेदारी उन्हीं की थी, किंतु इस चेहरे की फेंक लोकसभा चुनाव की दृष्टि से उपयुक्त साबित नहीं हो रही थी, लिहाजा नाम परिवर्तन जरूरी हो गया था।दरअसल केंद्रीय नेतृत्व उत्तरप्रदेश और बिहार में जातीय लाभ के साथ ऐसा चेहरा देना चाहता था, जो ओबीसी आरक्षण की काट तो लगे ही, कांग्रेस और विपक्षी दलों के जातीय जनगणना के मुद्दे को भी भोथरा साबित कर दे। हालांकि ज्योतिरादित्य सिंधिया ने भी खुद के लिए पिछड़ी जाति का कार्ड अपने कार्यकर्ताओं के माध्यम से खेलने की कोशिश की थी, लेकिन असफल रहे।

दरअसल भाजपा दूरदृष्टि से काम ले रही थी। वह न केवल मध्यप्रदेश के यादव समुदाय को साधना चाहती थी, बल्कि उत्तरप्रदेश और बिहार के यादवों तक यह संदेश देना चाहती थी कि भाजपा का साथ दिया तो इन राज्यों में भी मोहन यादव जैसे साधारण यादव कार्यकर्ता मुख्यमंत्री बन सकते हैं। इन प्रदेशों के अखिलेश और तेजस्वी से जुड़े यादव समूहों में भाजपा ने मुख्यमंत्री बनने की महत्वाकांक्षा का बीज बोने का काम कर दिया है। भाजपा का यह कार्ड सफल होता है तो नीतीश कुमार की कुर्सी को चुनौती पेश आ सकती है।

मोहन यादव को मुख्यमंत्री बनाकर नरेंद्र मोदी ने संघ को भी साधने का काम किया है। बीच-बीच में ऐसी अफवाहें उड़ती रहती हैं कि संघ और भाजपा में दूरियां बढ़ रही हैं। मोहन छात्र रहते हुए 1984 में %अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद% से जुड़े और 1993 में संघ के रास्ते भाजपा में आ गए। वर्तमान में भी प्रदेश में भाजपा के किसी प्रमुख नेता का मोहन यादव पर बरदहस्त नहीं है। संघ में वे सुरेश सोनी के निकट होने के साथ संघ की नीतियों को आगे बढ़ाने वाले कर्मठ नेता माने जाते हैं, इसीलिए मोदी और शाह की पसंद हैं।

मोहन यादव को महत्व देकर भाजपा ने उत्तरप्रदेश की पिछड़े वर्ग की 54 प्रतिशत आबादी को साधने की कोशिश की है। इसमें 20 प्रतिशत यादव समाज के मतदाता हैं। उत्तरप्रदेश में लोकसभा की 80 सीटें हैं और प्रधानमंत्री बनने का मार्ग यहीं से खुलता है। बिहार में लोकसभा की 40 सीटें हैं। यहां पिछड़े वर्ग की कुल आबादी 63 प्रतिशत है, जिसमें 14 प्रतिशत यादव बताए जाते हैं। जाहिर है, यादव मतदाताओं को साधने की यह कवायद आम चुनाव में भाजपा को लाभदायी साबित हो सकती है।

जिन जगदीश देवड़ा को उपमुख्यमंत्री बनाया गया है, वे भी संघ के करीबी होने के साथ-साथ अनुसूचित जाति से आते हैं। इस चेहरे के साथ भी जातीय समुदाय के वोट लुभाने की पहल भाजपा ने की है। दूसरा उपमुख्यमंत्री राजेंद्र शुक्ला को बनाया गया है, जो प्रदेश में बड़ा ब्राह्मण चेहरा हैं। शिवराज मंत्रिमंडल में मंत्री होने के साथ विंध्य क्षेत्र के हर चुनाव में प्रमुख चेहरा रहने वाले शुक्ला जीत की गारंटी भी रहे हैं। पूर्व केंद्रीय मंत्री नरेंद्र सिंह तोमर मुख्यमंत्री की दौड़ में तो पिछड़ गए, लेकिन विधानसभा अध्यक्ष की आसंदी पर बैठ गए। उन्हें नरेंद्र मोदी के करीबी और भरोसेमंद मंत्रियों में गिना जाता है इसलिए चुनाव लड़ने वाले अन्य सांसदों को उन्होंने पीछे छोड़ दिया। तोमर के जरिए भाजपा ने क्षेत्रीय कार्ड भी खेला है।

संपादकीय

समझौते की सार्थकता

विश्वव्यापी जलवायु संकट के बीच दुबई में आयोजित जलवायु परिवर्तन केंद्रित सीओपी-28 में भले ही कोई क्रांतिकारी फैसला ग्लोबल वार्मिंग तापमान को नियंत्रण के बाबत न लिया जा सका हो, लेकिन दुनिया के लगभग दो सौ देश जीवाश्म ईंधन, मसलन कोयले, तेल और गैस का इस्तेमाल धीरे-धीरे खत्म करने पर जरूर राजी हुए हैं। हालांकि, अभी भी तमाम विकासशील देशों में कई तरह की चिंताएं हैं कि समझौते के व्यापक प्रावधान क्या होंगे और उनकी आर्थिक विकास में आने वाली बाधाओं का मुकाबला कैसे होगा। लेकिन इसके बावजूद सम्मेलन में किसी मुद्दे पर सहमति बनना एक उम्मीद जरूर जगाती है। कुछ देश उम्मीद लगाए बैठे थे कि जीवाश्म ईंधन के उपयोग को खत्म करने के लिए किसी समयबद्ध कार्यक्रम की रूपरेखा तय होगी। वे इस बदलाव की राह में आगे बढ़ाने के वायदे से संतुष्ट नजर नहीं आए। विडंबना यह है कि संयुक्त अरब अमीरात में आयोजित इस जलवायु सम्मेलन में जीवाश्म ईंधन को खत्म करने का विरोध ओपेक देशों के सदस्य ही कर रहे थे। वैसे भी जीवाश्म ईंधन से अर्थव्यवस्था व अंतर्राष्ट्रीय राजनीति चलाने वाले देशों से ज्यादा उम्मीद भी नहीं की जा सकती। इसके विपरीत तेल उत्पादक देश कार्बन जमा करने की तकनीकों को बढ़ावा देने पर बल देते रहे। इस सम्मेलन की सबसे बड़ी उम्मीद थी कि दुनिया के संपन्न देश जीवाश्म ईंधन समाप्त करने के वैश्विक प्रयासों का नेतृत्व करें, लेकिन वैसा होता नजर नहीं आया। इसकी वजह यह थी कि ताकतवर राष्ट्रों ने दुनिया के प्राकृतिक संसाधनों का जमकर दोहन करके अपना औद्योगिकीकरण किया। निस्संदेह, उसकी ग्लोबल वार्मिंग में बड़ी भूमिका रही है। जब विकासशील देशों के विकास ने गति पकड़ी तो उन्हें पर्यावरण संकट पर जीवाश्म ईंधनों का उपयोग करने से रोका जाने लगा। ऐसे समय पर जब पश्चिमी देश पहले ही अपने जीवाश्म ईंधन का अधिकतम उपयोग कर चुके हैं, विकासशील देशों के साथ बाध्यकारी शर्तें अन्यायपूर्ण ही कही जाएंगी।दरअसल, इस समस्या का एक पहलू यह भी है कि क्षतिपूर्ति के तौर पर विकसित देश विकासशील देशों को पर्याप्त वित्तीय सहायता देने को राजी नहीं हुए हैं। तीसरी दुनिया के देश जीवाश्म ईंधन के विकल्प में जिस नवीकरणीय ऊर्जा का प्रयोग करेंगे, उसके संबल को दी जाने वाली रकम बेहद कम है। इसके लिये सत्तर करोड़ डॉलर का फंड नाकाफी है। निस्संदेह, जलवायु परिवर्तन के प्रभावों को कम करने की लड़ाई में दुनिया के गरीब मुल्कों को बड़ी पूंजी की जरूरत होगी। कहा जा सकता है कि दुबई में संपन्न पर्यावरण सम्मेलन उन लक्ष्यों तक नहीं पहुंचा है, जहां तक पहुंचने की उम्मीद लगाई गई थी। सम्मेलन की सफलता इस बात पर निर्भर करती कि विकासशील व गरीब मुल्कों को नवीकरणीय ऊर्जा के प्रतिस्थापन के लिये कितनी ठोस आर्थिक मदद का प्रावधान किया गया है। साथ ही उन देशों की मदद के लिये अंतर्राष्ट्रीय संस्थाओं ने कोई ठोस प्रयास नहीं किये जो ग्लोबल वार्मिंग के चरम का सामना करते हुए, भयावह आर्थिक संकट से जूझ रहे हैं। दुनिया के तमाम मुल्क बाढ़ व सूखे की त्रासदी झेल रहे हैं। जिनमें उत्तरी पूर्वी अफ्रीकी देशों की स्थिति ज्यादा ही खराब है। इनमें कई देश ऐसे हैं जो कई सालों से निरंतर सूखे की भयावह स्थितियों का सामना कर रहे हैं। दरअसल, हमारे दरवाजे पर दस्तक दे चुके ग्लोबल वार्मिंग संकट के मुकाबले के लिये विकसित देशों व दुनिया की वैज्ञानिक बिरादरी को ठोस प्रयास करने की जरूरत है, ताकि भूख व विस्थापन के संकट का मुकाबला किया जाए। दुनिया की खाद्य शृंखला को बचाने की भी सख्त जरूरत है। साथ ही उन सस्ती तकनीकों व उपकरणों की जरूरत गरीब मुल्कों को है जो 2030 तक नवीकरणीय ऊर्जा का उपयोग तीन गुना बढ़ाने में सहायक हों। साथ ही ग्लोबल वार्मिंग में बड़ी भूमिका निभाने वाली मीथेन गैस का उत्सर्जन कम करना भी हमारी प्राथमिकता होनी चाहिए। यह सुखद है कि तीन दर्जन से अधिक गैस-तेल उत्पादक कंपनियां मीथेन उत्सर्जन कम करने पर सहमत हुई हैं। साथ ही मानवता की रक्षा के लिये ग्लोबल वार्मिंग प्रभाव से बढ़ने वाली बीमारियों पर नियंत्रण व प्रभावित देशों की मदद की भी जरूरत है।

3 राज्यों में मुख्यमंत्री के चेहरों के माध्यम से भाजपा ने दिये हैं बड़े राजनीतिक संकेत

पांच राज्यों के विधानसभा चुनावों में तीन प्रमुख राज्यों में भाजपा को अप्रत्याशित विजय मिली। भाजपा ने ये चुनाव प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में लड़ा था और राज्य में किसी भी नेता को मुख्यमंत्री के रूप में प्रस्तुत नहीं किया गया था। विपक्ष के लिए ये भी हैरान करने वाली बात थी कि कई सांसदों को भी जिनमें कुछ तो मंत्री थे पार्टी ने विधानसभा का चुनाव लड़ने का आदेश दिया था। कई बड़े चेहरे जीते तो मुख्यमंत्री कौन होगा ? भाजपा की विजय के साथ ही मुख्य धारा और सोशल मीडिया के सूत्र अटकलें लगाने लगे। मुख्यमंत्री चयन की प्रक्रिया में देरी, राजस्थान में वसुंधरा के घर हलचल और मध्य प्रदेश में शिवराज जी की दिल्ली न जाने की घोषणा ने राजनैतिक विश्लेषकों और भविष्यवक्ताओं को काम पर लगा रखा था। मीडिया के सूत्र प्रतिदिन सुबह से शाम तक चार-पांच नाम चलाते और पीछे करते रहते थे। इन्हीं अटकलों के बीच जब भाजपा ने तीनों प्रान्तों के लिए पर्यवेक्षकों की घोषणा की तो मीडिया उसमें भी कथा कहानी ढूँढ़ने लगा किन्तु उनका भी कोई आधार नहीं था।तीनों राज्यों में बने नये मुख्यमंत्रियों के नाम कहीं भी किसी भी चर्चा में दूर दूर तक नहीं आए थे। उनके विषय में बताने के लिए टीवी चैनल गूगल का सहारा ले रहे थे। विपक्षी खेमे में हड़कंप मचा हुआ है कि बिना किसी गुटबाजी के भाजपा अपने नये चेहरे कैसे चुन रही है। सभी टीवी चैनलों पर कौन बनेगा मुख्यमंत्री पर तरह तरह के विश्लेषण चल रहे थे किंतु अब सभी विश्लेषक हैरान हो गये और यह भी चर्चा करने लग गये कि वो लोग टीवी पर जिस भी चेहरे को आगे कर देते हैं भाजपा में वह चेहरा पीछे छूट जाता है और फिर एकदम नया चेहरा सामने आ जाता है। अब देश के मीडिया जगत के बड़े नामों को यह बात समझ में आ जानी चाहिए कि वर्तमान समय की भारतीय राजनीति में यदि कोई सबसे बड़ा चुनावी सर्वे करने वाला और राजनीतिक भविष्यावाणी करने व्यक्ति है तो वह प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ही हैं। बेहद विपरीत परिस्थितियों के बाद भी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के कुशल नेतृत्व व उनके धुआंधार प्रचार की बदौलत ही भाजपा की तीनों राज

छतीसगढ़

भारतीय जनता पार्टी ने सबसे पहले छत्तीसगढ़ में एक बड़े आदिवासी नेता विष्णुदेव साय को मुख्यमंत्री बनाकर चौंकाया और फिर अरूण साव और विजय शर्मा को उपमुख्यमंत्री बनाने का प्रस्ताव रखा गया। वहीं पूर्व मुख्यमंत्री रमन सिंह को विधानसभा अध्यक्ष बनाने का प्रस्ताव करके सभी प्रकार की अटकलों पर विराम लगा दिया गया। आदिवासी समाज का प्रतिनिधित्व करने वाली आदरणीय द्रौपदी मुर्मू जी को राष्ट्रपति बनाने का लाभ भाजपा को छत्तीसगढ़ में मिला और वहां की आदिवासी बहुल क्षेत्रों की अधिकांश सीटों पर भाजपा को विजयश्री प्राप्त हुई। सबसे बड़ी बात यह है कि आदिवासी बहुल राज्य छत्तीसगढ़ में राज्य का गठन होने के बाद से एक आदिवासी मुख्यमंत्री की मांग की जा रही थी जिसे अब भाजपा ने विष्णुदेव साय को मुख्यमंत्री बनाकर पूरा कर दिया है।

छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय आदिवासी हैं और किसान परिवार से हैं। वह कुनकुरी विधानसभा सीट से जीते हैं वहीं वह 1999 से 2014 तक रायगढ़ लोकसभा सीट से सांसद भी रहे। वह पूर्व में प्रदेश भाजपा अध्यक्ष भी रहे हैं। चुनाव प्रचार के दौरान गृहमंत्री अमित शाह ने जनता से अपील की थी कि आप साय को जितायें तो हम उन्हें बड़ा आदमी बना देंगे। अब साय मुख्यमंत्री बन गये हैं। यदि समग्र दृष्टि डाली जाये तो यह पता चलता है कि बिना किसी चेहरे को आगे किये चुनाव लड़ रही भाजपा ने प्रचार के दौरान ही यह तय कर लिया था कि अगर सरकार बनती है वह राज्य की कमान किसे सौंपेगी। साय का नाम भी किसी टीवी चैनल की डिबेट में नहीं चल रहा था। यहां पर भाजपा ने बिना किसी विशेष तैयारी के चुनाव लड़ा फिर भी शानदार विजय प्राप्त की और चुनावों के बाद रमन सिंह के प्रभाव से मुक्ति भी पा ली है हालांकि भाजपा ने रमन सिंह को दरकिनार नहीं किया है और उन्हें विधानसभा अध्यक्ष जैसा पद देकर उनका सम्मान बनाए रखा है। दूसरी सबसे बड़ी बात यह है कि साय का परिवार संघ से जुड़ा रहा है। उनके पिता और दादा भी संघ के स्वयंसेवक रहे हैं तथा राम मंदिर आंदोलन के आरंभिक दिनों में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

मध्य प्रदेश

विधानसभा चुनावों में ऐतिहासिक विजय के बाद भारतीय जनता पार्टी ने भाजपा ने पूर्व मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान के स्थान पर राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के स्वयंसेवक रहे उज्जैन दक्षिण के विधायक डॉ. मोहन यादव को मुख्यमंत्री बनाकर सभी को हैरान कर दिया। मध्य प्रदेश में यह माना जा रहा था कि चुनाव प्रचार के दौरान पूर्व मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान को उनके परिश्रम का प्रतिफल दिया जा सकता है और संभवतः वे लोकसभा चुनावों तक मुख्यमंत्री बने रहेंगे किंतु ऐसा कुछ नहीं हुआ और मामा जी को एक नए चेहरे के लिए अपनी दावेदारी से पीछे हटना ही पड़ा। मध्य प्रदेश में विरोधी प्रचार करने में जुट गये थे कि भाजपा में गुटबाजी के कारण नेता चयन में देरी हो रही है किंतु जब मोहन यादव के नाम का ऐलान हुआ तो सभी लोग हैरान रह गये। उत्तर प्रदेश और बिहार में यादव समाज के बड़े नेता परेशान हैं कि अब आगामी लोकसभा चुनावों में भाजपा एक यादव मुख्यमंत्री के सहारे

अपनी राजनीति को आगे बढ़ाने जा रही है। मोहन यादव को मुख्यमंत्री बनाकर भाजपा ने एक तीर से कई निशाने साधे हैं जिसमें पहला यह है कि अब मध्य प्रदेश में बीजेपी को एक नया चेहरा मिल चुका है। विगत चुनावों के दौरान कांग्रेस मामा जी पर भ्रष्टाचार व घोटालों के आरोप लगा रही थी और चुनाव प्रचार के दौरान 40 प्रतिशत कमीशन खाने वाली सरकार कहकर बीजेपी को घेरने का प्रयास कर रही थी अतः अब ऐसे सभी आरोपों से फिलहाल राहत मिल गयी है।

दूसरा भाजपा ने मोहन यादव को मुख्यमंत्री बनाकर उत्तर प्रदेश व बिहार के यादव मतदाताओं को साधने का जोरदार प्रयास किया है। राजनैतिक विश्लेषकों का अनुमान है कि मोहन यादव को मुख्यमंत्री बनाये जाने के कारण यूपी में सपा के लिए चुनौती बढ़ने जा रही है। यह बात तो समाजवादी नेता भी मान रहे हैं कि यूपी, बिहार व हरियाणा के यादव मतदाताओं को लुभाने की रणनीति के तहत ही मोहन यादव को मध्य प्रदेश का मुख्यमंत्री बनाया गया है। उत्तर प्रदेश में 10-12 प्रशित और बिहार में इनकी संख्या 14.26 प्रतिशत और हरियाणा में 10 प्रतिशत के आसपास है। अभी तक यूपी में अखिलेश यादव और बिहार में लालू यादव ही अपने आपको यादवों का एकमात्र बड़ा नेता घोषित करते आ रहे थे किंतु अब भाजपा के पास भी एक यादव नेता मिल गया है और वह है मोहन यादव। मोहन यादव को मुख्यमंत्री बनाकर व उनके साथ दो उपमुख्यमंत्री बनाकर भाजपा ने राज्य के मतदाताओं के बीच गजब की सोशल इंजीनियरिंग की है। पिछली सरकार में जहां नरोत्तम मिश्रा जो ब्राह्मण चेहरा थे वहीं अब मोहन यादव की सरकार में राजेंद्र शुक्ला ब्राह्मण चेहरा बनकर उभरे हैं। वहीं जगदीश देवड़ा को उपमुख्यमंत्री बनाया गया जबकि पूर्व केंद्रीय कृषि मंत्री नरेंद्र सिंह तोमर मध्य प्रदेश के विधानसभा अध्यक्ष बनाये गये हैं।

मोहन यादव काफी पढ़े लिखे हैं और उत्तर प्रदेश के सुल्तानपुर जिले से उनका सम्बंध है। जब मोहन के नाम की घोषणा हुई तब उनके ससुराल सुल्तानपुर में भी जश्न मनाया गया। मोहन यादव प्रख्यात संत एवं रामघाट स्थित सीताराम आश्रम के संस्थापक स्वामी आत्मानंददास उर्फ नेपाली बाबा के शिष्य हैं। 2016 में उज्जैन महाकुंभ के दौरान नेपाली बाबा ने मोहन यादव को मुख्यमंत्री बनने का आशीर्वाद दिया था।

राजस्थान

लंबी बैठकों और तरह-तरह के कयासों के बाद आखिरकार राजस्थान को भी नया चेहरा मिल गया है और वहां भी महारानी वसुंधरा राजे का राज अब समाप्त हो चुका है तथा वहां पर एक ब्राह्मण चेहरे भजन लाल शर्मा को मुख्यमंत्री बनाकर भाजपा ने सभी राजनैतिक पंडितों को बुरी तरह से चौंका दिया है और अब वह सभी लोग टीवी चैनलों पर बैठकर केवल अपना सिर खुजला रहे हैं कि आखिर भजन लाल शर्मा का नाम कैसे दौड़ में आ गया और वह पहली बार विधायक बने तथा पहली बार ही राज्य के मुख्यमंत्री बन गये। भजन लाल शर्मा के बारे में कहा जा रहा है कि वह संघ के करीबी हैं और चार बार महामंत्री रहे तथा संगठन में काफी सक्रिय रहे हैं। भजन लाल एक ब्राह्मण चेहरा हैं और बहुत दिनों बाद राजस्थान को एक ब्राह्मण मुख्यमंत्री मिला है। राजस्थान में करीब 12 प्रतिशत ब्राह्मण आबादी है और संपूर्ण राज्य में फैली है वह एक शांत मतदाता माना जाता रहा है। राजस्थान की राजनीति में अभी तक केवल जाट, गुर्जर, दलित, मीणा आदि को लेकर ही चर्चाएं होती थीं किंतु अब बहुत दिनों बाद भाजपा ने ब्राह्मण को मुख्यमंत्री बनाकर सवर्ण समाज को संदेश दे दिया है क्योंकि उत्तर भारत की राजनीति में सवर्ण मतदाता भी एक अहम भूमिका अदा करते हैं। वहीं राजस्थान में दीया कुमारी और प्रेमचंद बैरवा को उपमुख्यमंत्री बनाया है वहीं वासुदेव देवनानी जो चार बार के विधायक रहे हैं, उन्हें विधानसभा अध्यक्ष बनाकर राज्य के सिंधी और मारवाड़ी समाज को भी साधने का सफल प्रयस किया है।

सर्दियां आ गई हैं। लेकिन इसका मतलब यह नहीं है कि तुम सिर्फ गर्म कपड़े लाद लो या फिर छुट्टियों के दौरान रजाई में दुबके रहो। इस मौसम में तुम कई ऐसे एडवेंचर स्पोर्ट्स का मजा ले सकते हो, जो सिर्फ इसी मौसम में संभव हैं।

सर्दियों में खेलो ये खेल

यह खास तरह का विंटर स्पोर्ट है, जिसमें स्की करने वाले लोगों को हेलीकॉप्टर से एक पहाड़ की चोटी पर पहुंचा दिया जाता है। इससे स्की करने वाले स्कीइंग के जरिये ऊपर जाने की मेहनत से बच जाते हैं। इसमें बहुत अनुभव और हिम्मत की जरूरत होती है, साथ ही फिजिकल फीचर्स और हवा की दिशा की जानकारी भी जरूर होनी चाहिए। भारत हेली स्कीइंग की सुविधा प्रदान करने वाला पहला देश है। इस स्पोर्ट का सबसे ज्यादा मजा कश्मीर की हिमालय रेंज में आता है। यहां कर सकते हो हेली स्कीइंग- हनुमान टिब्बा मनाली हिमाचल प्रदेश, औली उत्तराखंड, पिथौरागढ़ उत्तराखंड, रोहतांग पास मनाली हिमाचल प्रदेश, चंद्रखानी पास कुल्लू और मनाली हिमाचल प्रदेश, गुलमर्ग जम्मू एवं कश्मीर, देव टिब्बा मनाली,हिमाचल प्रदेश

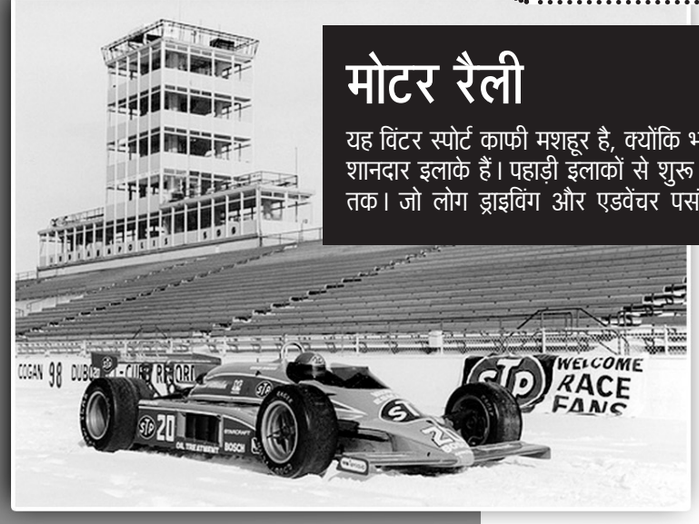

मोटर रैली

यह विंटर स्पोर्ट काफी मशहूर है, क्योंकि भारत में मोटर रैलीज के लिए शानदार इलाके हैं। पहाड़ी इलाकों से शुरू होकर समुद्र तटों (सी बीच) तक। जो लोग ड्राइविंग और एडवेंचर पसंद करते हैं, उनके लिए यह शानदार स्पोर्ट है। पहाड़ी इलाकों में ड्राइविंग करना काफी मुश्किल होता है, इसलिए ड्राइवर को काफी स्मार्ट होना पड़ता है। भारत में होने वाली कुछ मशहूर कार रैली हैं- हिमालयन कार रैली, विंटेज कार रैली, द मानसून रैली, द चारमीनार चैलेंज रैली, कनार्टक 1000 रैली और रैली डी' एंड्योरेंस आदि।

कैमल सफारी

यह जाड़े का एक लोकप्रिय स्पोर्ट है। सबसे बढ़िया कैमल सफारी का मजा लेना है तो राजस्थान के थार रेगिस्तान में पहुंच जाओ। जोधपुर, जैसलमेर और बीकानेर में कैमल सफारी का बढ़िया मजा ले सकते हो। इन जगहों के अलावा रामगढ़, नवलगढ़ और चुरू आदि शहरों में भी इसका मजा लिया जा सकता है। सफारी टूर आयोजित करने वाले सफारी के दौरान पुराने जमाने के कारवां सफर की तरह का माहौल पैदा करने की कोशिश करते है, जिसमें सफारी के साथ-साथ म्यूजिशियन भी चलते हैं। साथ ही वे बीच में कहीं-कहीं कैंप फायर का आयोजन भी करते हैं, ताकि टूरिस्ट कैमल सफारी को पूरा एंज्वॉय कर सकें।

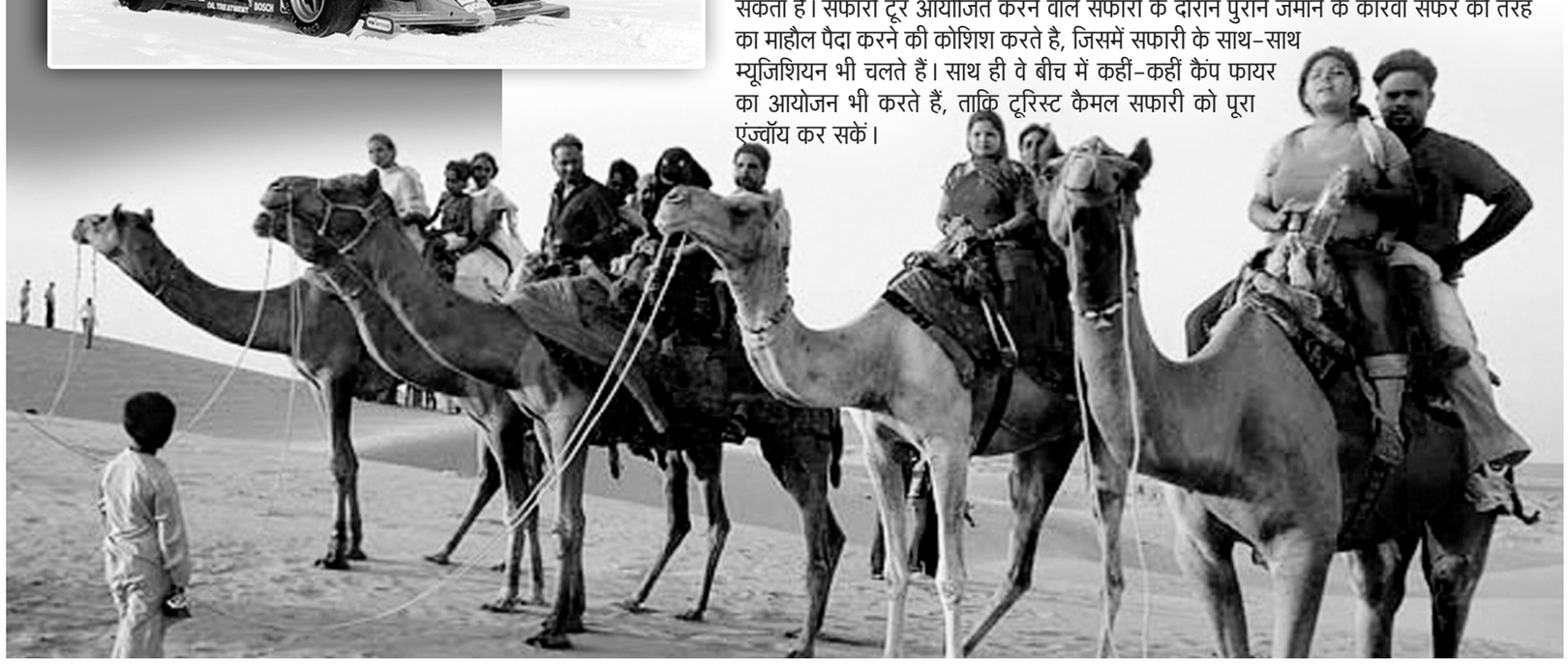

हैंग ग्लाइडिंग

भारत में यह भी एक अहम विंटर स्पोर्ट है। यह एक ऐसा गेम है, जहां खेलने वाले पर्वत श्रृंखलाओं (माउंटेन रेंजेस) की ऊंचाई से भी आगे, नदियों, जंगलों और यहां तक कि मैदानी इलाकों के शानदार दृश्यों का मजा ले सकते हैं। अगर आसमान साफ है तो हैंग ग्लाइडर नदियों के रूट को भी देख सकते हैं, जब तक कि वे धुंध में गायब नहीं हो जातीं। हैंग ग्लाइडिंग जम्मू एवं कश्मीर राज्य के श्रीनगर घाटी क्षेत्र में बहुत लोकप्रिय है। इसके अलावा तमिलनाडु में नीलगिरी पहाडियों, कर्नाटक के मैसूर और मेघालय के शिलांग में भी काफी लोकप्रिय है।

बैलूनिंग

भारत में इसे एक फैंसी विंटर स्पोर्ट के रूप में देखा जाता है। हर साल नवंबर में पूरी दुनिया में बैलून फेस्टिवल का आयोजन किया जाता है और इसमें भाग लेने वाले सभी लोग इसे काफी एंज्वॉय करते हैं। दिल्ली के सफदरजंग एयरपोर्ट स्थित बैलून क्लब ऑफ इंडिया इस हवाई स्पोर्ट का हेडक्वार्टर है।

यहां कर सकते हो बैलूनिंग

आगरा उत्तर प्रदेश, पुष्कर राजस्थान, बेनेश्वर राजस्थान, नागौर

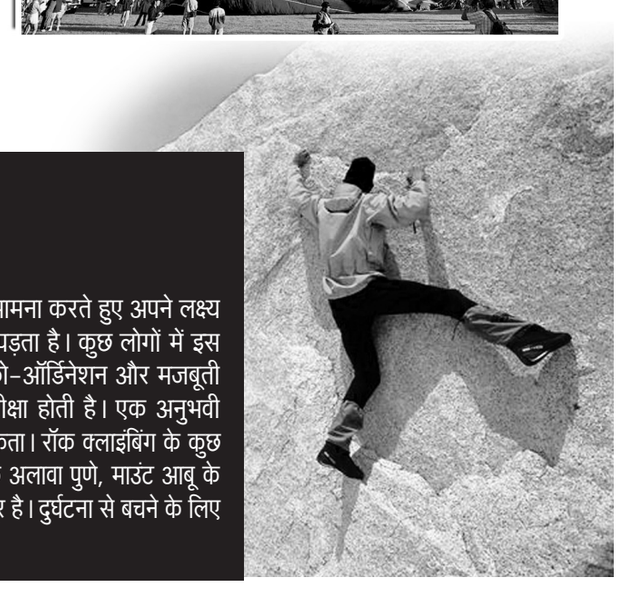

रॉक क्लाइंबिंग

इस गेम में साहस की जरूरत होती है। इसमें ढेरों मुश्किलों का सामना करते हुए अपने लक्ष्य तक पहुंचना होता है और फिर वहां से उसी तरह वापस लौटना पड़ता है। कुछ लोगों में इस खेल को लेकर काफी पैशन होता है। इस खेल में कंसन्ट्रेशन, को-ऑर्डिनेशन और मजबूती का इम्तिहान होता है, साथ ही टेक्निक और स्किल की भी परीक्षा होती है। एक अनुभवी क्लाइंबर जानता है कि पहाड़ों को कभी हल्के में नहीं लिया जा सकता। रॉक क्लाइंबिंग के कुछ प्रसिद्ध सेंटर उत्तराखंड के गढ़वाल क्षेत्र में हिमालय रेंज में हैं। इसके अलावा पुणे, माउंट आबू के पास वेस्टर्न घाट और राजस्थान में सरिस्का इसके लिए काफी मशहूर है। दुर्घटना से बचने के लिए अपने साथ एक प्रोफेशनल क्लाइंबर रखना बहुत जरूरी है।

दुनिया के अजब-गजब सांप

सामान्यत- सांप को एक बेहद विषैला और खतरनाक जंतु माना जाता है. कई लोग तो सांप का नाम सुनते ही भय से घिर जाते हैं. लेकिन सभी सांप जहरीले नहीं होते, बल्कि कई बहुत सीधे और शांत भी होते हैं. मगर इनका आकार, रंग-रूप हमें भयभीत कर देता है. पुरानी मान्यता है कि सांप दुनिया के सबसे पहले और सबसे पुराने सरीसृप (रेपटाइल्स) हैं. वैसे अगर जहरीले सांपों का जिक्र किया जाये, तो दुनिया में कुल चार तरह के जहरीले सांप होते हैं- पहला एलापिड्स, दूसरा वैपरिड्स, तीसरा कोलुब्रिड्स और चौथा हाइड्रोफाइडी.

एलापिड्स - इस परिवार के सांप दुनिया में उष्णकटिबंधीय इलाकों में पाये जाते हैं. इस परिवार में 231 जातियां होती हैं. कुछ एलापिड्स के सदस्यों का नाम है- कोबरा, किंग कोबरा, करैत. ये सभी बेहद जहरीले होते हैं. दक्षिण और पूर्वी अफ्रीका के पर्वतीय इलाकों में पाया जानेवाला ब्लैक माम्बा दुनिया का खतरनाक जहरीला सांप इसी परिवार का अंग है.

वैपरिड्स (वाइपर) - ये दुनिया भर में पाये जाते हैं सिवाय ऑस्ट्रेलिया और मेडागास्कर के. इनका मुंह अपेक्षाकृत थोड़ा बड़ा होता है, जिससे ये शिकार को आसानी से पकड़ लेते हैं. इस परिवार में चार जातियां होती हैं- आजेमिओपिनि, वाइपरनी, क्रोटेलिनी और काउसिनी.

कोलुब्रिड - इनकी खासियत है कि इनका पूरा शरीर स्केल्स से ढंका होता है. सामान्यत- इनमें जहर नहीं पाया जाता, लेकिन कुछ सांप इनमें ऐसे भी हैं, जिनके नुकीले दांत उनके मुंह के पीछे की तरफ होते हैं और वे नुकसानदायक होते हैं. ऐसे केवल अफ्रीकन ही होते हैं. इस परिवार के सदस्यों में कुछ सांप रानी सांप, राजा सांप, ताज सांप, बैल सांप, चूहा सांप, मोजाबंध सांप, चिकना सांप, पानी सांप, दुधहिया सांप, पेड़ पर रहनेवाले सांप हैं. रानी सांप जहरीला नहीं होता. गहरे भूरे रंग का यह सांप 60 सेंटीमीटर से ज्यादा लंबा नहीं होता है.

हाइड्रोफाइडी - इन्हें समुद्री सांप भी कहते हैं. समुद्री सांप में कई तरह की प्रजातियां होती हैं. वे जमीन की तुलना में पानी में ज्यादा रहते हैं. समुद्री सांप कोबरा समूह से होता है. ये दो मीटर तक लंबे होते हैं. इनके परिवार में 50 से ज्यादा प्रजातियां होती हैं. इनमें से अधिकतर जहरीली होती हैं. इनके ऊपरे जबड़े में अपेक्षाकृत छोटे, नुकीले और थोड़े खोखले दांत होते हैं. इनमें लगभग 1.5 मिलीग्राम तक जहर होता है. समुद्री सांप थलीय सांप की अपेक्षा ज्यादा जहरीले होते हैं.

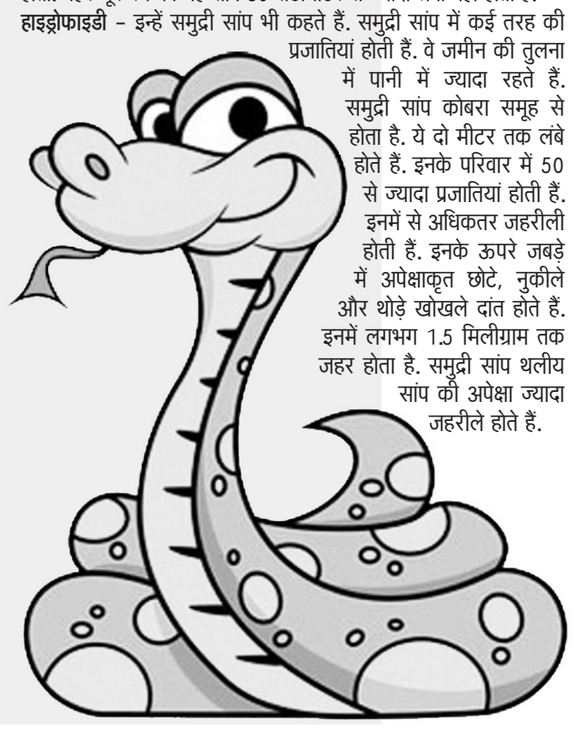

गिरगिट का रंग बदलना

गिरगिट समय-समय पर अपना रंग बदलने के लिए जाना जाता है. पर आपने कभी सोचा है कि गिरगिट अपना रंग कैसे बदल लेता है? क्या गिरगिट के भीतर रंगों का भंडार होता है, जो जरूरत के अनुसार उनका इस्तेमाल कर लेता है? दरअसल, इस प्राणी की त्वचा में एक विशेष गुण होता है.

हम अकसर किसी से कहते हैं कि तुम भी गिरगिट की तरह रंग बदल रहे हो! जाहिर है ऐसा हम गिरगिट के स्वभाव को ध्यान में रख कर कहते हैं, जो समय-समय पर अपना रंग बदलने के लिए जाना जाता है. पर आपने कभी सोचा है कि गिरगिट अपना रंग कैसे बदल लेता है? क्या गिरगिट के भीतर रंगों का भंडार होता है, जो जरूरत के अनुसार उनका इस्तेमाल कर लेता है? दरअसल, इस प्राणी की त्वचा में एक विशेष गुण होता है.

वह गुण होता है उसकी विशेष प्रकार की कोशिकाएं यानी सेल क्रोमाटाफोरस में. ये सेल क्रोमाटाफोरस दिमाग द्वारा नियंत्रित होती हैं. किसी भी खतरे को भांप कर गिरगिट का दिमाग इन कोशिकाओं को संदेश भेजता है. कोशिकाएं इसी के अनुरूप फैलने या सिकुड़ने लगती हैं, तो ये सेल क्रोमाटाफोरस अपना आकार बदल कर छोटी या बड़ी हो जाती हैं और पिगमेंट के कारण गिरगिट का रंग बदल जाता है. वह फौरन चारों तरफ के रंगों में घुल-मिल कर अपने शत्रुओं से अपनी रक्षा कर लेती है. शिकार को पकड़ने के लिए भी पत्तों या स्थानीय रंग को धारण कर लेती है. तापमान कम या ज्यादा होने पर भी इसका असर उसकी त्वचा पर दिखाई देने लगता है.

इसके शरीर से विशेष प्रकार के हार्मोन के निकलने से कोशिकाएं उत्तेजित होने लगती हैं. गिरगिट की त्वचा में ऊपर से नीचे पीली, भूरी, काली और सफेद रंग के पिगमेंट से भरी कोशिकाएं होती हैं. इंटरमेडिन, एसीटिलकोलिन व एड्रीनेलिन नाम से हार्मोन ही उन कोशिकाओं को उत्तेजित करने के लिए जिम्मेदार होते हैं. दिलचस्प बात है कि गिरगिट अकेलापन पसंद करते हैं. जब उसका शत्रु से सामना होता है, तो अपने पीले धारियों के साथ लाल रंग में बदल जाते हैं और जब वह बीमार होते हैं, तो उनका रंग पीला हो जाता है, क्योंकि अब उसमें रंग बदलने के लिए ऊर्जा बहुत कम बचती हैं.

प्रजातियां

मुख्य रूप से दो जातियां वर्णित हैं- ब्लूकेसिया (19 प्रजातियां) और कैमेलियो (70 प्रजातियां). इनमें से लगभग आधी प्रजातियां सिर्फ मेडागास्कर में पायी जाती है, अन्य अफ्रीका में सहारा के दक्षिण में. पश्चिमी एशिया में दो प्रजातियां पझायी जाती हैं, एक दक्षिण भारत और श्रीलंका में और दूसरी (यूरोपीय गिरिगट, कैमेलियो, कैमलियॉन) उत्तरी अफ्रीका से लेकर दक्षिणी स्पेन तक. अधिकांश गिरिगट 17-25 सेमी लंबे होते हैं, अधिकतम लंबाई 60 सेमी तक हो सकती है. कुछ में घुमावदार पूंछ भी पायी जाती है. इसकी बाहर ओर निकली हुई आंखें एक-दूसरे से भिन्न दिशा में घूम सकती हैं. दक्षिण अफ्रीका की कुछ प्रजातियां अंडों के बजाय बच्चों को ही जन्म देती हैं.

जानकारी

हाथ धोने के लिए पानी ठंडा हो या गर्म

जानें बैक्टीरिया मारने में कौन सबसे ज्यादा असरदार

हाथ धोने का महत्व आज ज्यादातर लोग समझ चुके हैं। जो लोग अब भी गंदे हाथों से खाना-पीना करते हैं, उनके लिए 1 से 7 दिसंबर तक हैंडवॉशिंग अवेयरनेस वीक यानी हाथ धो कर साफ रखने के लिए जागरूकता सप्ताह मनाया जा रहा है। ठंड के मौसम में इस तरह की सफाई का ख्याल रखना और जरूरी हो जाता है, क्योंकि ठंडे पानी से हर कोई दूर रहना चाहता है। कई लोग यह दलील देते हैं कि गर्म पानी से हाथ धोना फायदेमंद होता है और इससे बैक्टीरिया ज्यादा मरते हैं। लेकिन क्या यह बात सच है? ताजा वैज्ञानिक अध्ययन में इस बात का जवाब दिया गया है कि क्या गर्म पानी और ठंडे पानी से हाथ धोने में कोई फर्क है?

जर्नल ऑफ फूड प्रोटेक्शन में प्रकाशित ताजा रिसर्च के अनुसार, हाथ गर्म पानी से धोए जाएं या ठंडे से, कोई फर्क नहीं पड़ता है। खतरनाक बैक्टीरिया का सफाया करने में दोनों समान रूप से कारगर हैं। इतना जरूर है कि गर्म पानी में साबुन अच्छी तरह पिघल जाता है। इससे भी कई लोगों को लगता है कि गर्म पानी ज्यादा आसानी से बैक्टीरिया मारता है, लेकिन अब यह बात गलत साबित हुई है।

नए अध्ययन में विभिन्न पहलुओं से गर्म और ठंडे पानी के असर की जांच की गई, जैसे साबुन की मात्रा, पानी का तापमान, हाथ धोने में लगाया गया समय और साबुन कितना असरदार है।

10 सेकंड तक धोएं हाथ, पानी गर्म हो या ठंडा

अध्ययन में पाया गया कि पानी के तापमान का बैक्टीरिया को कम करने पर महत्वपूर्ण प्रभाव नहीं पड़ा। चाहे यह 38 डिग्री सेल्सियस या 16 डिग्री सेल्सियस था, शोधकर्ताओं ने बैक्टीरिया में कमी में कोई अंतर नहीं पाया। इसके अलावा, अध्ययन से पता चला कि कीटाणुओं को दूर करने के लिए 10 सेकंड तक हाथ धोना काफी प्रभावी होता है।

ठंड में बरतें यह सावधानी

ठंड में कई लोगों को सुखी त्वचा की समस्या से जूझना पड़ता है, खासतौर पर ऐसा हाथों में अधिक होता है। अक्सर साबुन में पाए जाने वाले रसायन हाथों की त्वचा को ड्राय बना देते हैं। ऐसे लोगों को साबुन से हाथ धोने से बचना चाहिए। जो लोग पानी के संपर्क में बहुत समय बिताते हैं, उन्हें रबर के दास्ताने पहनकर काम करना चाहिए। लंबे समय तक पानी के संपर्क में रहने से हाथ ड्राय हो सकते हैं क्योंकि यह त्वचा में मौजूद प्राकृतिक ऑयल को धो देता है।

पानी का काम नहीं कर सकता हैंड सैनिटाइजर

डॉ. दीप्शा अग्रवाल के अनुसार, हैंड सैनिटाइजर का उपयोग हाथ साफ करने के लिए किया जाता है, लेकिन साबुन से हाथ धोने से अच्छा कुछ भी नहीं है। इससे ही हमारे हाथों पर जमे कीटाणु 100 फीसदी तक खत्म हो सकते हैं। इसलिए हैंड सैनिटाइजर का उपयोग वहीं करना चाहिए, वहां पानी से हाथ धोने की सुविधा नहीं है। हैंड सैनिटाइजर खरीदते समय ध्यान रखें कि कहीं उसमें ट्राइक्लोसेन या थाइलेड्स कैमिकल तो नहीं हैं। ये दोनों कैमिकल हानिकारक होते हैं। खासतौर पर थाइलेड्स त्वचा के जरिए ब्लड में जा सकता है और बहुत नुकसान पहुंचा सकता है।

सर्दियों में ड्राई स्किन से हैं परेशान

आजमाएं ये घरेलू नुस्खे झट से मिलेगा आराम

ड्राई स्किन या सूखी त्वचा असल में बड़ी समस्या नहीं है, लेकिन ध्यान न दिए जाने पर यह एक्जिमा (लाल चकत्ते) या घावों से खून के रिसाव की वजह बनती हैं। एक अन्य संभावित परेशानी सेकंडरी बैक्टीरियल इन्फेक्शन (लाल त्वचा, सूजन, पस) होता है जिसमें एंटीबायोटिक्स लेने की जरूरत पड़ जाती है। बहुत कम मामलों में ही सही, सूखी त्वचा का एलर्जी से भी संबंध पाया जाता है।

त्वचा में नमी रखें

त्वचा को सूखने से बचाने का सबसे आसान उपाय उसे नम रखना है। स्किन मॉइस्चराइजर इस काम में आपकी बहुत ज्यादा मदद कर सकते हैं। खास बात यह है कि मॉइस्चराइजर जितना ज्यादा गाढ़ा और चिकना होगा, उतना ही ज्यादा प्रभावी होगा। इसमें तीन तरह की मुख्य वस्तुएं होती हैं-

1- ह्यूमेक्टेंट्स जो नमी को आकर्षित करते हैं और इसमें सेरेमाइड्स, ग्लिसरीन, सॉर्बिटॉल, हायएल्यूरोनिक एसिड और लेसिथिन होते हैं।

2- दूसरा समूह होता है पेट्रोलेटम (पेट्रोलियम जेली), सिलिकॉन, लेनोलिन और मिनरल ऑइल का। यह नमी को त्वचा में ही कायम रखने में मदद करते हैं।

3- लिनोलेइक, लिनोलेनिक और लॉरिक एसिड्स जैसे एमोलिएंट्स। यह त्वचा के सेल्स के बीच की जगहों को भरकर उसे मुलायम बनाए रखते हैं।

कुल मिलाकर सबसे प्रभावी (और सबसे किफायती) की श्रेणी में पेट्रोलियम जैली और मॉइस्चराइजिंग ऑइल (जैसे मिनरल ऑइल) को रखा जा सकता है। दरअसल, इनमें पानी का अंश नहीं होता और नहाने के बाद त्वचा को नम रखने में यह सहायक होते हैं। कम चिकने मॉइस्चराइजर ज्यादा आकर्षक मगर कम प्रभावी होते हैं।

सूखी त्वचा से कैसे बचें?

- गर्म पानी से नहाने या शॉवर करने की अवधि को 5 से 10 मिनट तक ही सीमित कर दें। जितना ज्यादा नहाएंगे त्वचा की तैलीय परत कम होती जाएगी।
- नहाने के लिए बहुत गर्म पानी की बजाय कुनकुना (गुनगुना) पानी इस्तेमाल करें।
- साबुन का इस्तेमाल कम से कम करें।
- सेटाफिल, ऑइलटम-एडी, एक्वेनिल जैसे सोप-फ्री क्लीन्सर्स का इस्तेमाल करें।
- खुशबूदार साबुन, अल्कोहल से दूरी बनाएं।
- बाथ स्पंज, स्क्रब ब्रश और कपड़े धोने को टालें।
- नहाने के बाद शरीर को सूखाने के दौरान टॉवेल को जोर से न रगड़ें।
- नहाने या हाथ धोने के तत्काल बाद मॉइस्चराइजर लगाएं।
- पेट्रोलियम जैली और गाढ़े क्रीम्स का चिपचिपापन टालने के लिए पहले उसे कुछ देर हाथ में मलें फिर शरीर के प्रभावित हिस्से पर लगाएं।
- त्वचा पर कभी न खुजाएं। मॉइस्चराइजर लगाने पर वैसे इसकी जरूरत ही नहीं पड़ेगी।
- खुजली वाले हिस्से पर कोल्ड पैक से भी राहत मिल सकती है।
- खुजली पैदा करने वाले वूलन स्वेटर, जैकेट सीधे शरीर पर न पहनें। पहले कॉटन का कपड़ा पहनें, उसके ऊपर ऊनी कपड़े पहनें।

कब मिलें डॉक्टर से

मौसम में बदलाव या उम्र बढ़ना आपकी त्वचा के सूखने की वजह न हो तो डॉक्टर से मिलना ही बेहतर विकल्प होगा। हो सकता है त्वचा का कोई और रोग हो। घरेलू उपचार या बाजार से लाए गए मॉइश्चराइजर त्वचा के सूखने की समस्या को और अधिक ना बढ़ा दें।

सेहत

आपकी त्वचा को कैसे प्रभावित करती है डायबिटीज

इसके लक्षण और बचाव

वर्तमान समय में डायबिटीज एक गंभीर समस्या बनती जा रही है, आज इससे पूरी दुनिया प्रभावित है। डायबिटीज को शुरुआती निदान और उपचार के माध्यम से समय पर बीमारियों को नियंत्रित करने में मदद मिल सकती है। चूंकि अनियंत्रित रक्त शर्करा का स्तर कई गंभीर जटिलताओं से जुड़ा होता है, इसलिए समय पर बीमारी को नियंत्रित करने के लिए आवश्यक सावधानी बरतने की जरूरत होती है। डायबिटीज के शुरुआती चरण में आपको बार-बार पेशाब आना, भूख बढ़ जाना, धुंधली दृष्टि, थकान, प्यास बढ़ जाना, हाथ-पैरों में झुनझुनी, यीस्ट संक्रमण और घावों का धीमी गति में सही होना जैसे लक्षण दिखाई दे सकते हैं। डायबिटीज के लक्षण त्वचा पर भी दिखाई देते हैं। अनियंत्रित रक्त शर्करा का स्तर भी रोगी की त्वचा को प्रभावित करता है। यहां हम आपको त्वचा पर दिखने वाले डायबिटीज के कुछ सामान्य लक्षणों के बारे में बता रहे हैं।

त्वचा पर दिखने वाले डायबिटीज के लक्षण क्या हैं

शुरुआती चरण के दौरान एक डायबिटीज रोगी की त्वचा पर पैच दिखाई दे सकते हैं। डार्क स्किन के ये पैच गर्दन या बगल (कांख) पर दिखाई दे सकते हैं। यह पैच सॉफ्ट हो सकता है। कुछ मामलों में व्यक्ति को रूखी त्वचा का अनुभव हो सकता है।

डायबिटीज और त्वचा संबंधी समस्याओं के बीच क्या संबंध है?

अनियंत्रित ब्लड शुगर लेवल मुख्य रूप से त्वचा संबंधी समस्याओं को जन्म देता है। विशेषज्ञों की मानें तो मधुमेह और त्वचा के संबंधी समस्याओं के बीच एक गहरा संबंध है, जिसे नकारा नहीं जा सकता है। त्वचा संबंधी ऐसी कई समस्याएं हैं जो मधुमेह के कारण हो सकती हैं। हालांकि, इन त्वचा संबंधी समस्याओं को डायबिटीज को नियंत्रित कर रोका जा सकता है। डायबेटिक डर्मोपैथी एक शब्द है जिसका उपयोग विशेष रूप से पैरों के सामने की त्वचा पर छोटे, भूरे धब्बों का वर्णन करने के लिए किया जाता है। रोगी आमतौर पर इन त्वचा के धब्बों के कारण कोई लक्षण विकसित नहीं करते हैं और ये डायबिटीज के ज्यादातर रोगियों में होते हैं। यह लंबे समय से डायबिटीज वाले पुराने रोगियों में अधिक आम है। त्वचा में ये बदलाव डायबिटीज के कारण त्वचा में रक्त परिसंचरण में कमी के कारण होते हैं।

उपचार के क्या विकल्प हैं

हालांकि, अपने आप में इस स्थिति को किसी विशिष्ट उपचार की आवश्यकता नहीं है, यह अच्छी तरह से डायबिटीज की अधिक गंभीर जटिलताओं की उपस्थिति का संकेत दे सकता है जैसे रेटिनोपैथी (आंख को नुकसान), नेफ्रोपैथी (गुर्दे की क्षति) और न्यूरोपैथी (तंत्रिका क्षति)। कॉस्मेटिक छलावरण शायद आवश्यकता होने पर त्वचा के धब्बों की उपस्थिति को छिपाने के लिए उपयोग किया जाता है। डायबिटीज रोगियों में इस तरह के धब्बों का पता चलने पर तुरंत अपने ब्लड शुगर की जांच कराने की आवश्यकता है। डायबिटीज डर्मोपैथी के रोगियों में डायबिटीज का नियंत्रण अन्य जटिलताओं के जोखिम को कम कर सकता है।

अन्य त्वचा संबंधी समस्याएं

- डायबिटीज के मरीजों में बुलोसिस डायबिटिकोरम भी एक समस्या है, जहां त्वचा में फफोले विकसित होते हैं।
- टाइप 1 डायबिटीज वाले कई मरीज त्वचा की कठोरता का विकास करते हैं जिसे डायबिटिक चीयरोएथ्रोपैथी के नाम से जाना जाता है।
- नेक्रोबायोसिस लिपोइडिका एक ऐसी स्थिति है जिसमें पैरों के सामने की त्वचा में पीले, मोमी धब्बे दिखाई देते हैं।
- डायबिटीज रोगी, खासकर मोटापे के कारण, त्वचा की सिलवटों का कालापन और गाढ़ा हो जाना, इंसुलिन प्रतिरोध के कारण हो सकता है। इस स्थिति को एसेंथोसिस निग्रिकंस कहा जाता है। इनके अलावा, डायबिटीज के रोगियों को विशेष रूप से प्राइवेट पार्ट के आसपास फंगल इंफेक्शन विकसित होने का खतरा होता है।

टाईम पास

आज का राशिफल

मेष चू चे चो ला ली लू ले लो आ

कामकाज में आ रहा अवरोध दूर होकर प्रगति का रास्ता मिल जाएगा। मान-सम्मान में वृद्धि होगी। अच्छे कार्य के लिए रास्ते बना लेंगे। नवीन उद्योगों के अवसर बढ़ेंगे व अभिलाषाएं पूर्ण होंगी। कुछ भ्रामक धारणाओं का खंडन होगा। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। शुभांक-5-6-9

वृष इ उ ए ओ वा वी वू वे वो

अपनी गतिविधियों पर पुनर्विचार करें। वैचारिक द्वन्द्व और असंतोष बना रहेगा। किसी सूचना से पूर्ण निर्णय सम्भव। सुख आरोग्य प्रभावित होगा। प्रतिष्ठा बढ़ाने वाले कुछ सामाजिक कार्य संपन्न होंगे। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। स्वास्थ्य का पाया भी कमजोर बना रहेगा। शुभांक-2-6-8

मिथुन का की कू घ ङ छ के को हा

यात्रा का दूरगामी परिणाम मिल जाएगा। कामकाज में आ रही बाधा को दूर कर लेंगे। सुविधा और समन्वय बना रहने से कामकाज में प्रगति बन जाएगी। आर्थिक हित के काम को साधने में मदद मिल जाएगी। यात्रा शुभ रहेगी। अपने काम पर पैनी नजर रखिए। विरोधी नुकसान की कोशिश करेगा। शुभांक-4-7-9

कर्क ही हू हे हो डा डी डू डे डो

लेन-देन में अस्पष्टता ठीक नहीं। मध्याह्न पूर्व समय आपके पक्ष का रहेगा। कारोबारी काम में प्रगति बनती रहेगी। लेन-देन में आ रही बाधा दूर करने का प्रयास होंगे। परिश्रम से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। पर प्रपंच में ना पड़कर काम पर ध्यान दीजिए। इच्छित कार्य सफल होंगें। शुभांक-1-3-5

सिंह मा मी मू मे मो टा टी टू टे

दुर्लभ स्वप्न साकार होंगे। आलस्य का त्याग करें। पुरुषार्थ का सहारा लें। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। अपने काम में सुविधा मिल जाने से प्रगति होगी। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। कोई प्रिय वस्तु अथवा नवीन वस्त्राभूषण प्राप्त होंगे। भावनाओं का उद्वेग बढ़ेगा। शुभांक-2-6-8

कन्या टो पा पी पू ष ण ठ पे पो

विवाद समाप्त होंगे। शुभ संदेशों से मन खिला-खिला रहेगा। परेशानीयां स्वत: ही दूर होती प्रतीत होगी। अध्ययन में रुचि पैदा होगी। अभिभावकों के प्रति उत्तरदायित्व निभाने होंगे। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। स्वविवेक से कार्य करे। जीवनसाथी का परामर्श लाभदायक रहेगा। शुभांक-3-7-8

तुला रा री रु रे रो ता ती तू ते

शैक्षणिक कार्य आसानी से पूरे होते रहेंगे। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। परिश्रम प्रयास से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। बुरी संगति से बचें। नौकरी में सावधानीपूर्वक कार्य करें। अपनों का सहयोग प्राप्त होगा। शुभांक-3-5-7

वृश्चिक तो ना नी नू ने नो य यी यू

आवेश में आना आपके हित में नही होगा इसलिए व्यवहार व वाणी पर नियत्रंण रखें। पठन-पाठन में स्थिति कमजोर रहेगी। अपने अधीनस्त लोगों से कम सहयोग मिलेगा। बाहरी सहयोग की अपेक्षा रहेगी। सलाह उपयोगी सिद्ध होगी। विपरीत परीस्थितियों में भी हानि नहीं होगी। शुभांक-5-6-8

धनु ये यो भा भी भू धा फा ढा भे

व्यापार व नौकरी में स्थिति अच्छी रहेगी। आलस्य का त्याग करें। कार्यसिद्धि होने में देर नहीं लगेगी। आर्थिक लाभ उत्तम रहेगा। शैक्षणिक कार्यों में रुचि बढ़ेगी। परिवार में किसी मांगलिक कार्य पर वार्ता होगी। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। लेन-देन में अस्पष्टता ठीक नहीं। स्त्री-संतान पक्ष का सहयोग मिलेगा। शुभांक-2-6-8

मकर भे जा जी खी खू खे खो गा गी

समय पक्ष का बना रहेगा। कारोबारी काम में प्रगति बनती रहेगी। लेन-देन में आ रही बाधा दूर करने का प्रयास होंगे। धार्मिक कार्य में समय और धन व्यय होगा। अपना काम दूसरों के सहयोग से पूरा होगा। ले देकर की जा रही काम की कोशिश ठीक नहीं। पुराने मित्र से मिलन होगा। स्वविवेक से कार्य करें। शुभांक-4-6-7

कुंभ गू गे गो सा सी सू से सो दा

मेहमानों का आगमन होगा। राजकीय कार्यों से लाभ। पैतृक सम्पत्ति से लाभ। पुरानी गलती का पश्चाताप होगा। विद्यार्थियों को लाभ। दाम्पत्य जीवन सुखद रहेगा। परिवारजन का सहयोग व समन्वय काम को बनाना आसान करेगा। कारोबारी काम में नवीन तालमेल और समन्वय बन जाएगा। शुभांक-3-5-8

मीन दी दू थ झ ञ दे दो चा ची

जीवनसाथी अथवा दोस्तों के साथ साझे में किए जा रहे काम में लाभ मिल जाएगा। एकाकी वृत्ति त्यागें। हित के काम में आ रही बाधा मध्याह्न पश्चात् दूर हो जाएगी। अपने काम आसानी से बनते चले जाएंगे। साथ ही आगे के लिए रास्ता भी बन जाएगा। इच्छित कार्य सफल होंगे। शुभांक-2-5-7

काकुरो पहेली - 2681

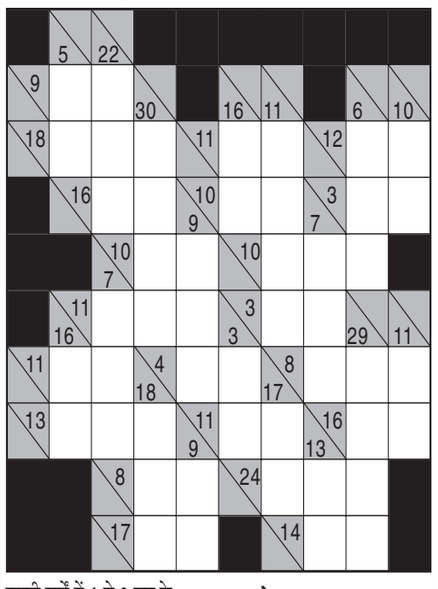

खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए.किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता.

उदाहरणतः

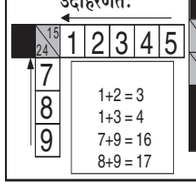

काकुरो -2680 का हल

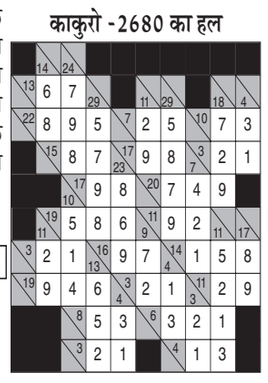

हंसी के फुव्वारें

एक सज्जन ने अपने मित्र को बतलाया, 'यह सोने का कप मैंने दौड़ में फर्स्ट आने के कारण प्राप्त किया है.'

'बहुत खूब, तुम्हारे पीछे कितने लोग थे?' मित्र ने पूछा.

'तीन.....एक कप का मालिक और दो सिपाही.' उन सज्जन ने उत्तर दिया.

□ □ □

एक पोस्टमैन रिटायर हुआ तो उसकी विदाई के मौके पर सबने उससे खास अनुभव के बारे में पूछा. उसने झिझकते हुए कहा-कृपा करके मेरी पेंशन डाक से न भेजे.

□ □ □

दो लड़के जूस पी रहे थे. एक लड़के की उदास शक्ल देखकर दूसरे ने इसका कारण पूछा तो पहले लड़के ने जवाब दिया, 'मैं इसलिए उदास हूं कि मेरा आधा गिलास खाली हो चुका है, मगर तुम क्यों खुश हो?'

दूसरा चहककर बोला- 'इसलिए कि मेरा आधा गिलास अभी तक भरा हुआ है.'

□ □ □

मियाँ ने बीवी को एक पत्रिका में प्रकाशित चित्र सहित दिखाते हुए कहा, 'यह पूरा परिवार कांच खानेवाला है.'

'तुमसे तो ठीक है.' बीवी बोली, 'तुम तो दिन भर दिमाग चाटते रहते हो.'

□ □ □

फिल्म वर्ग पहेली- 2681

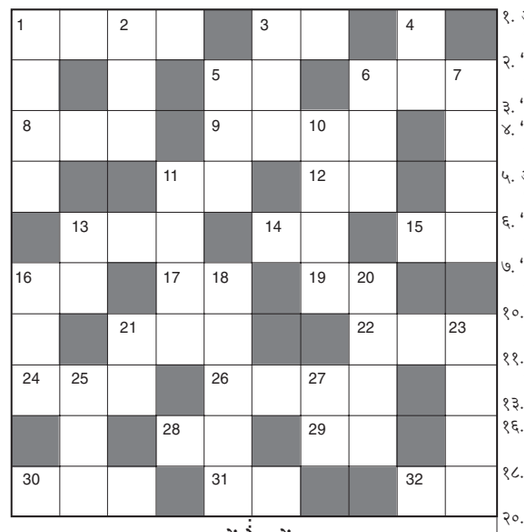

बायें से दायें:-

१. 'किसी नजर को तेरा' गीत वाली राज बब्बर, सुरेश, डिम्पल की फिल्म-४
३. बॉबी, लारा, गुल पनाग की 'मैं यहां तू कहां' गीत वाली फिल्म-२
५. जैकी श्राफ, अनिलकपूर, श्रीदेवी की 'ना जइयो परदेस' गीत वाली फिल्म-२
६. सनी, मीनाक्षी, ममता की फिल्म-३
८. जतिन ग्रेवाल, यश पाठक, नेहा की 'छेड़ ना मुझ को' गीत वाली फिल्म-३
९. फिल्म 'आखिरी डाकू' में नायिका-२,२
११. 'बेदर्दी तेरे प्यार ने' गीत वाली फिल्म-२
१२. सनी, तब्बू, रीमा सेन की फिल्म-२
१३. शशिकपूर, शबाना आजमी की 'तोता मैना की कहानी तो' गीतवाली फिल्म-३
१४. फिल्म 'बारिश' में नायिका कौन थी-२
१५. सलमान, नगमा की 'कैसा लगता है अच्छा लगता है' गीत वाली फिल्म-२
१६. 'तू कितने बरस की' गीत वाली ऋषिकपूर, टीना मुनीम की फिल्म-२
१७. फिल्म 'निगाहें' में नायक कौन था-२
१९. 'नचना तेरे नाल' गीत वाली फिल्म-२
२१. धारावाहिक 'एहसास' में 'तराना' द्वारा निभाया गया बड़ी बहू का पात्र-३
२२. 'पुलिस केस ना' गीत वाली जिमी शेरगिल, इरफान, ऋषिता की फिल्म-३
२४. अमिताभ, वहीदा, जीनत, की 'हर गोरी रानी यहाँ' गीत वाली फिल्म-३
२६. 'पराई हूँ पराई' गीत वाली शशिकपूर, आशा की फिल्म-४
२८. संजयदत्त, पूनम की 'तेरे दिल की तू जाने' गीत वाली फिल्म-२
२९. 'बाबूल का ये घर बहना' गीत वाली मिथुन, पद्मिनी की फिल्म-२
३०. राजबब्बर, रेखा की 'राधारानी ना जइयो जमुना' गीत वाली फिल्म-३
३१. सलमान, स्नेहा की एक फिल्म-२
३२. फारूख शेख, पूनम की 'चोरी चोरी कोई आये' गीत वाली फिल्म-२

ऊपर से नीचे:-

१. अक्षयकुमार, करीना, प्रियंका की 'नजर आ रहा है' गीत वाली फिल्म-४
२. 'आँखों के रस्ते दिल में' गीत वाली बॉबी देओल, रानी मुखर्जी की फिल्म-३
३. 'मिर्ची ये मिर्ची' गीत वाली फिल्म-३
४. 'दुल्हन बनती हैं नसीबों वालियां' गीत वाली रणधीर कपूर, बबीता की फिल्म-२
५. अनिलकपूर, अक्षयकुमार वाली फिल्म 'बेवफा' की नायिका कौन है-३
६. 'डोन्ट से नो' गीत वाली सनी देओल, मीनाक्षी शेशाद्रि की फिल्म-३
७. 'जैसी करनी वैसी भरनी' गीत वाली राजकुमार, रेखा, मौसमी चटर्जी की फिल्म-४
१०. गोविंदा, करिश्मा की 'अआ ई उ ऊ ओ मेरा दिल ना तोड़ो' गीत वाली फिल्म-२,२
११. 'बचके मेरी जान बचके' गीत वाली मिथुन, शत्रुघ्न, अनिता राज, हेमा की फिल्म-४
१३. 'बार बार दिन ये आये' गीत वाली फिल्म-२
१६. 'तिनका तिनका जरा जरा' गीत वाली जॉन अब्राहम, प्रियंका चोपड़ा की फिल्म-३
१८. राजकुमार, मनोजकुमार, वहीदा की 'खाली डब्बा खाली बोतल' गीत वाली फिल्म-५
२०. 'टपका रे टपका' गीत वाली संजयदत्त, माधुरी दीक्षित की फिल्म-२
२३. 'ये लड़की जरा सी दीवानी' गीत वाली कुमार गौरव, विजेयता पंडित की फिल्म-२,२
२५. नसीरूद्दीनशाह, रंजीता, स्मिता पाटिल की 'तू क्या जाने तुझमें' गीत वाली फिल्म-३
२७. 'दिल के टुकड़े टुकड़े कर के' गीत वाली अमजद खान, बिंदियागोस्वामी की फिल्म-२

फिल्म वर्ग पहेली- 2680

मु	सा	फि	र		ड	कै	त		गा
क्ति		दा	न	वी	र		क्ष	त्रि	य
	री			र		श्व	क		ब
गु	ना	ह		ता	ल			क	
म		वा	दा		ग	र्व		सू	र्या
ना	ना		मि	ल	न		सु	र	
म		सु	नी	ल		रा	जा		ए
	ने	ह्म		का	श्व		ता	क	त
क्रो		ग	द	र		दे			रा
ध	र्मा		म		रा	व	ण	रा	ज

सूडोकु -2681

				5	1	4		
			7				2	
		8						3
	1							8
5				4				9
7							6	
4						7		
	2				6			
		3	9	8				

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु -2680 का हल

4	7	6	3	5	2	9	1	8
5	9	8	6	7	1	4	3	2
2	3	1	8	9	4	7	6	5
6	8	5	7	3	9	2	4	1
3	2	4	5	1	6	8	7	9
9	1	9	4	2	8	3	5	6
8	4	3	2	6	5	1	9	7
1	5	2	9	4	7	6	8	3
9	6	7	1	8	3	5	2	4

शब्द पहेली - 2681

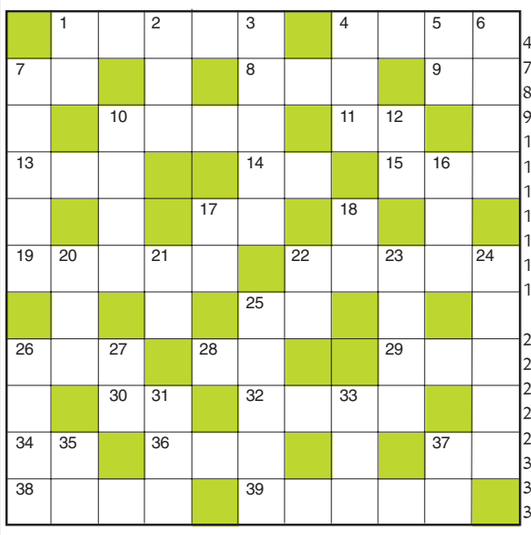

बाएँ से दाएँ

1.राजीव गांधी की पत्नी का नाम-3,2
4.उदारता,बडप्पन-4
7.भोजन,खाद्य पदार्थ-2
8.प्रहरी,रक्षा करने वाला-3
9.अपशिष्ट पदार्थ-2
10.कामदेव,चंद्रमा-4
11.नाड़ी,नस-2
13.जबरन,जबरदस्ती-3
14.वायदा,वचन-2
15.भवन,आलय-3
17.आर्ट,हुनर-2
19.ख्वाबगाह, आरामगाह, सोने का कमरा-5
22.उद्देश्यहीनता-5
25.परिणाम-2
26.अंजन,नेत्रांजन-3
28.सांझ,संध्या-2
29.अधीन-3
30.निश्चित-2
32.निष्ठावान,सत्तानिष्ठ-4
34.बेइमान,सेंधमार-2
36.दाम,मूल्य-3
37.एक छोटी सवारी गाड़ी-2
38.मुस्लिम कैलेंडर का एक महीना-4
39.अश्रु,आंसू-5

ऊपर से नीचे

1.स्वर्ण,कनक-2
2.गुजर करना-3
3.धैर्यवान-3,2
4.राशिचक्र की एक राशि-3
5.आंशिक भीगा हुआ-2
6.सामंजस्य-4
7.यायावर,बंजारा-5
10.चुनाव,वोटिंग-4
12.दुख,कष्ट-2
16.यज्ञ,होम-3
17.कमरा,रूम-2
18.उम्मीद,आस-2
20.जुड़वा-3
21.प्याला-2
22.हृदय,हार्ट-2
23.निकृष्टतर-4
24.बलवान,दमदार-5
25.स्वदेशवासी-5
26.आलसी,निठल्ली-4
27.बुरी आदत-2
31.भरोसा,विश्वास-3
33.आंचल,पल्लू-3
35.अंग्रेजी शराब का एक प्रकार-2
37.समय, वक्त-2

शब्द पहेली -2680 का हल

आ	ला	क		मा	न			क	मी	ज	
स	ल			न		श	प	थ		मा	मा
म				ध	नि	क		न			लि
दे	ह	दा		न			अ		ल	ल	क
ह		खि			बे	शु	मा	र		ह	
	सा	ल			ल		न		सु	र	
	हि			ब	गा	व	त		र		हा
ज	ल	न			म			अ	भि	मा	नि
ग				चु		रा	ज	न			का
त	र			ना	ह	क		ब		चा	र
	ब	हा		व			म	न	मो	ह	क

इंडिया गठबंधन का भविष्य उज्ज्वल है, हम सत्ता में आएंगे : लालू

नई दिल्ली। राष्ट्रीय राजधानी में मंगलवार को भारतीय राष्ट्रीय विकासात्मक समावेशी गठबंधन (इंडिया) ब्लॉक की चौथी बैठक से एक दिन पहले, राष्ट्रीय जनता दल (राजद) सुप्रीमो लालू प्रसाद ने सोमवार को कहा कि विपक्षी गठबंधन उसका भविष्य उज्ज्वल है और वह नरेंद्र मोदी सरकार को हराकर केंद्र में सरकार बनाएगी। पूर्व केंद्रीय मंत्री लालू प्रसाद ने यहां मीडिया से बात करते हुए कहा, 'हम सभी इंडिया ब्लॉक की बैठक के लिए आए हैं। हर कोई आ रहा है और इसका (इंडिया) भविष्य उज्ज्वल है।' राजद नेता ने कहा, 'इंडिया ब्लॉक केंद्र में सरकार बनाएगा और हम जीतेंगे। हम एक साथ हैं और मिलकर देश में भाजपा और नरेंद्र मोदी सरकार को हराएंगे।' उनके बेटे और बिहार के उपमुख्यमंत्री तेजस्वी यादव ने भी कहा, 'हर चीज पर चर्चा की जाएगी. पहले से ही चार समितियां बनाई गई हैं और वे काम देख रही हैं। सबकुछ सार्वजनिक नहीं किया जा सकता है। चुनाव के लिए जो भी तैयारी करनी चाहिए हम कर रहे हैं।'

नया भारत मोदी की गारंटी का भारत है : मुख्यमंत्री योगी

वाराणसी। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि देश में पिछले साढ़े 9 साल में जो परिवर्तन देखने को मिला है, वो हमारे विश्वास का परिवर्तन है। ये नया भारत मोदी की गारंटी का भारत है। ये नया भारत सरकार की प्रत्येक योजना का लाभ बिना भेदभाव के देने की गारंटी देता है। आज 'विकसित भारत संकल्प यात्रा' की गाड़ी गांव-गांव में मोदी जी की गारंटी की गाड़ी बन रही है। जो लोग अभी तक वंचित हैं, उन्हें योजनाओं का लाभ बिना भेदभाव के देने की गारंटी है ये नया भारत। हम 2047 तक भारत को दुनिया की सबसे बड़ी ताकत बनाकर एक विकसित भारत बनाने के लिए संकल्पबद्ध हैं। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सोमवार को सेवापुरी ब्लॉक के बरकी ग्राम सभा में आयोजित विकसित भारत संकल्प यात्रा (ग्रामीण क्षेत्र) कार्यक्रम को संबोधित किया।

अतीक के फाइनेंसर नफीस बिरयानी की हार्ट अटैक से मौत,उमेश पाल हत्याकांड में था आरोपी

प्रयागराज। प्रयागराज में चर्चित उमेश पाल हत्याकांड में आरोपी नफीस बिरयानी को दिल का दौरा पड़ने पर मौत हो गयी। नैनी सेन्ट्रल जेल के वरिष्ठ जेल अधीक्षक रंग बहादुर ने बताया कि नैनी सेंट्रल जेल में निरूद्ध रहे नफीस बिरयानी को रविवार को दिल का दौरा पड़ने के बाद स्वरूप रानी अस्पताल अस्पताल में भर्ती कराया गया था जहां उपचार चल रहा था। उपचार के दौरान रविवार की देर रात एक बजे उसकी मौत हो गयी। गौरतलब है कि खुल्दाबाद निवासी नफीस सिविल लाइन में ईट ऑन रेस्टोरेंट का संचालक था। उमेश पाल हत्याकांड में नफीस का नाम बढ़ाए जाने के बाद वह फरार हो गया था। उमेश पाल और उसके दो सरकारी सुरक्षा कर्मियों की हत्या में वांछित होने पर 50 हजार का इनाम घोषित किया गया था। 22 नवंबर को नवाबगंज में पुलिस से मुठभेड़ में गोली लगने से नफीस घायल हो गया था। कई दिनों तक इलाज चलने के बाद वह नैनी सेंट्रल जेल के सर्किल नंबर तीन में बंद था।

अयोध्या में सिख समाज की ओर से लगाया जाएगा लंगर, जत्थेदार बाबा हरजीत सिंह ने दूधेश्वर नाथ का लिया आर्शिवाद

गाजियाबाद। सिख धर्म के साथ सनातन धर्म की विचारधारा को मजबूत कर रहे पंजाब के निहंग जत्थेदार बाबा हरजीत सिंह सोमवार को सिद्धपीठ दूधेश्वर नाथ मठ महादेव मंदिर पहुंचे। जत्थेदार बाबा हरजीत सिंह ने मंदिर के पीठाधीश्वर श्रीमहंत नारायण गिरि के साथ भगवान दूधेश्वर का जलाभिषेक किया व पूजा-अर्चना की। श्रीमहंत नारायण गिरि ने उनका सम्मान किया। जाब के जिला रोपड़ के गांव रसूलपुर निवासी जत्थेदार बाबा हरजीत सिंह ने बताया कि उनकी ही बल्कि उनके पूर्वजों की भी भगवान राम के प्रति सच्ची श्रद्धा व आस्था रही है। राम मंदिर को लेकर पहली बार एफआईआर अयोध्या में 30 नवंबर 1858 को सिखों के विरूद्ध हुई। यह पहला मौका था जब निहंगों ने बाबरी मस्जिद पर कब्जा करके यहां हवन किया था।

देश की दो करोड़ ग्रामीण महिलाओं को लखपति बनाना मेरा संकल्प : प्रधानमंत्री

वाराणसी। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी अपने दो दिवसीय काशी यात्रा के दूसरे दिन सोमवार को सेवापुरी ब्लॉक के बरकी ग्राम सभा में आयोजित विकसित भारत संकल्प यात्रा (ग्रामीण क्षेत्र) में शामिल हुए। उनके साथ उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ भी मौजूद रहे। कार्यक्रम के दौरान 'मेरी कहानी मेरी जुबानी' के जरिए लाभार्थियों ने प्रधानमंत्री और मुख्यमंत्री के सामने मंच से उन्हे मिले सरकारी योजनाओं के लाभ के बारे में अपने अनुभवों को साझा किया। प्रधानमंत्री ने लाभार्थियों से संवाद स्थापित करते हुए कहा कि उनका संकल्प है कि देश की दो करोड़ ग्रामीण माताओं और बहनों को स्वावलंबी बनाते हुए उन्हें लखपति बनाना है। प्रधानमंत्री ने शादी

विवाह में बर्बाद होने वाले भोजन पर चिंता व्यक्त करते हुए सेल्फ हेल्प समूह की महिलाओं को खाना परोसने की ट्रेनिंग लेकर इस दिशा में कार्य करने के लिए प्रेरित किया। प्रधानमंत्री ने इस दौरान लखपति महिला चंदा देवी और मनीषा देवी को प्रमाणपत्र देकर सम्मानित किया। वहीं उन्होंने निपुण दक्षता हासिल करने वाले छात्र सिद्धार्थ और छात्रा आस्था को प्रमाणपत्र देकर सम्मानित किया। इसके अलावा एकल नृत्य में प्रथम स्थान प्राप्त करने वाली छात्रा अंतिमा को भी प्रमाणपत्र देकर सम्मानित किया। इससे पहले प्रधानमंत्री और मुख्यमंत्री ने ये यहां आयोजित सांसद खेल कूद प्रतियोगिता के अंतर्गत चल रहे विभिन्न खेल आयोजनों को भी देखा। साथ ही संकल्प यात्रा में शामिल हुए लोगों को 2047 तक भारत को विकसित राष्ट्र बनाने के लिए शपथ भी दिलाई। बता दें कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने 15 नवंबर को झारखंड के खूंटी से विकसित भारत संकल्प यात्रा का शुभारंभ किया था। वाराणसी में 22 नवंबर को इसका शुभारंभ किया गया। ये यात्रा वाराणसी के 694 ग्राम पंचायत और नगर क्षेत्र के 110 वार्डों को कवर करेगी। नगर में एक वैन और ग्राम पंचायतों के लिए 8 वैन के माध्यम से शुरू की गई ये यात्रा 26 जनवरी 2024 तक अवनरत चलती रहेगी। इसके जरिये नगरीय क्षेत्र और ग्रामीण क्षेत्र में भारत सरकार की योजनाओं का लाभ दिलाया जाएगा।

राजस्थान के मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा ने उपराष्ट्रपति से भेंट की

नई दिल्ली। राजस्थान के मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा ने सोमवार को यहां उपराष्ट्रपति निवास पर उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ से शिष्टाचार भेंट की। इस दौरान राज्य के दोनों उपमुख्यमंत्री दीया कुमारी और डॉ. प्रेम

चंद बैरवा भी थे। राजस्थान के मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा और उपमुख्यमंत्रियों दीया कुमारी और डॉ. प्रेम चंद बैरवा अपने शपथ ग्रहण के बाद राष्ट्रीय राजधानी की पहली यात्रा पर हैं। रविवार को तीनों ने राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू के अलावा भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह सहित वरिष्ठ भाजपा नेताओं से मुलाकात की थी।

बेलगावी में आदिवासी महिला उत्पीड़न पर भाजपा की तथ्यान्वेषी समिति ने नड्डा को सौंपी रिपोर्ट

नई दिल्ली। कर्नाटक के बेलगावी में एक आदिवासी महिला को निर्वस्त्र कर घुमाने की जांच के लिए गठित भारतीय जनता पार्टी की तथ्यान्वेषी समिति ने सोमवार को पार्टी अध्यक्ष जेपी नड्डा को अपनी रिपोर्ट सौंप दी।

भाजपा तथ्यान्वेषी समिति से रिपोर्ट मिलने पर पार्टी अध्यक्ष जेपी नड्डा ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, 'कर्नाटक के बेलगावी में एक आदिवासी महिला के साथ हुए जघन्य अत्याचार की जांच के लिए गठित भाजपा तथ्यान्वेषी टीम की रिपोर्ट प्राप्त हुई। राज्य सरकार महिला सुरक्षा सुनिश्चित करने और कानून-व्यवस्था बनाए रखने में पूरी तरह से अक्षम रही है। भाजपा लोगों की आवाज उठाकर यह सुनिश्चित करती रहेगी कि उन्हें उनका वाजिब हक मिले।

उल्लेखनीय है कि पिछले हफ्ते कर्नाटक के बेलगावी में एक महिला को निर्वस्त्र कर घुमाने का मामला सामने आया था। इस पर भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नड्डा ने घटना स्थल का दौरा करने के लिए पांच सदस्यीय तथ्यान्वेषी समिति का गठन किया था। इसमें चार महिला सांसद अपराजिता सारंगी, सुनीत दुग्गल, लॉकेट चटर्जी, रंजीता कोली और भाजपा की राष्ट्रीय सचिव आशा लाकड़ा शामिल थीं।

डाकघर विधेयक-2023 को मिली संसद की मंजूरी

नई दिल्ली। लोकसभा ने सोमवार को डाकघर विधेयक, 2023 पारित कर दिया। राज्यसभा से इस विधेयक को पहले ही पारित किया जा चुका है। इसके साथ ही विधेयक को अब संसद की मंजूरी मिल गई है। संचार राज्यमंत्री देवुसिंह चौहान ने विधेयक पर चर्चा का जवाब देते हुए कहा कि डाक विभाग अंत्योदय की अवधारणा को पूरा करने की दिशा में सराहनीय काम कर रहा है। अब इसकी भूमिका बदल गई है और उसके अनुसार बदलाव भी आवश्यक हैं। डाक विभाग अब बैंकिंग और अन्य सेवायें प्रदान कर रहा है। विधेयक में बदलाव इस दिशा में सहायक होंगे। उन्होंने कहा कि पिछले साढ़े नौ वर्षों में डाक सेवाएँ, डाकघर और डाकिए केवल पत्राचार तक सीमित नहीं है बल्कि सेवा मुहैया कराने वाले संस्थान में बदल गए हैं। इन सालों में डाकघर एक तरह से बैंक बन गए हैं। विधेयक को पारित किए जाने के दौरान शोर-शराबा होता रहा । बीच में कार्यवाही स्थगित की गई। दोबारा कार्यवाही शुरू होने पर विधेयक को ध्वनिमत से पारित कर दिया। विधेयक के अनुसार नए अधिनियम देश में डाकघरों के कामकाज को नियंत्रित करने और नागरिक-केंद्रित सेवाओं के वितरण के लिए डाकघरों को एक नेटवर्क में विकसित करने की सुविधा के लिए एक सरल विधायी ढांचा प्रदान करने की दृष्टि से लाया गया है। विधेयक में डाक सेवाओं के महानिदेशक को आवश्यक गतिविधियों के संबंध में नियम बनाने और सेवाओं के लिए शुल्क तय करने का अधिकार

होगा।कानून के तहत केंद्र अधिसूचनाओं के माध्यम से किसी भी अधिकारी को राज्य की सुरक्षा, विदेशी राज्यों के साथ मैत्रीपूर्ण संबंधों, सार्वजनिक व्यवस्था, आपातकालीन या सार्वजनिक सुरक्षा के हित में या किसी भी उल्लंघन की घटना पर किसी भी वस्तु को रोकने, खोलने या हिरासत में लेने का अधिकार दे सकता है।

सभापति रद्द करें डेरेक का निलंबन : खड़गे

नई दिल्ली। राज्यसभा में नेता प्रतिपक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने टीएमसी के राज्यसभा सदस्य डेरेक ओ ब्रायन का निलंबन रद्द करने की मांग की है। खड़गे ने सोमवार को राज्यसभा के सभापति जगदीप धनखड़ को इस संबंध में एक पत्र लिखा है। खड़गे ने सभापति को लिखे पत्र में कहा कि डेरेक ने संसद की सुरक्षा मुद्दे पर सदन का ध्यान आकर्षित करने की कोशिश की थी। वह चाह रहे थे कि संसद की सुरक्षा में लगी सेंध मुद्दे पर देश के गृह मंत्री सदन में जवाब दें। विपक्ष की यह मांग जायज भी है।

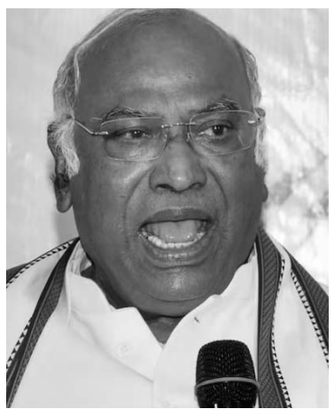

खड़गे ने कहा कि डेरेक की मांग जायज थी। ऐसे में वह सभापति से अनुरोध करते हैं कि उनका निलंबन रद्द किया जाए। उल्लेखनीय है कि बुधवार को लोकसभा में शून्यकाल के दौरान दो युवक दर्शक दीर्घा से सदन में कूद गए थे। युवक अपने जूते में स्प्रे छिपाकर लाए थे। जिसे उन्होंने सदन में स्प्रे कर दिया और सदन में पीला धुआं फैल गया था।

लोकसभा से 33 सांसद निलंबित

नई दिल्ली। लोकसभा से सोमवार को कांग्रेस नेता अधीर रंजन चौधरी सहित 30 सदस्यों को बाकी सत्र के लिए निलंबित कर दिया गया। इसके अलावा तीन सदस्यों का विषय आचार समिति को भेजा गया और तब तक के लिए उन्हें भी निलंबित कर दिया गया। इस तरह आज कुल 33 सदस्यों को सदन से निलंबित किया गया। इसके बाद सदन की कार्यवाही दिनभर के लिए स्थगित कर दी गई। लोकसभा की कार्यवाही दोपहर तीन बजे शुरू होने पर संसदीय कार्यमंत्री प्रह्लाद जोशी ने सदस्यों को निलंबित किए जाने का प्रस्ताव रखा। इस प्रस्ताव में 30 सदस्यों के नाम थे। इसमें कल्याण बनर्जी, ए राजा, गौरव गोगोई, एमके प्रेमचंद्रन, के सुरेश, टीआर बालू, सौगत राय का नाम भी शामिल है। अब्दुल खालिक, विजय वसंत और के. जयकुमार का नाम उनके अनुचित आचरण के चलते सदन की आचार समिति को भेजा गया है।

उल्लेखनीय है कि इससे पहले शुक्रवार को सदन की कार्यवाही से 13 विपक्षी सदस्यों को निलंबित किया गया था। इन्हें मिलाकर अब तक 46 सदस्यों को निलंबित किया जा चुका है।

अगर हिम्मत है तो बनारस जाकर चुनाव लड़ ले, पता चल जायेगा : गिरिराज सिंह

पटना। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की वाराणसी में प्रस्तावित रैली को लेकर केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह ने मुख्यमंत्री नीतीश कुमार को चैलेंज किया है। सोमवार को पटना से दिल्ली रवाना होने से पूर्व पत्रकारों से बातचीत करते हुए उन्होंने कहा कि अगर किसी में हिम्मत है तो वह वाराणसी जाकर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से चुनाव लड़ लें।

हवाईअड्डे केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह ने आईएनडीआईए गठबंधन को चुनौती देते हुए कहा कि, मैं आईएनडीआईए गठबंधन को खुला चुनौती देता हूं, किसी भी दल का कोई भी नेता वाराणसी में जाकर पीएम मोदी से चुनाव लड़ लें। चाहे नीतीश कुमार कोशिश कर ले या राजद के कोई नेता नरेन्द्र मोदी के खिलाफ चुनाव लड़ ले।चुनौती में नीतीश कुमार को दे रहा हूं अगर हिम्मत है तो बनारस जाकर चुनाव लड़ ले। उन्होंने कहा कि आईएनडीआईए गठबंधन की बैठक में विपक्षी दल अपने स्वार्थ के लिए सिर्फ जा रहे हैं। अपने गुनाह को छिपाने के लिए इस गठबंधन की बैठक में जा रहे हैं। इंडिया गठबंधन के नेता, किसी में हिम्मत नहीं है ।

संसद की सुरक्षा में सेंध के मुद्दे पर विपक्ष न करे राजनीति : राम कृपाल यादव

नई दिल्ली। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के सांसद राम कृपाल यादव ने कहा कि संसद की सुरक्षा में सेंध के मुद्दे पर विपक्ष को राजनीति नहीं करनी चाहिए। यादव ने सोमवार को संसद भवन परिसर में हिन्दुस्थान समाचार से बातचीत करते हुए कहा कि संसद में इससे पहले भी सुरक्षा में चूक के मामले आए हैं। उस दौर में भी लोकसभा अध्यक्ष ने मामले की जांच कराई थी। यादव ने कहा कि यह विपक्ष भी जानता है कि संसद की सुरक्षा का जिम्मा लोकसभा का है और लोकसभा अध्यक्ष मामले की जांच करवा भी रहे हैं। विपक्ष को इस जांच में सहयोग करना चाहिए और सदन की कार्यवाही चलने देना चाहिए।

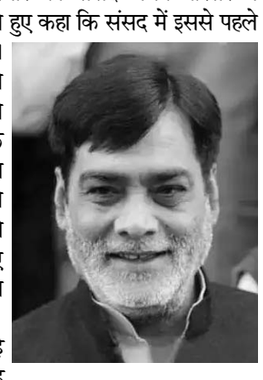

उन्होंने कहा कि विपक्ष की मांग है कि गृह मंत्री सदन में जवाब दें, यह मांग बुनियादी रूप से नियम-कानून के विरुद्ध है। विपक्ष को यह बात समझनी चाहिए। उल्लेखनीय है कि बुधवार को लोकसभा में शून्यकाल के दौरान दो युवक दर्शक दीर्घा से सदन में कूद गए थे। युवक अपने जूते में स्प्रे छिपाकर लाए थे। जिसे उन्होंने सदन में स्प्रे कर दिया और सदन में पीला धुआं फैल गया था। संसद की सुरक्षा में हुई इस चूक को लेकर विपक्ष संसद के दोनों सदनों में हंगामा कर रहा है।

बदरी-केदार धामों में सुरक्षा के लिए आईटीबीपी तैनात

देहरादून/बदरीनाथ/केदारनाथ। उत्तराखंड के प्रसिद्ध पवित्र धामों बदरीनाथ और केदारनाथ के कपाट बंद होने के बाद इन दोनों धामों में सुरक्षा की दृष्टि से भारतीय तिब्बत सीमा पुलिस (आईटीबीपी) की तैनाती कर दी गई है। आइटीबीपी जवानों की एक- एक प्लाटून दोनों धामों में पहुंच गई हैं।

गत वर्ष केदारनाथ धाम के गर्भ गृह के स्वर्ण मंडित होने और दोनों धामों में मास्टर प्लान के तहत व्यापक स्तर पर चल रहे पुनर्निमाण कार्यों के कारण तमाम लोगों की वहां पर आवाजाही को देखते हुए बदरीनाथ -केदारनाथ मंदिर समिति (बीकेटीसी) के अध्यक्ष अजेंद्र अजय ने सरकार से सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत करने के लिए पत्र लिखा था। उन्होंने धामों की विकट भौगोलिक परिस्थितियों के मद्देनजर आईटीबीपी को तैनात किए जाने की मांग की थी। इस पर प्रदेश सरकार ने कार्रवाई करते हुए केंद्रीय गृह मंत्रालय से आईटीबीपी की तैनाती का अनुरोध किया था। प्रदेश सरकार के अनुरोध पर गृह मंत्रालय ने गत वर्ष से शीतकाल में धामों की सुरक्षा आइटीबीपी के जवानों को सौंप दी थी। इस वर्ष कपाट बंद होने के पश्चात प्रदेश सरकार ने धामों में आईटीबीपी की

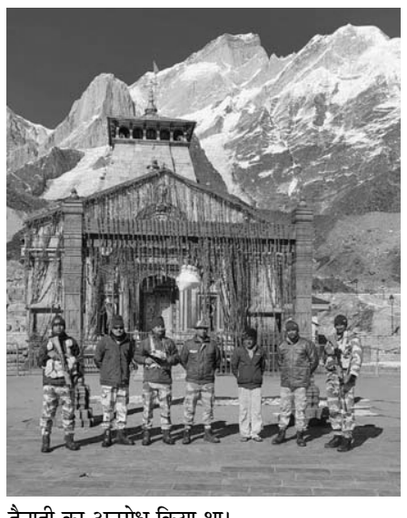

तैनाती का अनुरोध किया था।

बीकेटीसी अध्यक्ष अजेंद्र अजय ने धामों में आईटीबीपी के जवानों की तैनाती पर मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी का आभार व्यक्त किया है।

एनआईए ने आतंकवादी समूह के खिलाफ 19 जगहों पर छापे मारे

नई दिल्ली। राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) ने दक्षिण भारत में 19 स्थानों पर अति कट्टरपंथी जिहादी आतंकवादी समूह के खिलाफ छापेमारी की है। एनआईए द्वारा वहां की स्थानीय पुलिस के सहयोग से सोमवार सुबह में शुरू की गई छापेमारी फिलहाल जारी है। छापेमारी के दौरान एनआईए ने मोहम्मद उमर, मोहम्मद फैजल रमानी, तनवीर अहमद, मोहम्मद फारूख और जुनैद अहमद के परिसर से महत्वपूर्ण दस्तावेज, डिजिटल डिवाइस के साथ 7.3 लाख नकद बरामद किए हैं। सुरक्षा कारणों से एनआईए ने छापेमारी वाली जगहों के बारे में जानकारी उपलब्ध नहीं कराई है।

एनआईए के मुताबिक जुनैद अहमद सहित अन्य तीन आरोपितों को भगोड़ा घोषित किया जा चुका है। एनआईए की टीम दो संदिग्धों की तलाश में अन्य जगहों पर छापेमारी की तैयारी में है। एक दिन पहले इसे कर्नाटक के बेंगलुरु में लश्कर -ए- तैयबा के विभिन्न ठिकानों पर एनआई द्वारा की गई छापेमारी से जोड़कर देखा जा रहा है।

जम्मू कश्मीर और लद्दाख में भूकंप के झटके, रिक्टर स्केल पर 5.5 रही तीव्रता

जम्मू। केंद्र शासित प्रदेश जम्मू-कश्मीर और लद्दाख में सोमवार दोपहर भूकंप के झटके महसूस किए गए। जम्मू, श्रीनगर, पुंछ, किश्तवाड़ समेत प्रदेश के कई हिस्सों में भूकंप के झटके लगे। राष्ट्रीय भूकंप विज्ञान केंद्र ने बताया कि रिक्टर स्केल पर 5.5 तीव्रता के झटके महसूस किए गए। इसके चलते किसी तरह के जानमाल के नुकसान की फिलहाल सूचना नहीं मिली है। इसका केंद्र लद्दाख का कारगिल क्षेत्र बताया गया है। दोपहर तीन बजकर 48 मिनट पर धरती कांपी। लोगों ने बताया कि उन्होंने दो बार झटके महसूस किए। पहले के मुकाबले दूसरा झटका कम तीव्र था। कई जगहों पर लोग अपने घरों और कार्यालयों से बाहर निकल आए।

वर्ष 2017-21 तक किसानों के सासामुसा सुगर मिल प्रबंधन पर बकाये को लेकर किसान ने की फरियाद

पटना। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने सोमवार को 'जनता के दरबार में विभिन्न जिलों से पहुंचे 78 लोगों की समस्याओं को सुना और संबंधित विभागों के अधिकारियों को कार्रवाई के निर्देश दिए।गोपालगंज जिला से आये गुड्डू प्रसाद ने मुख्यमंत्री से शिकायत करते हुए कहा कि सासामुसा सुगर मिल के द्वारा किसानों का वर्ष 2017-18 से वर्ष 20202-21 तक खरीदे गये गन्ने के मूल्य का भुगतान नहीं किया गया है।

सीतामढ़ी जिले से आए रंजीत कुमार मिश्रा ने मुख्यमंत्री से गुहार लगाते हुए कहा कि रीगा चीनी मिल पुनः चालू किया जाए। इससे 5 हजार किसानों और मजदूरों को काफी लाभ होगा। क्षेत्र के लोगों को काफी राहत मिलेगी। मुख्यमंत्री ने गन्ना (उद्योग) विभाग को समुचित कार्रवाई करने का निर्देश दिया।

नालंदा जिले से आयी अर्पणा कुमारी सिन्हा ने मुख्यमंत्री से आग्रह करते हुए कहा कि मेरी रैयती जमीन पर अनुचित तरीके से सड़क का निर्माण कराया जा रहा है जिसके कारण खेती करने में असुविधा हो रही है। मुख्यमंत्री ने संबंधित विभाग को समुचित कार्रवाई करने का निर्देश दिया। शिवहर जिला से आये परमेंद्र कुमार ने मुख्यमंत्री से शिकायत करते हुए कहा कि शिवहर थाना के समीप मुख्य पथ पर असामाजिक तत्वों द्वारा अतिक्रमण कर आवागमन को बाधित किया जा रहा है। मुख्यमंत्री ने संबंधित विभाग को समुचित कार्रवाई करने का निर्देश दिया। जनता के दरबार में मुख्यमंत्री कार्यक्रम में बक्सर जिले से आई मंजू देवी ने मुख्यमंत्री से आग्रह करते हुए कहा कि डुमरांव प्रखंड के नुआंव पंचायत में बक्सर-पटना फोर लेन सड़क बनाई जा रही है। इस सड़क में अंडरपास का निर्माण किया गया है लेकिन सर्विस रोड एवं नाला का निर्माण नहीं किया गया है। मुख्यमंत्री ने संबंधित विभाग को समुचित कार्रवाई करने का निर्देश दिया। मधुबनी जिले से आये तरुण कीर्ति ने मुख्यमंत्री से गुहार लगाते हुये कहा कि बिहार राज्य फसल सहायता योजना के अंतर्गत खरीफ वर्ष 2020 के लिए मिलने वाली फसल क्षति की राशि अबतक मुझे नहीं मिल पाई है। मुख्यमंत्री ने संबंधित विभाग को समुचित कार्रवाई करने का निर्देश दिया। दरभंगा जिले से आयी सीता देवी ने मुख्यमंत्री से गुहार लगाते हुए कहा कि सड़क दुर्घटना में मेरे पति की मृत्यु हो गई और पुत्र गंभीर रूप से घायल हो गया। सड़क दुर्घटना के बाद मिलने वाली सहायता राशि मुझे अबतक नहीं प्राप्त हो सकी है। कैमूर जिले से आए मो इस्लाम खान ने मुख्यमंत्री से आग्रह करते हुए कहा कि भभुआ जिला मुख्यालय से मेरे गांव पलका की दूरी चार किलोमीटर है। जिला मुख्यालय से मेरे गांव तक सड़क का निर्माण कराया जाए। इस सड़क के बन जाने से मुंडेश्वरी धाम जाने की दूरी कम हो जाएगी और शहर का फैलाव भी दक्षिण दिशा की तरफ होगा।

घर की पुरानी चीजों से बनाए

क्राफ्ट्स

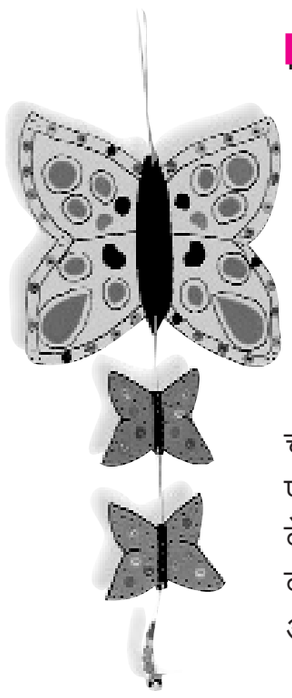

जब तुम नहीं पढ़ रहे हो तब तुम अपने खाली समय का उपयोग पुरानी चीजों से नई चीजें बनाने में कर सकते हो। ऐसी बहुत सी चीजें घर में होती हैं जो या तो खराब हो जाती हैं या बेकार पड़ी पड़ी खराब होने लगती हैं। ऐसी ही चीजों से आप घर की सजावट के कई प्रकार के सामन बना सकते हो। ऐसा करने से जहां हमें घर की साज–सज्जा का अनुभव होता है वहीं बेकार चीजें काम में आ जाती हैं।

तुम्हें स्कूल में सबसे अच्छा पीरियड कौनसा अच्छा लगता है..शायद आर्ट एंड क्राफ्ट्स का। रूई के खरगोश, चार्ट पेपर पर कलर करके फ्लावर्स, थर्मोकोल से ताजमहल, कार्टन का इस्तेमाल करके छोटा-सा घर और पेपर कटिंग करके ग्रीटिंग कार्डस जैसी कई चीजें जब तुम अपने हाथों से बनाते हो तो तुम्हें बहुत खुशी मिलती है और तुम अपने दोस्तों को दिखा कर खूब तारीफ बटोरते होगें। जब आर्ट एंड क्राफ्ट्स की परीक्षा आती है तो तुम्हें ज्यादा मजा इसी परीक्षा में आता है। घर में भी तुम क्राफ्ट्स और ड्रॉइंग करना नहीं भूलते। छुट्टी के दिन तो घर की पुरानी चीजें जमा करते हो और अपना दिमाग लगाना शुरूकर देते हो कि किस चीज के इस्तेमाल से क्या नया बना सकते हो। फिर जब कोई बढिया चीज बन जाती है तो अपने घर के शोकेस में सजा देते हो। हर दिन तुम नई चीज बनाने का प्रयास करते हो। कई बार जब हमारे पास ढेर सारी चीजें जमा हो जाती हैं तो हमें समझ नहीं आता कि उनसे क्या नया बनाया जाए। उदाहरण के तौर पर गार्डन से अलग-अलग पेड़ के कुछ झड़े हुए पत्ते लाओ और उस पर डिजाइन बनाओ और अपने कमरे की दीवार पर सजा दो। इससे तुम्हारा रूम काफी सुंदग दिखेगा। इसी तरह तुम पुराने कपड़े का इस्तेमाल करके अपने लिए एप्रन बना सकते हो, कलर पेपर और गम से फन बॉक्स तैयार कर सकते हो, पुरानी बटन, रिबन, स्केच पेन, कार्डबोर्ड से गुडिया बना सकते हो, साथ ही मम्मी के लिए नेकलेस, आकर्षक सनकैचर्स, फोटो फ्रेम्स, बर्ड हाउस जैसी कई चीजें से कुछ नया बना सकते हो।

बाल कहानी

लाल गुब्बारा

गली में गुब्बारेवाला था। नैना ने उसकी आवाज़ सुनी और दौड़ कर बाहर आई। गुब्बारे वाले के हाथ में पाँच गुब्बारे थे। दो लाल, एक पीला, एक हरा और एक गुलाबी। एक गाड़ी भी थी। गाड़ी पर पीली छतरी थी। छतरी बड़ी थी। सबको छाया देती थी। गाड़ी में रंग ''बिरंगे गुब्बारे भरे हुए थे। नैना ने सोचा वह अपनी फ्राक जैसा लाल गुब्बारा लेगी।

मुझे एक गुब्बारा चाहिये। नैना ने कहा।

क्या तुम्हारे पास पैसे हैं? गुब्बारे वाले ने पूछा।

लाल गुब्बारा कितने का है? मैं माँ से पैसे ले कर आती हूँ। नैना ने कहा।

दो रुपए ले कर आना। गुब्बारे वाले ने कहा।

नैना माँ के पास से पैसे लेकर आई। गुब्बारे वाले को पैसे दिये और लाल गुब्बारा खरीदा। गुब्बारा लेकर नैना गली में खेलने लगी। गली में भीड़ नहीं थी। लाल गुब्बारा पतंग की तरह लहरा रहा था। नैना धागे को उँगली पर लपेट लेती तो गुब्बारा उसके पास आ जाता। वह उसको गाल से लगाती तो नरम नरम लगता। रगड़ती तो मज़ेदार आवाज़ करता। वह धागे को छोड़ देती तो लाल गुब्बारा फिर से दूर आसमान में उड़ने लगता। वह दौड़ती तो गुब्बारा भी साथ साथ ऊपर चलता। गली में खेलना नैना को अच्छा लगता था। खेल में बड़ा मज़ा था। नैना देर तक खेलती रही। लाल गुब्बारा उसका दोस्त बन गया। उसने लाल गुब्बारे का नाम 'लालू' रख दिया।

बहुत देर हो गयी नैना, खेलना बंद करो और खाना खा लो। माँ ने भीतर से आवाज़ दी। नैना को भी भूख लग रही थी। आती हूँ माँ, नैना ने जवाब दिया। लेकिन वो लाल गुब्बारे के साथ खाना कैसे खाएगी, नैना ने सोचा। उसने गुब्बारे के धागे को दरवाज़े की कुंडी से बाँध दिया। लालू, मैं खाना खा लूँ तब तक तुम यहीं रहना। बाद में हम दोनों मिल कर फिर खेलेंगे। नैना ने कहा।

शायद नैना ठीक से बाँध नहीं पायी। धागा खुल गया और लाल गुब्बारा आसमान में उड़ गया।

नैना उसको पकड़ने के लिये दौड़ी पर वह ऊपर जा चुका था। नैना धागा नहीं पकड़ पाई। उसकी आँखों में आँसू आ गए। वह रोने लगी। माँ ने कहा, रो मत। कल नया गुब्बारा ले लेना।

स्कूल बैग को कैसे रख सकते है साफ

तुम अक्सर अपने दोस्तों से शर्त लगाते होगें कि आज मम्मी ने टिफिन में क्या रखा है। या बैग की किस पॉकेट में चॉकलेट है।मगर क्या तुमने कभी यह शर्त लगाई है कि किसका बैंग सबसे साफ है। आज हम तुम्हें बैंग साफ रखने के कुछ तरीके बता रहे है। जिससे जब कभी तुमसे इस बात पर शर्त लगाए तो तुम जीत सको।

ऐसे रखो बैग को साफ

बैग में जगह के हिसाब से अलग–अलग चीजों के लिए अलग–अलग हिस्सा तय कर लो। जैसे बुक्स हमेशा एक जगह पर रखो, लंच के लिए एक जगह तय कर लो, ताकि हर दिन तुम्हारा समय इस बात को सोचने में बर्बाद ना हो कि कौन–सा सामान कहां रखना चाहिए। अपना बैग इस तरह से व्यवस्थित करो कि भारी चीजें बैग के पिछले हिस्से में हों और हल्की चीजें बैग के आगे वाले हिस्से में। ऐसा करने से पीठ पर कम जोर पडेगा और तुम्हारा पॉस्चर भी सही रहेंगा।

क्या तुम जानते हो

निर्जन द्वीप बिशप रॉक को

दोस्तों वैसे तो इस दुनिया में काफी सारी ऐसी चीजें हैं। जिसे इतिहास के पन्नों में दर्ज किया गया है। वहीं कुछ ऐसी चीजें भी हैं। जो आज भी लोगों के लिए जानकारी का सबब बनती हैं। इनमें से ही एक है विशप रॉक द्वीप। यह दुनिया का सबसे छोटा द्वीप है। वैसे तो इस द्वीप पर कोई नहीं रहता, लेकिन इस पर 49 मीटर ऊंचे बने लाइट हाउस की वजह से यह आबाद है और दुनिया भर में अपनी पहचान बनाए हुए है।

इस छोटे–से द्वीप पर बना लाइट हाउस यहां के आकर्षण का केंद्र है। आज हम तुम्हें ऐसे द्वीप के बारे में बता रहे हैं, जिसे गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्डस ने कुछ समय पहले दुनिया भर के द्वीपों में सबसे छोटा द्वीप घोषित किया है। यह है–अटलांटिक महासागर में इंग्लैंड (ब्रिटेन) के दक्षिण–पश्चिम सिरे पर बना बिशप रॉक द्वीप। यह द्वीप ब्रिटेन के आसपास के 1,040 सिसिली द्वीप समूह से करीब 4 मील की दूरी पर स्थित है।

यह 16 मीटर चौड़ा, 46 मीटर लंबा और 45 मीटर गहरा है। इसी वजह से आज इस निर्जन बिशप द्वीप को 'ब्लू रीबैंड' और इस पर बने लाइट हाउस को 'किंग ऑफ द लाइट हाउस' से सम्मानित किया गया है। तुमने अंडेमान–निकोबार, मालदीव्स जैसे द्वीप समूह (आइलैंड) के बारे में सुना होगा। एक ओर तो ये द्वीप समूह चारों तरफ से समुद्र के पानी से घिरे हैं, दूसरी तरफ अपने एरिया के हिसाब से काफी बड़े हैं। वहां का प्राकृतिक वातावरण बहुत सुंदर है और बड़ी तादाद में जन–जीवन भी है।

आज यहां ग्रेनाइट पत्थर से बना जो लाइट हाउस है, उसे 1853 में बनाया गया था। एक सितंबर 1858 को मोमबत्ती और पैराफिन लैंप या लालटेन से पहली बार जलाया गया। पहले वहां तक जाने के लिए नाव या जहाज का इस्तेमाल होता था। इसमें आने वाली मुश्किलों को देखते हुए ट्रिनिटी हाउस ने 1976 में लाइट हाउस के ऊपर एक हैलीपैड बनाया और इसे 1992 में पूरी तरह स्वचालित कर दिया।

अनोखा है पानी के बीच पहाड़ी पर बना रेस्तरां

दोस्तों तुम अपने पापा-मम्मी के साथ कई बार कहीं घूमने फिरने गए होगे। खाना पीना भी खाया होगा। लेकिन जहां पर भी खाना खाया होगा वह रेस्तरां जमीन पर ही बना होगा। लेनिक क्या तुमने कभी पानी के बीचोंबीच पहाड़ी पर रेस्तरां बना देखा है। पूर्वी अफ्रीका में ऐसा ही एक रेस्तरां बना हुआ है। जांजीबार पहाड़ी पर बने इस रेस्तरां में आने वाला टूरिस्ट यहां से खास अनुभव लेकर जाता है। इस रेस्तरां के चारों ओर पानी ही पानी है। यहां पर मोटरबोट से पहुंचा जा सकता है। इसका नाम है 'रॉक रेस्टोरेंट'। इसके मालिक निगेल फ्रीमेन के अनुसार, 'इसे हाल ही में खोला गया है। इसमें एक बार में सिर्फ 15 लोग ही खाना खा सकते हैं। जब पानी का बहाव कम होता है तो टूरिस्ट यहां खड़े होकर समुद्र की लहरों का मजा ले सकते हैं।' धीरे-धीरे यह रेस्तरां प्रचलित हो रहा है। लोगों को अब इसके लिए एक सप्ताह तक वेटिंग में रहना पड़ता है।

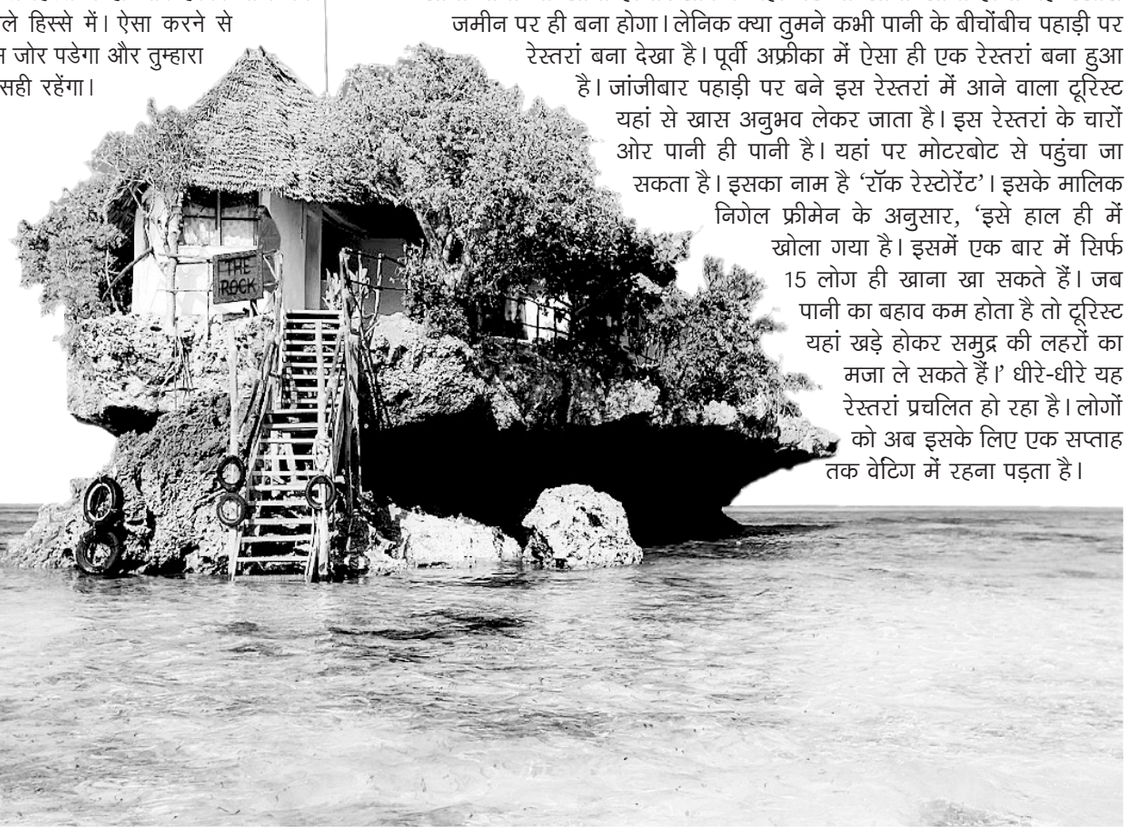

दुबई में आज होगी आईपीएल नीलामी , 10 टीमें भाग लेंगी

119 विदेशी खिलाड़ियों सहित कुल 333 खिलाड़ी शामिल

दुबई (एजेंसी)। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के 17 वें सत्र के लिए मंगलवार को दुबई में नीलामी होगी। ये पहली बार है जब विदेश में आईपीएल नीलामी होगी। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) के अनुसार इस नीलामी में 10 टीमें शामिल होंगी। इसमें 333 खिलाड़ी और 77 स्लॉट रखे गये हैं। इस साल की नीलामी के लिए कुल 1166 खिलाड़ियों ने अपना पंजीकरण कराया था जिसमें से 333 नामों को अंतिम रुप से शामिल किया गया है। इसमें 214 भारतीय और 119 विदेशी खिलाड़ी हैं। वहीं 116 खिलाड़ी ऐसे हैं जिन्होंने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट खेल चुके हैं, जबकि 215 खिलाड़ी ऐसे हैं जिन्होंने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट नहीं खेला है। दो खिलाड़ी एसोसिएट देशों के भी हैं। इस नीलामी के जरिए 10 टीमों में कुल 77 खिलाड़ी हैं। वहीं 30 स्थान विदेशी खिलाड़ियों के लिए आरक्षित किया गा गया हैं। इस बार होने वाली नीलामी छोटी रहेगी। गुजरात के पास सबसे अधिक 38.15 करोड़ रूपए है, ऐसे में उन्हें नीलामी में उन्हें दो विदेशी खिलाड़ियों सहित कुल आठ खिलाड़ियों को टीम में शामिल करना है। आईपीएल की दूसरी सबसे नई टीम लखनऊ सुपर जायंट्स के पास 13.15 करोड़ रूपये है और उसे दो विदेशी खिलाड़ियों सहित कुल छह खिलाड़ियों को रखना है। इस नीलामी में अधिकतम 262.95 करोड़ रूपये खर्च किए जा सकते हैं। 333 खिलाड़ियों को 19 अलग-अलग समूहों में बांटा गया है, जिसमें बल्लेबाज, ऑलराउंडर, तेज गेंदबाज, स्पिनर, विकेटकीपर के समूह और कैप्ड (अनुभवी) व अनकैप्ड (गैरअनुभवी) खिलाड़ियों के समूह शामिल हैं। इसमें 23 खिलाड़ियों के अधिकतम दो करोड़ के आधार मूल्य वाले समूह हैं। इसमें मिचेल स्टार्क, ट्रैविस हेड, उमेश यादव और शार्दुल ठाकुर जैसे खिलाड़ी हैं। इसके अलावा 13 खिलाड़ियों का अपना आधार मूल्य 1.5 करोड़ रुपए है।

वहीं इंग्लैंड के बेन स्टोक्स, जो रूट और जोफ्रा आर्चर इस सत्र के लिए शामिल नहीं हैं जबकि केदार जाधव, लिटन दास और शाकिब अल हसन का भी नाम नीलामी सूची में नहीं है। इस सूची में स्टार्क का सबसे ऊपर है। वह आठ साल बाद आईपीएल में वापसी कर रहे हैं ऐसे में उनपर सभी टीमों बड़ी रकम लगा सकती हैं। वहीं कीवी बल्लेबाज रचिन रविंद्र का आधार मूल्य 50 लाख है, लेकिन उनके लिए इससे कई गुना अधिक की बोली लग सकती हैं। युव भारतीय खिलाड़ी शार्दुल ठाकुर, हर्षल पटेल और शाहरूख खान का नाम भी इस सूची में शामिल किया जा सकता सकता है। अर्शीन कुलकर्णी, कुमार कुशाग्र, मुशीर खान, समीर रिजवी और कुछ अन्य युवा अनकैप्ड चेहरे इस नीलामी में हो सकते हैं।

अभी एक साल और टेस्ट प्रारुप खेल सकते हैं वार्नर : हीली

सिडनी (एजेंसी)। पूर्व ऑस्ट्रेलियाई विकेटकीपर बल्लेबाज इयान हीली का मानना है कि सलामी बल्लेबाज डेविड वार्नर अभी एक साल और खेल सकते हैं। हीली के अनुसार वार्नर ने जिस प्रकार पर्थ में पाकिस्तान के खिलाफ पहले टेस्ट में शतक लगाया था। उसको देखकर अंदाजा होता है कि वह एक और साल तक टेस्ट क्रिकेट खेल सकते हैं। पाकिस्तान के खिलाफ तीन मैचों की श्रृंखला के पहले टेस्ट में वार्नर ने 211 गेंदों पर 164 रन बनाये थे। इससे ऑस्ट्रेलिया ने 360 रन से जीत हासिल की। सिडनी में अपने घरेलू मैदान पर इस सीरीज का आखिरी मैच खेलने के बाद वह टेस्ट क्रिकेट से संन्यास ले लेंगे।

हीली ने कहा, 'मुझे उसके बारे में जो बात पसंद है वह है उसका लगातार खेलने के बाद भी अपनी फिटनेस बनाये रखना। हम सभी जानते हैं कि वह कितना फिट है क्योंकि उसने विकेटों के बीच अपनी तेज दौड़ को बनाये रखी है। मुझे यह काफी पसंद आया। हीली ने कहा, 'अगर वह इस तरह से बल्लेबाजी करता है, तो मेरा मानना है कि वह एक और साल तक खेल सकता है। टेस्ट क्रिकेट में पिछले कुछ समय से वह फुटवर्क के कारण संघर्ष कर रहा था पर पाक पाकिस्तान के खिलाफ मैच में उसका फुटवर्क, संतुलन और बल्ले की गति सब कुछ शानदार रहा।

गौरतलब है कि वार्नर को पिछले कुछ समय में खराब प्रदर्शन के कारण काफी आलोचना का सामना करना पड़ा था। टीम के उनके पूर्व साथी मिचेल जॉनसन ने भी कहा था कि पाकिस्तान के खिलाफ श्रृंखला में वार्नर की जगह किसी अन्य सलामी बल्लेबाज को अवसर देना चाहिये पर हीली ऐसा नहीं मानते।

अश्विन के पास है लायन का रिकार्ड तोड़ने का अवसर

नई दिल्ली (एजेंसी)। ऑस्ट्रेलियाई ऑफ स्पिनर नाथन लायन ने पर्थ टेस्ट में पाकिस्तान के खिलाफ अपनी टीम की जीत में अहम भूमिका निभाई। लायन ने इस मैच में पांच विकेट लेने के साथ ही अपने नाम 500 टेस्ट विकेट कर लिए हैं। इस ऑफ स्पिनर के नाम 123 टेस्ट मैच में 500 विकेट हो गए हैं। इस प्रकार वह विश्व के उन 8 गेंदबाजों में शामिल हो गये हैं जिनके नाम टेस्ट क्रिकेट में 500 से ज्यादा विकेट हैं। भारतीय टीम के अनुभवी स्पिनर आर अश्विन के पास लायन को जल्दी ही पीछे छोड़ने का अवसर है। अश्विन सबसे तेजी से विकेट लेने के मामले में भी लायन को पीछे छोड़ सकते हैं। अब तक सबसे अधिक विकेट लेने वालों में श्रीलंका के मुथैया मुरलीधरन 800 टेस्ट विकेट के साथ ही शीर्ष पर हैं। वहीं दूसरे नंबर पर शेन वार्न 708 और तीसरे नंबर पर जेम्स एंडरसन 690 विकेट हैं। भारतीय स्पिनर कुंबले 619 विकेट लेकर चौथे स्थान पर हैं। कुंबले के बाद स्टुअर्ट ब्रॉड 604, ग्लेन मैक्ग्रा 563, कर्टनी वॉल्श 519 और नाथन लायन 501 का नंबर आता है. अश्विन 500 से अधिक विकेट वाले एलीट क्लब में सबसे पहले शामिल हो सकते हैं क्योंकि अश्विन अभी इस आंकड़े से केवल 11 विकेट से पीछे हैं। अश्विन के पास इसी माह दक्षिण अफ्रीकी दौरे पर अपने 500 विकेट पूरे करने का अवसर है। अब तक सबसे कम मैचों में मुरलीधरन ने ये विकेट लिए हैं। लायन ने 500 टेस्ट विकेट 123 टेस्ट मैच में लिए हैं जबकि अश्विन इस आंकड़े तक 96 या 97 टेस्ट मैच में ही पहुंच सकते हैं। इससे पहले अश्विन का आंकड़ा अभी 94 टेस्ट मैच में 489 विकेट का है। अगर अश्विन दक्षिण अफ्रीका में होने वाले 2 टेस्ट मैचों में अश्विन 11 विकेट ले लें तो 500 का आंकड़ा हासिल कर लेंगे।

दक्षिण अफ्रीका को दूसरे एकदिवसीय में हराकर सीरीज अपने नाम करने उतरेगी भारतीय टीम

-रजत और रिंकू को मिल सकता है अवसर

गक्बेरहा (एजेंसी)। के एल राहुल की कप्तानी में भारतीय क्रिकेट टीम मंगलवार को यहां दूसरे एकदिवसीय में मेजबान दक्षिण अफ्रीका को हराकर तीन मैचों की सीरीज में अजेय बढ़त हासिल करने के इरादे से उतरेगी। पहले एकदिवसीय में मेजबान टीम भारतीय तेज गेंदबाजों अर्शदीप सिंह और आवेश खान के सामने टिक नहीं पायी थी और भारतीय टीम को आठ विकेट से जीत मिली थी। पहले ही मैच में मिली जीत से भारतीय टीम सीरीज में 1-0 से आगे हो गयी है जिससे उसके हौंसले बुलंद हैं। इससे मेजबान टीम पर दबाव बढ़ा है। भारतीय टीम इस दूसरे एकदिवसीय में बल्लेबाज रजत पाटीदार और आक्रामक खिलाड़ी रिंकू सिंह को अवसर दे सकती है।

कप्तान राहुल दक्षिण अफ्रीका के पिछले दौरे में मिली हार का हिसाब भी इस दौरे में सीरीज जीतकर बराबर करना चाहेंगे। भारतीय टीम के अनुभवी बल्लेबाज श्रेयस अय्यर के टेस्ट टीम से जुड़ने के कारण टीम में एक बल्लेबाज के लिए जगह खाली हुई है। जिसके लिए रिंकू और रजत में मुकाबला है। रिंकू ने पिछले एक साल के अंदर अपनी आक्रामक बल्लेबाजी से सभी का ध्यान खींचा है। उन्होंने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर टी20 मैचों में अपने प्रदर्शन से दिखाया है कि वह हालात के अनुरुप खेलकर टीम को जीत दिलाने में माहिर हैं।

दक्षिण अफ्रीका में उछाल वाली पिचों पर भी रिंकू की बल्लेबाजी सहज रही है। टीम में अभी उनकी भूमिका फिनिशर की है, ऐसे में चौथे क्रम के बल्लेबाज अय्यर की जगह के लिए रजत का दावा ज्यादा मजबूत दिखता है।घरेलू मैचों में वह इसी क्रम पर बल्लेबाजी करते रहे हैं। पाटीदार 2022 में भी भारतीय एकदिवसीय टीम में जगह बनाने में सफल रहे थे पर उन्हें अंतिम एकादश में अवसर नहीं मिला था। इसके बाद सर्जरी के कारण वह खेल से बाहर रहे।

इस श्रृंखला में मैच फिनिशर की भूमिका के लिए अनुभवी संजू सैमसन को अवसर दिया गया है। वह छठे क्रम पर बल्लेबाजी करेंगे। लिस्ट ए क्रिकेट में रिंकू का औसत तकरीबन 50 का है, ऐसे में टीम प्रबंधन के लिए दोनो ही अहम हैं। इस मैच में रजत और रिंकू दोनों को भी अवसर मिल सकता है पर ऐसे में तिलक वर्मा या सैमसन में से किसी एक को बाहर बैठना होगा पर इन दोनो को ही बाहर रखे जाने की उम्मीद कम है। पहले मैच में तिलक को केवल तीन गेंद खेलने का मौका मिला जबकि सैमसन को बल्लेबाजी का अवसर नहीं मिला था। पहले मैच में युवा सलामी बल्लेबाज साई सुदर्शन ने नाबाद अर्धशतक लगाया था जिससे भारतीय टीम बड़ा स्कोर बनाने में सफल रही थी। वहीं दूसरी ओर मेजबान दक्षिण अफ्रीका के लिए अनुभवी क्विंटन डिकॉक के खेल संन्यास के बाद टीम में तालमेल बनाना भी कठिन हुआ है। डिकॉक की आक्रामक बल्लेबाजी से रासी वैन डेर डुसेन, हेनरिक क्लासेन्स और डेविड मिलर जैसे बल्लेबाज निडर होकर खेल पाते थे पर डिकॉक के बाहर होने के बाद इसमें बाधा आई है। डिकॉक के बिना उतरी दक्षिण अफ्रीकी टीम के लिए भारतीय टीम के तेज गेंदबाजों का सामना करना कठिन होगा।

मेरा प्रदर्शन खराब होने के कारण धोनी को मिली जगह : पार्थिव

नई दिल्ली । भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान महेन्द्र सिंह धोनी के आने के बाद से ही उनके समय के कई विकेटकीपरों को टीम में जगह मिलना बंद हो गया था। धोनी के उदय के बाद ही दिनेश कार्तिक , दीप दासगुप्ता और पार्थिव पटेल को भविष्य अधर में पहुंच गया था। इसका कारण ये रहा कि धोनी ने टीम में आने के बाद से ही अपनी शानदार विकेटकीपिंग और आक्रामक बल्लेबाजी से अपनी जगह पक्की कर ली थी। धोनी के टीम में आने के बाद कार्तिक और पार्थिव बाहर रहे पर विकेल्प के तौर पर ऋद्धिमान साहा को टीम में कुछ अवसर मिले। अब पार्थिव ने कहा है कि धोनी को टीम में जगह इसलिए मिली क्योंकि मेर प्रदर्शन खराब हो गया था। पार्थिव ने कहा, ' धोनी महान रहे हैं, इसमें कोई संदेह नहीं है पर अपने पहले कप्तान के लिए आपके मन में जगह होती है और मेरे मन में भी ये है। मैंने सीएसके की ओर से 3 साल तक खेला है। मैं यह कह सकता पर मैंने अपना टेस्ट और एकदिवसीय पदार्पण धोनी के आने से पहले किया था।.' उन्होंने आगे कहा, 'मेरा प्रदर्शन खराब हो गया था, इसीलिए धोनी को चुना गया। इसलिए मुझे लगता है कि टीम में जगह उन्हें अपने प्रदर्शन के कारण मिली है।' टीम में सभी को आने का अवसर मिलता है जिसमें अपने को साबित करना होता है जिसमें धोनी सफल रहे।

विलियमसन की एक वर्ष बाद हुई टी20 टीम में वापसी

वेलिंग्टन। न्यूजीलैंड के सीमित ओवर कप्तान केन विलियमसन को एकदिवसीय और टेस्ट के बाद अब बंग्लादेश के विरुद्ध खेले जाने वाली घरेलू टी-20 श्रृंखला की भी कप्तानी दी गई है। इस श्रृंखला के साथ ही उनकी एक वर्ष के बाद टी-20 टीम में वापसी हो रही है। जहॉ सलामी बल्लेबाज डेवन कॉन्वे को टी-20 से आराम दिया गया है, वहीं माइकल ब्रेसवेल, लॉकी फ़र्ग्यूसन, मैट हेनरी और हेनरी शिपली अलग-अलग चोटों के कारण चयन के लिए उपलब्ध नहीं थे। विलियमसन ने अपना पिछला टी-20 पिछले वर्ष नवंबर में भारत के खिलाफ खेला था। उन्हें इस साल के आईपीएल के पहले मैच के दौरान पैरों में चोट लगी थी और उनकी सर्जरी हुई थी।

इसके बाद उन्होंने अक्तूबर-नवंबर में हुए वनडे विश्व कप के दौरान अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में वापसी की थी। ट्रेंट बोल्ट जिन्होंने सेंट्रल कॉन्ट्रैक्ट पर हस्ताक्षर नहीं किया है अपने आपको चयन के लिए अनुपलब्ध बताया। टीम में ऑलराउंडर जेम्स नीशम की भी वापसी हुई है तथा तेज गेंदबाज बेन सियर्स को भी टीम में शामिल किया गया है। टीम के कोच गैरी स्टीड ने कहा, 'जिस तरह से हमने एकदिवसीय विश्वकप के लिए अलग से तैयारी की थी और रचिन रवींद्र और माक 'चैपमैन जैसे खिलाड़ी उभरे थे, उसी तरह हम टी-20 विश्वकप की भी तैयारी कर रहे हैं। टिम साइफ़र्ट हमारे लिए एक ऐसे ही नाम हैं, जो टी20 विश्वकप के दौरान ऊपरी क्रम में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं। अभी टी-20 विश्वकप में समय है और हमें उम्मीद है कि विशेष भूमिकाओं के लिए हमें कुछ और नए खिलाड़ी मिलेंगे। हम टूर्नामेंट की परिस्थितियों के अनुसार अपनी योजनाएं बना रहे हैं। न्यूजीलैंड की टीम क्रिसमस के बाद 26 दिसंबर को नेपियर में अपना पहला टी-20 मुकाबला खेलेगी।

मुंबई इंडियंस छोड़कर किसी और टीम के लिए खेल सकते हैं रोहित शर्मा? एक बार फिर खुलेगी ट्रेडिंग विंडो

मुंबई (एजेंसी)। आईपीएल ऑक्शन 2024 से पहले मुंबई इंडियंस ने रोहित शर्मा को कप्तानी से हटाकर हार्दिक पंड्या को कप्तानी सौंप कर सबको चौंका दिया। जिसके बाद से लगातार फैंस अपनी नाराजगी जता रहे हैं। कई मुंबई इंडियंस फैंस ने फ्रेंचाइजी को सोशल मीडिया से अनफॉलो कर दिया है। तो कुछ फैंस कह रहे हैं कि, रोहित शर्मा को किसी और टीम में चले जाना चाहिए। लेकिन ट्रेडिंग विंडो 12 दिसंबर को ही बंद हो गई जबकि मुंबई ने अपने नए कप्तान की घोषणा इसके बाद की। वहीं अगर हम ये कहें कि ये संभव है कि रोहित शर्मा आगामी आईपीएल सीजन में किसी और टीम के लिए खेलते दिखें, क्योंकि एक बार ट्रेडिंग विंडो खुलने जा रही है।

दरअसल, दुबई में आईपीएल ऑक्शन 2024 होने जा रहा है। इसके एक दिन बाद यानी 20 दिसंबर को ट्रेडिंग विंडो एक बार फिर खुल जाएगी। तो संभव है कि रोहित शर्मा किसी और टीम में ट्रेडिंग के जरिए चले जाएं। रोहित शर्मा की कप्तानी में 2013 में मुंबई इंडियंस पहली बार चैंपियन बनी थी। उसके बाद 2023 तक उन्होंने टीम को 5 बार चैंपियन बनाया। 2024 आईपीएल सीजन से पहले मुंबई ने अपना कप्तान बदला और रोहित शर्मा की जगह हार्दिक पंड्या को चुना, जिन्हे वह ट्रेडिंग के जरिए गुजरात टाइटंस से लाई। इससे फैंस खासा नाराज हैं और कुछ ऐसे संकेत भी है कि जिससे लगता है कि रोहित शर्मा इस फैसले से खुश नहीं हैं और मुंबई इंडियंस कैंप में कुछ ठीक नहीं है।

रोहित शर्मा को कप्तानी पद से हटाने के बाद फैंस कई कयास लगा रहे हैं। वहीं कुछ मीडिया रिपोर्ट्स में दावा किया जा रहा है कि आईपीएल ट्रेडिंग जब खुली थी तब दिल्ली कैपिटल्स ने रोहित शर्मा को ट्रेडिंग के जरिए अपने स्क्वॉड में शामिल करने की इच्छा जताई थी लेकिन मुंबई इंडियंस इसके लिए तैयार नहीं था।

मैनचेस्टर यूनाइटेड ने लिवरपूल को ड्रॉ पर रोका, आर्सेनल तालिका में फिर से शीर्ष पर

लिवरपूल। मैनचेस्टर यूनाइटेड ने इंग्लिश प्रीमियर लीग (ईपीएल) फुटबॉल में लिवरपूल को गोलरहित ड्रॉ पर रोक दिया जबकि आर्सेनल ने रविवार को ब्रिगटन को 2-0 से शिकस्त दी। लिवरपूल इस ड्रॉ मुकाबले बाद तालिका में दूसरे स्थान पर खिसक गया जबकि आर्सेनल एक बार फिर से शीर्ष पर काबिज हो गया। आर्सेनल और लिवरपूल के नाम मौजूदा सत्र में 17-17 मैचों में क्रमशः 39 और 38 अंक है। मैनचेस्टर यूनाइटेड को लिवरपूल ने इस साल मार्च में 0-7 के बड़े अंतर से हराया था लेकिन नये कोच एरिक टेन हैग की देख रेख में टीम ने अपने प्रदर्शन के स्तर को ऊंचा करते हुए एक भी गोल करने का मौका नहीं दिया। आर्सेनल ने दूसरे हाफ में गैब्रियल जेसुस और काइ हैवर्ट्ज के गोल से पर ब्रिगटन को शिकस्त दी। तालिका में तीसरे स्थान पर काबिज एस्टन विला ने ने ब्रेंटफोर्ड को 2-1 से हराया। विला की टीम पहले हाफ के आखिरी क्षण में कीन लुईस-पॉटर के गोल के बाद 0-1 से पिछड़ रही थी लेकिन एलेक्स मोरेनो और ओली वाटकिंस ने दूसरे हाफ में गोल कर टीम को जीत दिला दी। ब्रेंटफोर्ड के बेन मी को 71वें मिनट में रेड कार्ड दिखाया गया जिसके बाद टीम को 10 खिलाड़ियों के साथ मैच खेलना पड़ा। मोहम्मद कुदुस के दो गोल के दम पर वेस्ट हैम ने वोल्व्स को 3-0 से हराया। कुदुस ने 10 मिनट के अंदर दो गोल किए। टीम के एक और गोल डेविड मोयेस ने किया।

शार्दुल, हर्षल पर आईपीएल में बड़ी बोली लगा सकती है कई फ्रेंचाइजी

मुम्बई (एजेंसी)। ऑलराउंडर शार्दुल ठाकुर पर आईपीएल में कई टीमें बोली लगा सकती हैं। आईपीएल के लिए नीलामी मंगलवार को होगी। इसमें 77 खिलाड़ियों पर बोली लगने की संभावना है। शार्दुल अब आईपीएल नीलामी में 2 करोड़ की बेस प्राइस के साथ उतरेंगे। इस खिलाड़ी पर कई फ्रेंचाइजी बड़ी बोली लगाने वाली हैं। केकेआर भी उन्हें जगह दे सकती है। शार्दुल गेंदबाजी के साथ ही बल्लेबाजी में भी बेहतर हैं। उन्हें 5 से 10 करोड़ की राशि मिल सकती है।

वहीं हर्षल पटेल डेथ ओवर्स के विशेषज्ञ हैं। हर्षल ने अपनी धीम गेंदबाजी से कई बल्लेबाजों को हैरान किया है। हर्षल ने पिछले साल आईपीएल में 11.50 की इकोनॉमी रेट से रन दिये थे। शायद यही वजह रही कि रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर ने 2024 के लिए हर्षल पटेल को रीटेन नहीं किया था। अब हर्षल आईपीएल नीलामी में उतरेंगे। आरसीबी ने उन्हें पिछली बार 10.75 करोड़ रुपए में खरीदा था इस बार शायद उन्हें इतनी रकम न मिले।

आईपीएल 2023 में शिवम मावी ने भी शानदार प्रदर्शन किया था। मावी साल 2023 में गुजरात टाइटंस की टीम में थे। शिवम की अपनी स्विंग गेंदबाजी के साथ ही आक्रामक बल्लेबाजी के लिए जाने जाते हैं। वह अंतिम ओवरों में बड़े शाट लगा सकते हैं। टी20 मैचों में इस प्रकार के खिलाड़ियों को सभी चाहते हैं। टाइटंस ने पिछली बार 6 करोड़ रुपए में मावी को शामिल किया था। इस बार उन्हें रिलीज कर दिया गया है पर माना जा रहा है कि मावी को एक बार फिर करीब 5 करोड़ का अनुबंध मिल सकता है।

शाहरुख पिछली बार जब आईपीएल नीलामी में उतरे तो उन्हें बेस प्राइस से 22 गुना ज्यादा रकम मिली। इस आक्रामक खिलाड़ी का आधार मूल्य पिछली बार 40 लाख रुपए था पर नीलामी में तब पंजाब किंग्स ने उनपर 9 करोड़ रुपए लगाये थे। शाहरुख अच्छा प्रदर्शन नहीं कर पाये और ऐसे में पंजाब किंग्स ने उन्हें रिलीज कर दिया था पर माना जा रहा है कि आईपीएल ऑक्शन 2024 में उन्हें फिर अवसर मिल सकता है।

अनुभवी तेज गेंदबाज उमेश यादव भारतीय क्रिकेट के खिलाड़ी रहे हैं। उन्हें हालांकि क्षकता के अनुरुप जगह नहीं मिली। आईपीएल 2022 में उमेश यादव ने लगभग हर मैच में नई गेंद से विकेट लिए पर आईपीएल 2023 में उनका प्रदर्शन कुछ खास नहीं रहा। इसी कारण कोलकाता नाइटराइडर्स ने उमेश को रिलीज कर दिया था। आईपीएल 2024 में उमेश को तकरीबन 5 करोड़ रुपए मिलने की संभावना है। आईपीएल नीलामी की इस सूची में जयदेव उनादकट, मनीष पांडे, केएस भरत, करुण नायर, चेतन सकारिया, सिद्धार्थ कौल जैसे खिलाड़ी भी हैं।

ग्रांड मास्टर शतरंज में हरीकृष्णा की सयुंक्त बढ़त बरकरार

चेन्नई । भारत के शतरंज इतिहास के सबसे बड़े क्लासिकल सुपर ग्रांड मास्टर टूर्नामेंट चेन्नई ग्रांड मास्टर्स में हरिकृष्णा की संयुक्त बढ़त बरकरार है। हालांकि पुरस्कार की दृष्टि से यह सबसे बड़ी शतरंज प्रतियोगिता बताई जा रही है। इसे चेसबेस इंडिया, एमजीडी1 और नोडविन गेमिंग द्वारा आयोजित तथा तामिलनाडु राज्य सरकार द्वारा प्रायोजित किया गया है। इसमें जीतने वाले के लिए 50 लाख रुपये पुरूस्कार राशि रखी गई है। टर्नामेंट के दूसरे दिन हंगरी के सनन स्जुगिरोव जीतने वाले अकेले खिलाड़ी रहे उन्होने इस मुक़ाबले में कल जीत दर्ज करने वाले उक्रेन के पावेल एलजनोव को पराजित किया। अन्य तीन मुकाबलों में भारत के अर्जुन एरिगासी नें हमवतन डी गुकेश से, ईरान के परहम मघसूदलू नें यूएसए के लेवान अरोनियन से और कल जीत दर्ज करने वाले भारत के पेंटाला हरिकृष्णा नें सर्बिया के अलेक्ज़ेंडर प्रेडके से बाजी ड्रॉ खेली। हालांकि अब दो राउंड के बाद फिलहाल भारत के पेंटाला हरिकृष्णा और हंगरी के सनन स्जुगिरोव 1.5 अंक बनाकर सयुंक्त बढ़त पर चल रहे है। वहीं आज दूसरे राउंड का उदघाटन करने के लिए पाँच बार के विश्व चैम्पियन और वर्तमान फीडे उपाध्यक्ष विश्वनाथन आनंद पहुंचे। उन्होने अपने शिष्य गुकेश के बोर्ड पर पहली चाल चलकर राउंड का विधिवत उदघाटन किया।

खेलो इंडिया पैरा गेम्स ने सभी खिलाड़ियों को दिया बराबरी का दर्जा : जडेजा

नई दिल्ली (एजेंसी)। खेलो इंडिया पैरा गेम्स ने सभी खिलाड़ियों को बराबरी का दर्जा दिया है, यह बात पूर्व भारतीय क्रिकेटर अजय जडेजा ने कही। उन्होंने कहा कि खेलो इंडिया पैरा गेम्स ने विशेष रूप से विकलांग एथलीटों को आगे बढ़ने और चमकने का एक बड़ा मंच दिया है। बता दें कि जडेजा सेरेब्रल पाल्सी फुटबॉल टूर्नामेंट के विजेताओं को पुरस्कार देने के लिए जेएलएन स्टेडियम में थे। यहां फाइनल में केरल ने तमिलनाडु को 7-0 से हराया। खेलो इंडिया पैरा गेम्स से इतर बोलते हुए, जडेजा ने कहा कि कोई भी पैरा स्पोर्ट्स की तरफ नहीं देखता था। अब, इस पहल के साथ, सभी के साथ समान व्यवहार किया जा रहा है और सरकार वास्तव में उस बात पर अमल कर रही है जब वे खेलेगा इंडिया तो जीतेगा इंडिया कह रहे हैं। उन्होंने कहा कि खेलो इंडिया ने ही बाकी सभी खेलों के लिए शानदार काम किया है, अब ग्रामीण क्षेत्रों से एथलीटों को शामिल करने के लिए एक संरचना तैयार की गई है। यह संरचना प्रतिभाओं को पनपने का मौका देती है।

उन्होंने कहा कि इसमें सभी खिलाड़ियों को समानता भी दी गई है। एशियाई खेलों और एशियाई पैरा खेलों दोनों में देश की सौ से अधिक पदक उपलब्धि पर टिप्पणी करते हुए उन्होंने कहा कि एशियाई खेलों में हमारा प्रदर्शन शानदार रहा। इससे भागीदारी का आंकड़ा बढ़ गया है। इसके पीछे खेलो इंडिया का अहम योगदान रहा है। मैं यह विश्वास करना चाहूंगा कि इस खेलो इंडिया पैरा गेम्स की सफलता पदकों की संख्या में नहीं बल्कि भागीदारी के आंकड़ों में है। इतने सारे एथलीटों का भाग लेना, एक सुव्यवस्थित कार्यक्रम और मीडिया का इतना प्रोत्साहन इसे एक बहुत ही सफल आयोजन बनाता है। मैं उन्हें पेरिस पैरालंपिक के लिए शुभकामनाएं देता हूं।

जड़ेजा ने कहा कि मैं यह भी आशा और प्रार्थना करता हूं कि हर खेल प्रतियोगिता को अब सिर्फ एक कार्यक्रम के रूप में नहीं बल्कि एक यात्रा के रूप में देखा जाए। पदक वितरण समारोह में भी आए अखिल भारतीय फुटबॉल महासंघ के अध्यक्ष कल्याण चौबे ने सेरेब्रल पाल्सी फुटबॉल टीमों की प्रशंसा करते हुए कहा कि फीफा का नारा है फुटबॉल यूनाइट्स वर्ल्ड और मैं यह कहने का अवसर लेता हूं कि सेरेब्रल पाल्सी फुटबॉल टीमों को भी हमारी मौजूदा एआईएफएफ लीग के दौरान खेल में शामिल किया जाएगा।

सुहाना खान

से लेकर खुशी कपूर तक, इस साल इन स्टार्स किड्स ने किया अपना डेब्यू

साल 2023 का आखिरी महीना यानी दिसंबर चल रहा है। इस महीने के महज 15 दिन बाकी रहे हैं और नए साल 2024 की शुरुआत होने वाली है। हर कोई नए साल का इंतजार बेसब्री से कर रहा है ।आमजन से लेकर फिल्मी सितारों के लिए साल 2023 बेहद खास रहा। बॉलीवुड में कई स्टार किड्स ने साल 2023 में अपना डेब्यू किया। आईए जानते हैं कौन कौन इस लिस्ट में शामिल है।

सुहाना खान

शाह रुख खान और गौरी खान की बेटी सुहाना खान ने साल 2023 में फिल्म 'द आर्चीज' से अपना डेब्यू किया। ये फिल्म ओटीटी प्लेटफॉर्म नेटफ्लिक्स पर 7 दिसंबर को रिलीज हुई है, जिसकी चर्चा देश भर में हो रही है। इस फिल्म में सुहाना ने 'वेरोनिका लॉज' का किरदार निभाया है।

पलक तिवारी

टीवी की जानी-मानी एक्ट्रेस श्वेता तिवारी की तरह उनकी बेटी पलक तिवारी भी इस साल अपना डेब्यू कर चुकी हैं। पलक तिवारी ने सलमान खान की फिल्म 'किसी का भाई किसी की जान' से फिल्मी

दुनिया में अपना कदम रखा। ये फिल्म इस साल के शुरुआत यानी 21 अप्रैल को रिलीज हुई थी। पलक ने फिल्म में 'मुस्कान' नाम का किरदार निभाया है।

राजवीर देओल

बॉलीवुड के देओल परिवार के लिए ये साल बेहद खास रहा। सालों बाद सनी देओल और बॉबी देओल का पर्दे पर वापस आना। तो वहीं सनी पाजी के छोटे बेटे राजवीर देओल ने भी इस साल पर्दे पर अपना डेब्यू किया। राजवीर ने फिल्म 'दोनों' से अपना डेब्यू किया है। 5 अक्टूबर को ये फिल्म रिलीज हुई थी।

अगस्त्य नंदा

अमिताभ बच्चन के नाती अगस्त्य नंदा ने भी इस साल फिल्म 'द आर्चीज' से बॉलीवुड की दुनिया में कदम रखा है। इस फिल्म में अगस्त्य नें' आर्ची एंड्रयूज' का रोल किया था।

अलिजे अग्निहोत्री

सलमान खान की तरह अब उनकी भतीजी मामा के नक्शे कदम पर चली है। अलिजे अग्निहोत्री ने फिल्म 'फर्रे' से अपना डेब्यू किया। यह फिल्म 24 नवंबर को सिनेमाघरों में रिलीज हुई थी। अलिजे अग्निहोत्री की ये फिल्म फ्लॉप साबित हुई।

अनुष्का शर्मा

के भाई से ब्रेकअप के बाद किसे डेट कर रहीं Tripti Dimri? इस रईस बिजनेसमैन के साथ जुड़ा नाम

की जोया बनकर मशहूर हुईं तृप्ति डिमरी (Tripti Dimri) आज नेशनल क्रश बन गई हैं। रणबीर कपूर के साथ उनकी केमिस्ट्री को लेकर काफी समय से चर्चा हो रही थी। इस बीच अभिनेत्री के डेटिंग की खबरें वायरल हो रही हैं। कहा जा रहा है कि वह एक रईस बिजनेसमैन को डेट कर रही हैं।

अनुष्का शर्मा के भाई को डेट कर रही थीं तृप्ति डिमरी

फिल्मी दुनिया में तृप्ति डिमरी ने अपने अफेयर की वजह से काफी सुर्खियां बटोरी हैं। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, वह अनुष्का शर्मा के भाई कर्नेश शर्मा को भी डेट कर चुकी हैं। तृप्ति का कर्नेश के साथ तब नाम जुड़ा था, जब वह उनके प्रोडक्शन में बनी फिल्म बुलबुल में नजर आई थीं। इसके बाद तृप्ति ने कर्नेश की फिल्म कला में भी काम किया।

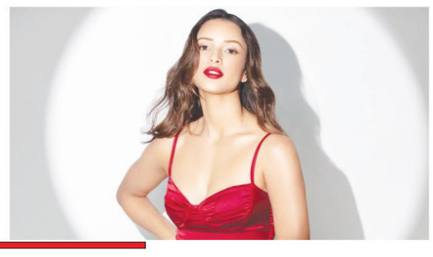

कला के बाद कर्नेश से अलग हुईं तृप्ति डिमरी!

कर्नेश शर्मा और तृप्ति अक्सर पार्टीज में साथ दिखाई दिए। यही नहीं, दोनों की रोमांटिक फोटोज ने भी लोगों का ध्यान खींचा। हालांकि, तृप्ति या कर्नेश में से किसी ने भी अपने रिलेशनशिप पर मुहर नहीं लगाई। कुछ महीने पहले दोनों के ब्रेकअप की खबरें आग की तरह फैल गई थीं। हालांकि, ब्रेकअप के कारण का खुलासा नहीं हुआ था। अब कर्नेश के साथ ब्रेकअप के बाद तृप्ति का नाम किसी और के साथ जोड़ा जा रहा है।

तृप्ति डिमरी का नया ब्वॉयफ्रेंड कौन है?

इन दिनों तृप्ति डिमरी का नाम बिजनेसमैन सैम मर्चेंट (Sam Merchant) के साथ जुड़ रहा है। हाल ही में, तृप्ति एक फंक्शन में पहुंची थीं, जहां से उनकी एक तस्वीर वायरल हो रही है। फोटो में वह सैम के साथ व्हाइट आउटफिट में ट्विनिंग करती हुई दिखाई दीं।

फोटोज वायरल होने के बाद से ही उनके अफेयर की खबरों ने हवा पकड़ी। सैम एक बिजनेसमैन हैं, जो गोवा में एक रेस्तरां के मालिक हैं। हालांकि, क्या वाकई सैम और तृप्ति के बीच कोई रिश्ता है या फिर ये महज अफवाह, अभी तक ये क्लियर नहीं हुआ है।

वीडी 18 की शूटिंग के वक्त घायल हुए एक्टर, लोहे की रॉड से लगी चोट, फोटो शेयर कर दिखाई अपनी हालत

एक्टर्स के साथ अक्सर ऐसा होता है कि हाई प्रोफाइल एक्शन सीन शूट करते वक्त उन्हें चोट लग जाए। कभी-कभी यह चोट इतनी भयानक लगती है कि कुछ समय के लिए शूट को पोस्टपोन करना पड़ता है। बॉलीवुड एक्टर वरुण धवन (Varun Dhawan) के साथ भी कुछ ऐसा ही हुआ है।? उन्हें लोहे की रॉड से चोट लगने की वजह से सूजन हो गई है।

लोहे की रॉड से लगी चोट

फिल्म इंडस्ट्री में अलग-अलग रोल करके अपनी पहचान बनाने वाले वरुण धवन की अच्छी फैन फॉलोइंग है। हाल ही में एक्टर ने एक फोटो शेयर की, जिसमें वह अपने सूजे हुए पैरों को दिखा रहे हैं। वरुण धवन की यह फोटो देख उनके फैंस टेंशन में आ गए हैं।

वरुण ने दिखाई फोटो

इंस्टाग्राम स्टोरी पर बदलापुर एक्टर ने अपने सूजे हुए पैरों की फोटो दिखाई है। ध्यान से देखने पर उनके पैर पर लाल चोट के निशान भी दिखाई दे रहे हैं। एक्टर ने अपना पर कुर्सी पर रखा है और फोटो पर लिखकर बताया- लोहे की रॉड में उनका पर टकरा गया। एक्टर की चोट लगने की खबर सोशल मीडिया पर तेजी से फैलने लगी। यह चोट उन्हें फिल्म VD18 की शूटिंग के दौरान लगी।

वरुण धवन वर्कफ्रंट

इस साल 21 जुलाई को वरुण धवन की फिल्म बवाल रिलीज हुई थी। यह फिल्म ओटीटी पर दिखाई गई थी, जिसमें उन्हें अपनी परफॉर्मेंस को खूब तारीफें मिलीं। पहली बार फैंस को जाह्नवी कपूर के साथ वरुण की जोड़ी देखने को मिली थी। वहीं, एक्टर के आने वाले प्रोजेक्ट्स की बात करें, तो वीडी18 अगले साल मार्च में दस्तक दे सकती है। यह तमिल फिल्म थेरी का रीमेक है।? इसके अलावा ऐसी चर्चा है कि वरुण एक बार फिर पिता डेविड धवन की फिल्म में नजर आएंगे।

ब्लैक बिकिनी लुक में वामिका गब्बी ने लूटी महफिल, मिनटो में वायरल हुआ वीडियो

अमेजन प्राइम वीडियो की पॉपुलर सीरीज जुबली से फैंस के दिलों पर राज करने वालीं वामिका गब्बी किसी अलग परिचय मोहताज नहीं हैं। मौजूदा समय में अपने किलर लुक की वजह से वामिका लगातार सुर्खियां बटोर रही हैं।इस बीच सोशल मीडिया पर वामिका गब्बी का एक लेटेस्ट वीडियो पर सामने आया है, जिसमें एक्ट्रेस ब्लैक बिकिनी लुक के जरिए हर किसी का ध्यान खींचती हुई नजर आ रही हैं।

वामिका गब्बी के लेटेस्ट वीडियो ने मचाई धूम

शाहिद कपूर की फिल्म जब वी मेट में बतौर बाल कलाकार नजर आने वालीं वामिका गब्बी अब इंडस्ट्री का जाना-माना नाम बन गई हैं। सोशल मीडिया पर एक्ट्रेस काफी एक्टिव रहती हैं, जिसके चलते आए दिन उनकी फोटो और वीडियो इंटरनेट पर आग लगाती रहती हैं। इस बीच इंस्टाग्राम पर वामिका का एक लेटेस्ट वीडियो सामने आया है। इस वीडियो में वामिका गब्बी ब्लैक बिकिनी में दिखाई दे रही हैं। दरअसल अदाकारा का ये वीडियो उनके लेटेस्ट फोटोशूट के दौरान का है, जिसमें अपनी कातिलाना अदाओं से वामिका फैंस के दिलों पर बिजलियां

गिराती हुई नजर आ रही हैं।

अभिनेत्री के इस वीडियो के जरिए उनकी बोल्डनेस का अंदाजा आसानी से लगाया जा सकता है। आलम ये है कि वामिका गब्बी का ये वीडियो अब सोशल मीडिया पर बड़ी तेजी से वायरल हो रहा है। फैंस उनके इस वीडियो को काफी पसंद कर रहे हैं। इससे पहले अपनी बिकिनी फोटो को लेकर वामिका तबाही मचा चुकी हैं। ये ही वो वजह है जिसके कारण एक्ट्रेस का नाम लाइमलाइट का हिस्सा बना हुआ है।

कमाल की एक्ट्रेस हैं वामिका

वामिका गब्बी जितनी ज्यादा खूबसूरत हैं, उससे कहीं ज्यादा कमाल की एक्ट्रेस हैं। वेब सीरीज जुबली, चार्ली चोपड़ा एंड मिस्ट्री और फिल्म 83, खुफिया के जरिए वामिका अपनी शानदार अदाकारी का नमूना पेश कर चुकी हैं। ऐसे में ये साफ कहा जा सकता है कि एक्टिंग का टैलेंट उनमें कूट-कूट कर भरा है।